दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 323/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, मंगलवार 08 जुलाई 2025 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

ब्रासीलिया पहुंचे प्रधानमंत्री का भारतीयों ने शिव तांडव के साथ किया स्वागत

मोदी आज राष्ट्रपति लूला के साथ करेंगे द्विपक्षीय वार्ता

ब्रासीलिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच देशों के 8 दिवसीय विदेश यात्रा पर हैं। पीएम मोदी मंगलवार को रियो डी जनेरियो से ब्राजील की राजधानी ब्रासीलिया पहुंचे। यहां पर उनका स्वागत शिव तांडव स्तोत्र और भारतीय शास्त्रीय नृत्य से किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने इसे यादगार स्वागत बताया और प्रवासियों की अपनी जड़ों से जुड़े रहने के लिए प्रशंसा की। प्रधानमंत्री मोदी मंगलवार को ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। ब्रासीलिया पहुंचे पीएम मोदी का एयरपोर्ट पर ब्राजील के रक्षा मंत्री जोस मुसियो मोंटेइरो फिल्हो ने स्वागत किया। यह उनकी पांच देशों की यात्रा का चौथा चरण है। पीएम मोदी के होटल पहुंचने पर भारतीय समुदाय के लोगों ने उनका स्वागत भारत माता की जय के नारों के साथ किया। इसी दौरान पीएम के स्वागत में संगीत और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। कुछ विदेशियों ने पीएम मोदी के सामने शिव तांडव स्तोत्र भी प्रस्तुत किया। पीएम मोदी ने इन कलाकारों की सराहना की। पीएम मोदी ने उनका स्वागत करने आए बच्चों से भी बातचीत की और उनके साथ दुलार करते नजर आए।

भारतीय समुदाय ने यादगार स्वागत किया

पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, थोड़ी देर पहले ब्रासीलिया पहुंचा। भारतीय समुदाय ने यादगार स्वागत किया, जो एक बार फिर दर्शाता है कि हमारे प्रवासी कितने भावुक हैं और वे अपनी जड़ों से कितने जुड़े हुए हैं। उन्होंने कुछ तस्वीरें भी साझा कीं, जिनमें उत्साहित और उत्साही प्रवासी भारतीय तिरंगा थामे प्रधानमंत्री मोदी का हाथ जोड़कर अभिवादन करते नजर आ रहे हैं।

यात्रा देशों के साथ भारत की मित्रता को भी बढ़ावा देंगी

पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, अब राजकीय यात्रा के लिए ब्रासीलिया जा रहा हूं। भारत-ब्राजील संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर राष्ट्रपति लूला के साथ विस्तृत बातचीत करूंगा। मेरी ब्राजील यात्रा का रियो चरण बहुत उत्पादक रहा। हमने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में व्यापक विचार-विमर्श किया। मैं राष्ट्रपति लूला और ब्राजील सरकार को उनके ब्रिक्स प्रेसीडेंसी के माध्यम से इस मंच को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए किए गए काम के लिए बधाई देता हूं। विश्व नेताओं के साथ मेरी द्विपक्षीय बैठकें विभिन्न देशों के साथ भारत की मित्रता को भी बढ़ावा देंगी।

हेल्थ समेत कई मुद्दों पर द्विपक्षीय चर्चा होगी

पीएम मोदी मंगलवार को ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा के साथ व्यापार, डिफेंस, एनर्जी, स्पेस, टेक्नोलॉजी, खेती और हेल्थ समेत कई मुद्दों पर द्विपक्षीय चर्चा करेंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने लिखा- इंडिया-ब्राजील के बीच मजबूत साझेदारी में नए कदम उठाते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्राजील की राजकीय यात्रा पर राजधानी ब्रासीलिया पहुंचे। आगमन पर, हवाई अड्डे पर ब्राजील के रक्षा मंत्री जोस मुसियो मोंटेरो फिल्हो ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। पारंपरिक ब्राजीलियाई सांबा रेगे प्रदर्शन द्वारा स्वागत को शानदार संगीतमय बनाया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने भी लिखा- ब्रासीलिया हवाई अड्डे पर, बटाला मुंडो बैंड ने कुछ बेहतरीन रचनाएं बजाईं। उनका यह प्रयास एफ्रो-ब्राजीलियन पर्क्यूशन, विशेष रूप से ब्राजील के साल्वाडोर दा बाहिया के सांबा-रेगे को बढ़ावा देने का वैश्विक प्रयास है। कुछ घंटे पहले प्रधानमंत्री ने रियो डी जेनेरियो की अपनी यात्रा को बहुत उत्पादक

माखनलाल विवि मीडिया के क्षेत्र में एडवांस्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट के रूप में अपनी पहचान बनाएं : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री निवास में विश्वविद्यालय महापरिषद की आयोजित हुई बैठक में दिए निर्देश

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की अध्यक्षता में माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय की महापरिषद की बैठक, मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में संपन्न हुई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में वर्तमान आवश्यकताओं के अनुसार साइबर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर केंद्रित पाठ्यक्रम आरंभ किए जाएं। साथ ही विश्वविद्यालय, मीडिया के क्षेत्र में एडवांस्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट के रूप में अपनी पहचान बनाए।मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव ने राज्य शासन द्वारा संचालित जन कल्याण योजनाओं के संप्रेषण और उनकी प्रभावशीलता के सर्वेक्षण संबंधी गतिविधियां भी विश्वविद्यालय में आरंभ करने की आवश्यकता बताई । मुख्यमंत्री डॉ यादव ने मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में विश्वविद्यालय की महापरिषद की बैठक मे यह निर्देश दिए।

सांध्यप्रकाश विशेष

पीएम मोदी ने विदेश दौरे पर मेजबानों को दिए विशेष उपहार

चांदी का शेर, राम मंदिर का मॉडल, पवित्र जल कलश और मधुबनी पेंटिंग भी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अर्जेंटीना के राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति को और त्रिनिदाद एंड टोबैगो के प्रधानमंत्री को विशेष उपहार दिए हैं। उन्होंने उपहार के रूप में चांदी का शेर, मधुबनी पेंटिंग, सरयू नदी के पवित्र जल से भरा कलश और अयोध्या राम मंदिर की चांदी की प्रतिकृति भेंट की। पीएम मोदी ने अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली को चांदी का शेर गिफ्ट किया। फुचसाइट स्टोन बेस पर हाथ से उकेरा गया चांदी का यह शेर राजस्थान की प्रसिद्ध धातुकर्म और रत्न कला का एक शानदार उदाहरण है। जटिल रूप से विस्तृत चांदी का शेर साहस और नेतृत्व का प्रतीक है, जबकि फुचसाइट बेस, जिसे हीलिंग और रेसिलिएंस स्टोन के रूप में जाना जाता है- प्राकृतिक सुंदरता और अर्थ जोड़ता है। राजस्थानी कारीगरों की ओर से भारत के खनिज समृद्ध क्षेत्रों से प्राप्त चांदी और फुचसाइट का उपयोग करके चांदी का शेर तैयार किया गया, यह देश की समृद्ध कलात्मक और भूवैज्ञानिक विरासत को खूबसूरती से दर्शाता है। उन्होंने अर्जेंटीना की उपराष्ट्रपति विक्टोरिया विलारुएल को उपहार के रूप में मधुबनी पेंटिंग भेंट की। यह मधुबनी पेंटिंग बिहार के मिथिला क्षेत्र की भारत की सबसे पुरानी लोक कला परंपराओं में से एक को खूबसूरती से दर्शाती है।

सिस्को के वैश्विक प्रमुख ने प्रौद्योगिकी सहयोग पर चर्चा करने के लिए सिंधिया से मुलाकात की

भोपाल। केंद्रीय संचार और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने सिस्को के सीईओ श्री चक रॉबिंस और उनकी टीम से मुलाकात की और उन्हें भारत के तेजी से विकसित हो रहे डिजिटल प्रौद्योगिकी परिदृश्य और बढ़ते बाजार में अपनी पैठ बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। बैठक के दौरान, उन्होंने देश की विशाल क्षमता और जीवंत प्रतिभा पूल का लाभ उठाने के महत्व पर प्रकाश डाला।

आम आदमी के उत्थान के लिए समाधान बनाने के महत्व को रेखांकित करते हुए, उन्होंने 6जी क्रांति को आगे बढ़ाने में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) में भारत की बढ़ती गति पर जोर दिया।

मंत्री ने सिस्को को भारत के डिजिटल प्रौद्योगिकी क्षेत्र में व्यापक निवेश के अवसरों का पता लगाने के लिए आमंत्रित किया, जिसमें नवाचार और निवेश के लिए वैश्विक केंद्र के रूप में देश के उभरने पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने भौतिक बुनियादी ढांचे से परे पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के महत्व पर भी जोर दिया जो समुदायों को सशक्त बनाता है और भावी पीढ़ियों को तैयार करता है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के पिता का निधन

जोधपुर। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के पिता दाऊलाल वैष्णव का मंगलवार सुबह निधन हो गया। वे पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे और हाल ही में उनकी तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें जोधपुर एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जोधपुर एम्स के मुताबिक मंगलवार सुबह 11 बजकर 52 मिनट पर उन्होंने अंतिम सांस ली। वे मूलतः पाली जिले के जीवंद कला निवासी थे और बाद में परिवार के साथ जोधपुर में बस गए थे। रातानाडा भास्कर चौराहा के पास महावीर कॉलोनी में उनका घर है।

बरगी बांध के 13 गेट खोले गए

देश में अब तक 254एमएम बारिश, 15 प्रतिशत ज्यादा मप्र में पुल टूटने से कार बही, 4 की मौत

भोपाल। देशभर में दक्षिण-पश्चिम मानसून जमकर बरस रहा है। मानसून सीजन में अब तक सामान्य से 15त्न ज्यादा बारिश हो चुकी है। इस समय तक 221.6 एमएम बारिश होनी थी, लेकिन 254 एमएम हो चुकी है। वहीं मौसम विभाग ने मध्यप्रदेश सहित देश के कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इधर मध्य प्रदेश में लगातार हो रही बारिश से बालाघाट, मंडला, सिवनी, इटारसी और कटनी समेत कई जिलों में बाढ़ के हालात बन गए हैं।

कहां होगी बारिश

मौसम विभाग के मुताबिक, मध्य प्रदेश में 8 से 13 जुलाई तक अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश जारी रहने की संभावना है। इसके अलावा, विदर्भ और छत्तीसगढ़ में 8 से 10 जुलाई, गंगीय पश्चिम बंगाल, झारखंड और ओडिशा में 8 जुलाई को भारी बारिश हो सकती है। सब-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 9, 12 और 13 जुलाई को भारी बारिश की संभावना है। मध्य प्रदेश में 8 से 10 जुलाई तक बहुत भारी बारिश की चेतावनी भी जारी की गई है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पटवारी पर एफआईआर का विरोध

न्याय सत्याग्रह प्रदर्शन में प्रदेश भर से जुटे पार्टी नेता व जनप्रतिनिधि

अशोकनगर । एक पिछड़ा वर्ग के युवक को मल खिलाने में मामले में पीडित का पक्ष लेने पर कांग्रेस प्रदेष अध्यक्ष जीतू पटवारी के खिलाफ जिले के मुंगावली थाने में प्रकरण पंजीबद्ध किया है। इसके विरोध में आज प्रदेष भर से कांग्रेस नेता व जनप्रतिनिधि अषोकनगर पहुंचकर प्रदर्षन में षामिल हो रहे हैं।

कार्यक्रम के आयोजन के लिए प्रषासन ने पुरानी गल्ला मण्डी में अनुमति दी है। पहले यह कार्यक्रम बायपास रोड के पास विमानो के चबुतरे के पास होने जा रहा था लेकिन प्रषासन ने वहां की अनुमति नहीं दी

थी। दोपहर खबर भेजे तक न्याय सत्याग्रह सभा को स्थानीय व बाहर से आए हुए वक्ता संबोधित कर रहे थे। न्याय सत्याग्रह सभा में प्रदेष भर से विधायक, पार्टी जिलाध्यक्ष, महिला जिलाध्यक्ष, युवा कांग्रेस, सेवादल कांग्रेस सहित पार्टी के सभी संगठनों के कार्यकर्ता पदाधिकारी पहुंच रहे हैं। पूर्व केबीनेट मंत्री व राघोगढ विधायक जयवर्द्धनसिंह ससाह भर से जिले में रहकर तैयारियों में जुटे रहे। प्रदर्षन को लेकर प्रषासन ने पूरी तैयारी की है। जगह जगह पुलिस बल के साथ बैरीकेटस किए गए साथ ही कई रास्तों को बंद किया जाकर एकल रास्ता किया गया है। वहीं कलेक्टर आदित्यसिंह, पुलिस अधीक्षक विनीतकुमार जैन भी कार्यक्रम स्थल के आसपास व्यवस्थाओं के लिए निर्देष देर रहे हैं।

संजोग गुप्ता बने आईसीसी के नए सीईओ, जय शाह के नेतृत्व में वैश्विक क्रिकेट को मिलेगी नई दिशा

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने एक बड़े प्रशासनिक फैसले के तहत संजोग गुप्ता को अपना नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। संजोग गुप्ता, जो वर्तमान में जियोस्टार स्पोर्ट्स के सीईओ (स्पोर्ट्स एंड लाइव एक्सपीरियंस) हैं, उन्होंने 7 जुलाई से सातवें सीईओ के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। उन्होंने ज्योफ एलार्डिस की जगह ली है, जिन्होंने व्यक्तिगत कारणों से पद छोड़ा था। इस नियुक्ति के साथ भारत का वैश्विक क्रिकेट प्रशासन में प्रभाव और मजबूत हुआ है।

आईसीसी ने बताया कि सीईओ पद के लिए मार्च 2025 में शुरू हुई चयन प्रक्रिया में 25 देशों से 2500 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए थे। इनमें खेल प्रशासन से जुड़े नेताओं से लेकर कॉरपोरेट क्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारियों तक शामिल थे। आईसीसी की एचआर और रेम्यूनरेशन कमेटी ने 12 उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट किया, जिनके प्रोफाइल को नामांकन समिति ने जांचा। इस समिति में आईसीसी उपाध्यक्ष इमरान ख्वाजा, ईसीबी अध्यक्ष रिचर्ड थॉम्पसन, एसएलसी अध्यक्ष शम्मी सिल्वा, और बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया शामिल थे। समिति ने सर्वसम्मति से संजोग गुप्ता की सिफारिश की, जिसे आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने मंजूरी दी और पूर्ण आईसीसी बोर्ड ने इसकी पुष्टि की। आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने नियुक्ति पर खुशी जताते हुए कहा, संजोग गुप्ता का खेल रणनीति और व्यावसायिक दृष्टिकोण आईसीसी के लिए अमूल्य होगा।

तीन वर्षों में देश की 13.13 लाख लड़कियां और महिलाएं गायब हुईं

नई दिल्ली। महिला सुरक्षा और बेटी बचाने के नारों के बीच देश भर से बड़ी संख्या में वह गायब भी हो रही है। गायब होने वाली महिलाओं और बेटियों के ताजा आंकड़े काफी चिंताजनक हैं। स्थिति यह है कि 2019 और 2021 के बीच तीन वर्षों में ही देश की 13.13 लाख से अधिक लड़कियां और महिलाएं गायब हो गईं। गायब होने में सबसे अधिक लगभग दो लाख मध्य प्रदेश में थीं, उसके बाद पश्चिम बंगाल से लगभग 1,92,000 गायब हुई हैं। एक खबर में बताया गया है कि पिछले सप्ताह संसद में पेश किए गए केंद्रीय गृह मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, देश भर में 2019 और 2021 के बीच 18 साल से अधिक उम्र की 10,61,648 महिलाएं और उससे कम उम्र की 2,51,430 लड़कियां लापता हो गईं। यह डेटा नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) द्वारा तैयार किया गया है। संसद में पेश किए गए आंकड़ों के अनुसार, मध्य प्रदेश में 2019 और 2021 के बीच 1,60,180 महिलाएं और 38,234 लड़कियां गायब हो गई हैं। वहीं पश्चिम बंगाल से कुल 1,56,905 महिलाएं और 36,606 लड़कियां लापता हुई हैं। महाराष्ट्र में इस दौरान 1,78,400 महिलाएं और 13,033 लड़कियां लापता हुई हैं। ओडिशा में 70,222 महिलाएं और 16,649 लड़कियां गायब हुईं, इसी दौरान छत्तीसगढ़ से 49,116 महिलाएं और 10,817 लड़कियां गायब हो गईं।

दिल्ली से 61,054 महिलाएं और 22,919 लड़कियां गायब

केंद्र शासित प्रदेशों की बात करें दो राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में स्थिति काफी खराब है। केंद्र शासित प्रदेशों में सबसे ज्यादा लड़कियों और महिलाओं के लापता होने की संख्या दिल्ली में ही दर्ज की गई हैं। सरकार की नाक के नीचे दिल्ली में भी बड़ी संख्या में महिलाएं और लड़कियां गायब हो रही हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 2019 और 2021 के बीच 61,054 महिलाएं और 22,919 लड़कियां गायब हो गईं हैं, जबकि इसी अवधि में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर से 8,617 महिलाएं और 1,148 लड़कियां लापता हो गईं हैं।

महिला सुरक्षा को मजबूत करने के लिए उठाए कई कदम

संसद में गृह मंत्रालय की ओर से बताया गया है कि देश भर में महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई कदम उठाए गए हैं। सरकार इसके लिए आधुनिक तकनीक का भी सहारा ले रही है। बताया गया कि सरकार ने इमरजेंसी रिसपॉस सपोर्ट सिस्टम शुरू किया है। आपात स्थितियों के लिए नंबर (112) आधारित प्रणाली की सुविधा देश भर में दी जा रही है। स्मार्ट पुलिसिंग और सुरक्षा प्रबंधन में सहायता के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करते हुए पहले चरण में आठ शहरों - अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता, लखनऊ और मुंबई में सुरक्षित शहर परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।

महिलाओं की सुरक्षा के लिए कानून को किया गया कठोर

खबर के मुताबिक इन आंकड़ों को पेश करते हुए केंद्र सरकार ने संसद को बताया कि उसने देश भर में महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई काम किए गए हैं। इसी कड़ी में यौन अपराधों के खिलाफ प्रभावी रोकथाम के लिए कानूनों को संसोधनों के जरिए सख्त किया गया है। 12 वर्ष से कम उम्र की लड़कियों के बलात्कार के लिए मृत्युदंड सहित और भी अधिक कठोर दंडात्मक प्रावधान निर्धारित किए गए हैं। बलात्कार के मामलों में तेजी से जांच करने का भी आदेश दिया गया है। बताया गया है कि गृह मंत्रालय ने अश्लील सामग्री की रिपोर्ट करने के लिए 20 सितंबर, 2018 को एक साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल लॉन्च किया है। कोई भी व्यक्ति इसको लेकर इसपर रिपोर्ट दर्ज करा सकता है। गृह मंत्रालय ने देश भर में यौन अपराधियों की जांच और ट्रैकिंग की सुविधा के लिए 20 सितंबर, 2018 को यौन अपराधियों का राष्ट्रीय डेटाबेस भी लॉन्च किया था।

।। अच्छाई अपनाना सीखो ।।

अच्छी बातें कहीं से भी मिले उसे जीवन में अवश्य धारण करना चाहिए। अच्छे गुण शत्रु में भी दिखते हों तो उनको सराहने का साहस भी अवश्य होना चाहिए। प्रशंसा सुनना जितना आसान होता है, प्रशंसा को पचा पाना उतना ही कठिन हो जाता है। स्वयं की ज्यादा प्रशंसा सुनने से व्यक्ति के भीतर अहम जन्म लेता है तो अधिक सम्मान की प्राप्ति भी जीवन उत्थान के मार्ग में सदैव बाधक होती है। दूसरों की प्रशंसा करना स्वयं के अहम का नाश करते हुए आपको सहज ही दूसरों के प्रेम और सम्मान का अधिकारी बना देती है। राजा बलि की प्रशंसा करके ही भगवान वामन ने तीन लोक सहज में प्राप्त कर लिए थे। दूसरों के अच्छे गुणों की प्रशंसा करना एवं उन अच्छे गुणों को अपने जीवन में धारण करने के लिए सदैव प्रयत्नशील रहना ही जीवन उन्नति का मार्ग है। आज का दिन शुभ मंगलमय हो।

शिव महापुराण कथा 27 से आईटीआई पार्क में

भोपाल। शिव महापुराण कथा 27 जुलाई से आईटीआई पार्क भोपाल में होगी। यह जानकारी मुख्य यजमान पुरण चौरसिया ने दी। उन्होंने बताया कि कथा व्यास आचार्य पं. आशीष चन्द्र शास्त्री (शुक्ल जी महाराज श्री धाम वृन्दावन) सुनाएंगे, 3 अगस्त को कथा समाप्त होगी है। कथा का समय- प्रतिदिन दोपहर 2 से सायं 6 बजे तक रहेगा। कलश यात्रा 27 जुलाई को सुबह 10 बजे से प्रारंभ होगी। आयोजन सावन के पवित्र महीने में पावर प्ले ने विश्वास के प्रतीक का नेतृत्व किया वही पूरण चौरसिया ने बताया कि इस अवसर पर नागपंचमी महोत्सव (चौरसिया दिवस) 29 जुलाई प्रातः 10 से 12 बजे तक नाग देवता पूजन, अभिषेक, आरती भी होंगी आप सभी धर्मप्रेमी बन्धु सादर आमन्त्रित हैं

क्षत्रिय करणी सेना की वंदना बनी वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष

भोपाल। क्षत्रिय करणी सेना ने वंदना ठाकुर को वरिष्ठ उपाध्यक्ष मध्य प्रदेश मनोनीत किया है। उनको यह दायित्व मिलने पर उनके इष्ट मित्रों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दिए वहीं वंदना ठाकुर ने कहा कि मैं अपनी जिम्मेदारी संगठन के प्रति पूर्ण निष्ठा भाव से निभाऊंगी एवं उन्होंने सभी वरिष्ठों का धन्यवाद देते हुए कहा कि संगठन ने मुझ पर जो विश्वास जताया है मैं उस विश्वास पर खड़ी उतरुंगी।

वृंदावन आश्रम गौशाला में पशुओं के उपचार से लेकर रहने खाने की बेहतरीन व्यवस्थाएं

वृंदावन आश्रम गौशाला को मिला जिला स्तरीय उत्कृष्ट गो सेवा सम्मान

भोपाल। कोलार क्षेत्र के अमरावत कला पंचायत शोभापुर गांव में स्थित यह गौशाला विगत कई वर्षों से सड़क पर घायल, अपंग या बीमार गौ वंश जिनमें गाय, नंदी महाराज, घोड़े, खच्चर, ऊँट जैसे बड़े पशु को आश्रय, उपचार, भोजन एवं संरक्षण प्रदान कर रही है। अब तक 600 से अधिक गौ वंश के प्राणों की रक्षा इस सेवा धाम द्वारा की जा चुकी है। जब पशुओं को स्थल पर लाना संभव नहीं होता, तब ऑन-स्पॉट ट्रीटमेंट की व्यवस्था कर पशु चिकित्सकों को मौके पर भेजकर इलाज करवाया जाता है। आश्रम केवल गौ वंश तक सीमित नहीं है घायल कुत्ते, बिल्ली, बतख, खरगोश, पंछी आदि अनेक छोटे जीवों का भी यहाँ उपचार कर उन्हें नया जीवन दिया गया है। जो जीव विकलांग होकर सड़क पर जीवन नहीं जी सकते, उन्हें आश्रम में स्थायी आश्रय दिया गया है। कई पैरालाइज्ड, अपंग जीव वर्षों से इस स्थान को ही अपना घर मान चुके हैं। बरसात में बढ़ते केसों को देखते हुए अब आश्रम में एक छोटे पशु आरोग्यशाला की स्थापना की गई है, जिसमें वेटरनरी डॉक्टर, सर्जन, आधुनिक सर्जरी उपकरण, एंटीबायोटिक, इंजेक्शन, घाव धोने के सामान आदि की व्यवस्था की है। इन सभी व्यवस्थाओं का खर्च निजी बचत से किया जा रहा है।

आश्रम में सेवा कार्य के लिए तीन से चार समर्पित परिवार दिन-रात नियुक्त हैं। मध्यप्रदेश शासन के पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा भोपाल स्थित वृंदावन आश्रम गौशाला की संचालिका मीता नायर जी को माननीय मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव जी के कर कमलों से जिला स्तरीय उत्कृष्ट गौ सेवा के लिए सम्मानित किया गया। इससे पूर्व भी मीता नायर जी को उनकी निस्वार्थ सेवा के लिए विधायक श्री रामेश्वर शर्मा जी एवं मंत्री श्री कैलाश सारंग जी द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। यह उपलब्धि संपूर्ण वृंदावन आश्रम गौशाला परिवार के लिए गर्व का विषय है। मीताजी ने अपने आईटी के सॉफ्टवेयर इंजीनियर के हाई पैकेज जाब को छोड़कर गो वंश की स्थिति देखकर विगत कुछ वर्षों से यह सेवा कार्य प्रारंभ किया है जिसमें उनके परिवार के सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका है , संस्था 80 प्रतिशत रजिस्टर्ड है, जिससे दानदाता आयकर में छूट प्राप्त कर सकते हैं। वर्तमान में आश्रम में कई बिना मां के बछड़े, विकलांग गायें निवासरत हैं। इनकी बढ़ती संख्या को देखते हुए गोबर-गोमूत्र आधारित नवाचार प्रारंभ किए गए हैं, जिससे आश्रम आत्मनिर्भर बन सके।

पंचगव्य से बने उत्पादों का प्रयोग दैनिक जीवन में बढ़ाएं — ताकि हम सब घर बैठे गौ सेवा में सहभागी बन सकें। यह सिद्ध हो चुका है कि गोमूत्र से पाचन तंत्र, कब्ज जैसी बीमारियों से लेकर कैंसर जैसे रोगों में भी लाभ मिलता है। गाय केवल दूध और घी का ही नहीं, बल्कि संवेदनशील समाज और जीवन रक्षा की परंपरा का भी आधार है। जब गाय बुजुर्ग हो जाती है, तब भी गोबर और गोमूत्र उसके जीवन के अंतिम क्षणों तक उपयोगी रहते हैं, इसीलिए उसे घर से बेघर करने की मूर्खता कभी ना करें, जीवन पर्यंत सेवा करके अपने घर को सभी दोषों से मुक्त रखें।

संस्कृति बचाओ मंच ने किया प्रदर्शन

प्रदेश में दंगा फैलाने का प्रयास करने वाले के खिलाफ रासुका में कार्रवाई की जाए

भोपाल। संस्कृति बचाओ मंच ने आज प्लेटिनम प्लाजा के पास प्रदर्शन कर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से मांग की है कि जो लोग मोहर्रम के जुलूस में प्रयास कर रहे हैं और हिंदू लोगों को भड़काने का प्रयास कर रहे हैं जिससे कि हमारे मध्य प्रदेश की शांति भंग हो जाए और हिंदू भड़क कर कोई भी कदम उठाने को

भी हमारे हिंदू जन भावनाओं को ठेस पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं हिंदू राष्ट का झंडा को जलाने का प्रयास कर रहे हैं पथराव कर रहे हैं उनके खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम की कार्रवाई की जानी चाहिए साथी उनके आपराधिक रिकॉर्ड पता करके उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए कहीं ना कहीं यह लोग मध्य प्रदेश की फिजा को बिगड़ने का तत्पर हो जाए प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव जी से यह मांग है की कड़ी से कड़ी कार्रवाई करके इन्हें जेल की हवा खिलानी चाहिए प्रदर्शन में प्रमुख रूप से चंद्रशेखर तिवारी मीडिया प्रभारी छोटेलाल गिरी जिला उपाध्यक्ष रामस्वरूप राजपूत गजेंद्र यादव प्रवीण पदनाम रघुवीर पटेल जी टिंकू परमेश्वर आदि कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नव युवक परिषद् ने छात्र के भारतीय सेना में अधिकारी बनने का किया उत्सवपूर्वक अभिनंदन

भोपाल। नव युवक परिषद् को यह घोषणा करते हुए अत्यंत गर्व हो रहा है कि परिषद् द्वारा प्रायोजित स्त्रद्गह्यद्गह्ल1 द्बठ्ठद्द छात्र गौतम भंभानी ने भारतीय सेना में अधिकारी के रूप में सफलतापूर्वक नियुक्ति प्राप्त की है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि गौतम भंभानी की निष्ठा, परिश्रम और परिषद् द्वारा दिए गए प्रभावशाली सहयोग का प्रतिफल है, जिसने भविष्य के नेताओं को संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। गौतम भंभानी ने स्कूली शिक्षा पूर्ण करने के बाद भारतीय सेना में कमीशंड अधिकारी के रूप में प्रवेश किया। एक प्रायोजित छात्र से अधिकारी तक की उनकी यह यात्रा, उनके अटूट समर्पण और प्रतिभाशाली युवाओं को सशक्त बनाने के लिए हृड्डक्क्के संकल्प का जीवंत प्रमाण है।

यह नियुक्ति छात्र और परिषद् — दोनों के लिए एक महत्त्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह इस बात की पुष्टि करती है कि हम देशसेवा में अपना योगदान देने हेतु प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और उन्हें सेना सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

नव युवक परिषद् एक गैर-लाभकारी संस्था है, जिसकी स्थापना परमहंस संत हिरदाराम साहिब जी के आशीर्वाद से हुई थी और जो पूज्य सिद्ध भाऊ जी के सक्षम मार्गदर्शन में संचालित हो रही है। यह संस्था वंचित छात्रों को शिक्षा सहायता प्रदान करने, प्रतिभावान युवाओं के करियर विकास को समर्थन देने आदि के लिए समर्पित है। 1978 से अब तक परिषद् ने विश्वभर के उदारदाताओं के सहयोग से 12,000 से अधिक छात्रों को शिक्षित किया है। छात्रों को जो सुविधाएं प्रदान की जाती हैं, उनमें स्कूल फीस, यूनिफॉर्म, किताबें, कॉपियाँ, स्टेशनरी एवं सभी विषयों की निःशुल्क कोचिंग शामिल हैं।

डॉ. प्रियंका श्रीवास्तव हुई विश्व साहित्य सम्मान से सम्मानित

भोपाल। निर्दलीय प्रकाशन के 52वें वार्षिकोत्सव में भोपाल से डॉ. प्रियंका श्रीवास्तव प्रियांजलि को विश्व साहित्य सम्मान -2025 से सम्मानित किया गया। डॉ.प्रियंका को वर्ष 2025 में साहित्य के क्षेत्र में प्राप्त होने वाला यह तृतीय सम्मान है। अब तक इन्हें अनेक राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय मंचों द्वारा विभिन्न सम्मान प्राप्त हो चुके हैं। प्रियंका श्रीवास्तव को यह सम्मान साहित्य की विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट लेखन के लिए दिया गया है। ज्ञातव्य हो कि निर्दलीय समाचार पत्र समूह प्रति वर्ष देश के विभिन्न राज्यों से विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिभाओं का सम्मान करता है। इस वार्षिकोत्सव में राष्ट्रीय शिखर सम्मान एवं विश्व साहित्य सम्मान के अंतर्गत 101 प्रतिभाओं को रविवार को गांधी भवन मे आयोजित सम्मान कार्यक्रम मे सम्मानित किया गया है। संस्था के अध्यक्ष कैलाश श्रीवास्तव ने बताया कि संस्था प्रतिवर्ष विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रतिभाओं को सम्मानित करती है।

भोपाल सहित पूरे कंपनी कार्यक्षेत्र में अब तक 3 लाख से अधिक स्मार्ट मीटर स्थापित

भोपाल (नप्र)। केन्द्र सरकार की रिवेम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) योजना के अंतर्गत मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र में स्मार्ट मीटर लगाने का काम त्वरित गति से चल रहा है। जहां स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं, वहां पर समय पर बिलिंग तथा रीडिंग हो रही है तथा दिन के टैरिफ में 20 प्रतिशत की छूट भी मिलनी शुरू हो गई है। कंपनी कार्यक्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के 16 जिलों में अब तक 3 लाख, 3 हजार 305 स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके हैं। इनमें सर्वाधिक भोपाल शहर वृत्त में एक लाख, 62 हजार 320 स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके हैं कंपनी ने कहा है कि स्मार्ट मीटर लगने से उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं, सटीक बिलिंग और ऊर्जा दक्षता में सुधार हो रहा है। स्मार्ट मीटर लगाने का काम समय सीमा में पूर्ण करने के लिए कंपनी की टीमें लगातार कार्य में जुटी हुई हैं।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने स्मार्ट मीटर के फायदे बताते हुए कहा है कि स्मार्ट मीटर से रियल टाइम डेटा प्राप्त किया जा सकता है, जिससे उपभोक्ताओं को सटीक और समय पर बिलिंग सुनिश्चित की जा रही है। कंपनी ने बताया कि जहां-जहां भी स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके हैं वहां पर बिलिंग तथा रीडिंग निर्धारित समय पर हो रही है, इससे सभी उपभोक्ता संतुष्ट हैं। नए टैरिफ आर्डर के अनुसार स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को अब खपत के आधार पर दिन के टैरिफ में 20 प्रतिशत की छूट भी दी जा रही है। जून माह का बिल जो कि जुलाई माह में जारी हुआ है, उसमें दिन के टैरिफ में सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक उपयोग की गई विद्युत के दौरान बनी यूनिट पर छूट अलग कॉलम में अंकित की गई है।

स्वास्थ्य अधोसंरचना विकास कार्यों की गति और गुणवत्ता सर्वोच्च प्राथमिकताः शुक्ल

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय, भोपाल में विभागीय अधोसंरचना विकास कार्यों की गहन समीक्षा की। बैठक में राज्य योजना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, 15वां वित्त आयोग एवं प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन के अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की बिंदुवार समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों की प्रगति नियमित रूप से मॉनिटर की जाए और सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण किया जाए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि अप्रारंभ कार्यों की समयबद्ध शुरुआत सुनिश्चित की जाए तथा लंबित निविदाओं की प्रक्रिया को तेजी से पूर्ण किया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि हर परियोजना की प्रोजेक्टवार समीक्षा की जाए और यह देखा जाए कि बजट के उपयोग में पारदर्शिता, समयबद्धता और उचित तकनीकी

गुणवत्ता सुनिश्चित हो। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निर्देश दिए कि प्रत्येक योजना की मासिक समीक्षा की जाए और कार्यों की प्रगति की फील्ड मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी लंबित कार्यों की समयसीमा निर्धारित कर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

तकनीकी मानव संसाधन की नियुक्ति शीघ्र हो: उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने विभाग में रिक्त पड़े तकनीकी पदों की शीघ्र भर्ती के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए तकनीकी मैन पावर की नियुक्ति अत्यावश्यक है। प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री संदीप यादव, परियोजना संचालक श्री नीरज कुमार सिंह, एनएचएम की प्रबंध संचालक डॉ. सलोनी सिडाना, तथा विभागीय अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।बताया गया कि अधोसंरचना विकास के 2949 कार्य स्वीकृत हैं, जिनमें से 1972 कार्य पूर्ण तथा 754 कार्य प्रगति पर हैं। चालू वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में 335 कार्यों का सफलतापूर्वक निष्पादन हुआ है। इन परियोजनाओं के लिए राशि रुपये 2483.37 करोड़ की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है, जिसके विरुद्ध अब तक राशि रुपये 729.52 करोड़ का व्यय हो चुका है। भोपाल में सर्वाधिक 480 कार्य स्वीकृत हुए हैं, जिसमें 306 कार्य पूर्ण हुए हैं एवं रुपये 121.10 करोड़ व्यय किया गया है। जबलपुर संभाग ने रुपये 147.69 करोड़ के व्यय के साथ सर्वाधिक वित्तीय प्रगति दर्ज की है।

राज्य स्तरीय योजना मद के अंतर्गत 285 कार्य स्वीकृत, जिनमें 156 पूर्ण/हस्तांतरित एवं 118 कार्य प्रगति पर हैं। 9 कार्य अप्रारंभ हैं एवं 2 कार्य निविदा स्तर पर हैं। जबलपुर (रु 37.28 करोड़), भोपाल (रु 39.41 करोड़) और रीवा (रु 33.01 करोड़) सहित सभी संभागों में योजनाओं की सतत प्रगति जारी है।

असुरक्षा की भावना, चिंता और तनाव, क्रोध और आक्रोश की प्रतिक्रियात्मक अभिव्यक्ति मोटापा

महेश अग्रवाल

आदर्श योग आध्यात्मिक केन्द्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड के योग गुरु महेश अग्रवाल नें बताया कि योग का उद्देश्य भार को कम करना नहीं है, फिर भी योग को भार सम्बन्धी समस्याओं के लिए प्रभावपूर्ण और स्थायी निदान के रूप में मान्यता मिली है। वास्तव में यह न तो विशेष आहार का परिणाम होता है, और न ही उत्तेजक व्यायाम का। योग एक उपयुक्त आहार देता है, एक जीवन-चर्या देता है। योग हमें हमारी आवश्यकताओं और स्वभाव के अनुरूप जीवन के प्रति एक सामंजस्यपूर्ण अभिवृत्ति देता है। योग की नजर भार पर नहीं होती, बल्कि आप पर होती है। योग आपको एक शरीर नहीं, बल्कि एक व्यक्ति मानकर ऐसी व्यावहारिक तकनीक बताता है जो न केवल आपको वसा और मितांहार (डायटिंग) से मुक्ति दिलाती है, बल्कि आपके जीवन के प्रत्येक पक्ष को स्वस्थ और समस्वरित बनाती है। योग गुरु अग्रवाल नें मोटापा योग उपचार के बारें में बताया कि सर्वप्रथम समेकित योग साधना के लिए समय निर्धारित करना होगा जिसके अनुसार दिनचर्या संचालित होगी। आसन - अनेक व्यक्ति समझते हैं कि अपने भार को कम करने का मतलब है हाँफ-हाँफ कर व्यायाम करना और पसीने में डूब जाना। आसन कुछ अधिक सरल प्रतीत होते हैं। सम्भवतः प्रारम्भ में आसन करते समय आपको पसीना आये, किन्तु यह मुख्य बिन्दु नहीं। चिकित्सा जगत् अनुसन्धानों से यह ज्ञात हुआ है कि आसनों के द्वारा कॉलेस्ट्राल और रक्त की तरल वसा की मात्रा में कमी आती है; इस प्रकार आसन शरीर की आन्तरिक प्रक्रियाओं को सामंजस्यपूर्ण बनाते हैं। विशेषकर स्त्रियों में भार वृद्धि का सम्बन्ध प्रजनन तन्त्र के असन्तुलित हॉर्मोनों से हो सकता है। सुस्त अवटु (थॉयरायड) भी इसका कारण हो सकता है।आसन न केवल झूलती हुई मांसपेशियों को सबल बनाते हैं, बल्कि शरीर की आन्तरिक प्रणालियों को भी प्रभावित कर असन्तुलित हॉर्मोनों को समंजित करते हैं और आन्तरिक अवयवों की मालिश करते हैं। इस प्रकार भार का समान रूप से क्षरण होता है और शरीर का यथोचित पुनर्गठन होता है। इस सन्दर्भ में अधिक महत्त्वपूर्ण यह है कि आसनों का उचित अभ्यास हमें अपने अन्तर की पुकार के प्रति जागरूक बनाता है जो अधिकतम स्वास्थ्य लाभ के लिए हमारा मार्गदर्शन करती है।

शरीर का अपना भाव तत्त्व होता है, और हम आसनों के अभ्यास से शरीर द्वारा दिये गये अनेक छोटे संकेतों और सूक्ष्म सन्देशों को समझना सीख जाते हैं। हमें कब, कितना और क्या खाना चाहिए, कब अधिक काम करना चाहिए, कब आराम करना चाहिए और ऐसी ही अनेक बातें हम सीख जाते हैं जो स्वास्थ्य और शक्ति को कायम रखने में सहायक होती हैं। जब आप योग के माध्यम से अपने अन्तर की पुकार पर ध्यान देने लगेंगे तो कभी आपको यह जान कर आश्चर्य होगा कि कतई यह आहार नहीं है जिसकी आपको आवश्यकता है। शायद आप सोना चाहते हों या तनावमुक्त होने के लिए घूमना चाहते हों तो इसके विकल्प के रूप में भोजन आपको सन्तुष्ट नहीं कर पायेगा, बल्कि आपके भार में ही वृद्धि कर देगा। आसन हमारी ऊर्जा को कम नहीं करते हैं, जैसा कि अनेक व्यायामों और खेलों में होता है। अपितु ये ऊर्जा को सुरक्षित रखते हैं और उसका नवीनीकरण कर देते हैं जो अधिक भार वाली स्त्रियों के भारीपन और सुस्ती को कम करने में मदद करती है।आरम्भ में गत्यात्मक आसनों का अभ्यास किया जाना चाहिए, जैसे - तिर्यक ताड़ासन, सूर्यनमस्कार, कटिचक्रासन और इनके साथ कुछ सहज आसन, जैसे- वज्रासन, सुप्तवज्रासन, प्रणामासन या भूमि शीर्षासन।बाद में आसनों के अभ्यास में कुछ कटौती करके प्राणायामों, विशेषकर भस्त्रिका एवं नाड़ीशोधन को अधिक समय देना चाहिए।

योग गुरु अग्रवाल नें षट्कर्म क्रियाओं के बारें में बताया कि - एक सुनियोजित कार्यक्रम के अन्तर्गत भार को कम करने वाले अधिक प्रभावकारी आसनों के साथ एकान्तर क्रम से कुंजल क्रिया और शंख प्रक्षालन भी किये जाने चाहिए। भार वृद्धि के बाद हम जितने अधिक दिनों तक उस अतिरिक्त भार को कायम रखते हैं, हमारे शरीर का समय चक्र उतना ही धीमा होता जाता है। षट्कर्म आसनों के प्रभाव को अधिक प्रबल बना देते हैं और मन्द पड़ गये चयापचय में जान डाल देते हैं। लघु शंखप्रक्षालन से रक्त शर्करा में तुरन्त कमी आती है जिसकी पूर्ति के लिए शरीर संचित वसा का उपयोग करने के लिए प्रेरित होता है। इससे यकृत को भी शक्ति प्राप्त होती है जो वसा के संग्रह और उसके उपयोगी तत्त्व रक्त शर्करा में पुनर्परिवर्तन के लिए अत्यावश्यक है। पाचन संस्थान की क्षमता वृद्धि में तथा अति अम्लता के कारण कूट में क्षुधा को समाप्त करने में भी कुंजल क्रिया सहायक होती है। वसा के पिघल जाने पर अनेक अवांछित तत्त्व जो वसा कोशिकाओं में संचित रहते हैं, रक्त में चले जाते हैं। ये दोनों क्रियायें टॉक्सिन के निष्कासन को द्रुत कर देती हैं और शरीर हल्केपन का अनुभव करता है।

शिथिलन - उचित शिथिलन के लिए योगनिद्रा या गहन ध्यान आपके कार्यक्रम का एक अनिवार्य अंग है। सामान्यतया यह समझा जाता है कि अत्यधिक तनाव से आप दुर्बल हो जायेंगे और यदि आप का भार अधिक है तो शिथिलन से वह और बढ़ जायेगा। स्त्रियों के साथ हमेशा ऐसा नहीं होता है। कुछ व्यक्ति तनावयुक्त होने पर कम खाते हैं, किन्तु अधिकतर व्यक्ति, उनमें से अधिकतर स्त्रियाँ अधिक खाने लगती हैं, यह एक प्रकार से क्षति पूर्ति का प्रयास होता है।प्रायः जब हम थकावट से व्याकुल हो जाते हैं तो अपने आराम के लिए कुछ समय चाहते हैं। स्त्रियाँ, विशेषकर वे जो दिन-भर रसोई घर में रहती हैं, जब थकान का अनुभव करती हैं तो उन्हें लगता है कि उन्हें कुछ खाने की आवश्यकता है। जबकि उनके शरीर को भोजन की आवश्यकता नहीं होती, और इस प्रकार उनका मोटापा बढ़ता जाता है। तनाव हमें भोजन का आनन्द नहीं लेने देता है। चूँकि मन विचलित रहता है, इसलिए भोजन के स्वाद पर हमारा ध्यान नहीं जाता और भरपेट खा लेने के बाद भी हम असन्तुष्ट ही रह जाते हैं। फलस्वरूप हम अधिक खा लेते हैं,अधिकतर ऐसी तली हुई और मीठी चीजें जो भार बढ़ाती हैं । इसके अतिरिक्त तनाव की निरन्तरता से शरीर की सूक्ष्म और संवेदनशील प्रक्रियाएँ अस्त-व्यस्त हो जाती हैं और भार को बढ़ने का अवसर मिल जाता है। भोजन से हमारे सम्बन्ध को विकृत करने वाले तनाव को दूर कर आन्तरिक संकेतों के प्रति हमारी संवेदनशीलता को प्रोत्साहित करने लिए शिथिलन अनिवार्य हो जाता है । सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास की दृष्टि से भार की कमी से अधिक महत्त्वपूर्ण है तनाव कम होना और यह योग का वास्तविक उद्देश्य है ।

इंटरैक्टिव सेशन और संवाद-सत्र में 400 से अधिक प्रतिभागी हुए शामिल

लुधियाना इंटरैक्टिव सेशन में मिले 15,606 करोड़ के निवेश प्रस्ताव: मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि देश का आर्थिक तंत्र मजबूत हुआ है। देश में औद्योगीकरण बढ़ा है, अब हम विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं। लुधियाना भारत का मैन्चेस्टर है। यहां के उद्योगपतियों ने बड़ी मेहनत से अपनी पहचान बनाई है। लुधियाना में निर्मित ए-वन और हीरो साइकिल्स देश-दुनिया में मशहूर हैं। पंजाब के निवेशक देश की आर्थिक समृद्धि में योगदान देने वाले प्रमुख ध्वजवाहक हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज लुधियाना में हुये इंटरैक्टिव सेशन, वन-टू-वन चर्चा और संवाद सत्रों में यहां के उद्योगपतियों से 15 हजार 606 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुये हैं, जिससे 20 हजार से अधिक रोजगार का सृजन होगा। हमने लुधियाना और पंजाब के उद्योपतियोंत को मध्यप्रदेश में उद्योग लगाने के लिये आमंत्रित किया। साथ ही उन्हें मध्यप्रदेश में उपलब्ध संसाधनों के साथ राज्य की औद्योगिक नीतियों से भी अवगत कराया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को पंजाब की उद्योग नगरी लुधियाना में मध्यप्रदेश में निहित निवेश की संभावनाओं के संबंध में निवेशकों को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश देश का एकमात्र प्रदेश है, जहां पन्ना जिले में हीरा तो शहडोल में आयरन डिपाजिस्ट्स है। बीते दिनों सिंगरौली जिले में सोने की खदानें भी मिली हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी निवेशकों को मध्यप्रदेश की रत्नगर्भा भूमि में निवेश करने के लिए आत्मीयता से आमंत्रित करते हुए कहा कि यहां व्यापार की असीम संभावनाएं हैं। आइये और मध्यप्रदेश में अपना दूसरा घर बनाईये। उन्होंने कहा कि निवेशक मध्यप्रदेश में जितने चाहें, उतने उद्योग-धंधे लगाएं, सरकार पलक-पावड़े बिछाकर आपका स्वागत करेगी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में उद्योग-धंधे लगाने के लिए जरूरत के मुताबिक भूमि, बिजली, पानी, कुशल कार्यशक्ति सब उपलब्ध हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश और पंजाब दोनों भाइयों की तरह हैं। अनाज के उत्पादन में पंजाब बड़ा और मध्यप्रदेश छोटा भाई है। ?अब दोनों भाई मिलकर देश और मध्यप्रदेश का विकास करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश प्रगति पथ पर है। पंजाब वीरों की धरती है, इसकी अलग ही पहचान है। यह गुरु परंपरा की अद्भुत धरती है। मध्यप्रदेश के इंदौर की पहचान स्वच्छता में है, तो लुधियाना की पहचान उद्योगों से है। हम उद्योगपतियों को मध्यप्रदेश में उद्योग लगाने के लिए आमंत्रित करने आए हैं। आप खुले दिल से और बिना किसी हिचक के निवेश करें, सरकार जितनी हो सकेगी, आपकी उतनी मदद करेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत बदलते दौर में सिरमौर बन रहा है। उद्योगों से कई परिवारों का उदर-पोषण होता है और गरीबों के जीवन में आमदनी का उजाला आता है। यह एक पवित्र कार्य है। उद्योगपति अपने परिवार का पोषण करते हुए दूसरों का भी घर रौशन करते हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब अमर शहीद भगत सिंह की धरती है, जिन्होंने सर्वोच्च बलिदान देकर देश की आजादी में अहम भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप लोग यहां भी काम करते रहें और अपने कारोबार का विस्तार करते हुए एक-दो फैक्ट्री मध्यप्रदेश में भी लगाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) में मध्यप्रदेश सरकार ने अपनी उद्योग अनुकूल नीतियों को दुनिया के सामने रखा। हमने उद्योगपतियों को कई सौगातें दी हैं। टेक्सटाईल्स सेक्टर के इंडस्ट्रियल वर्कर्स की सैलरी में मध्यप्रदेश सरकार 5 हजार रुपए की अतिरिक्त मदद देगी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में स्कूली बच्चों को साइकिलें बांटी जा रही हैं। साइकिलें मुख्यत-पंजाब में ही बनती हैं। यही साइकल मध्यप्रदेश में भी बन सकती हैं। उद्योगपति मध्यप्रदेश में साइकल बनाने की फैक्ट्री लगाएं। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया में सोने की चिड़िया की पहचान रखता था। वर्ष 1947 में देश आजाद हुआ, तब भारत दुनिया की 15वीं अर्थ-व्यवस्था हुआ करता था। इजरायल और जापान जैसे देश कहां से कहां पहुंच गए। वर्ष 2014 में भारत 11वें स्थान पर था और आज बदलते दौर में प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की चौथी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बन गया है और अब तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने कोयम्बटूर, सूरत और अब लुधियाना में रोड-शो कर निवेशकों के साथ संवाद किया है। राज्य में संभाग स्तर पर रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव भी आयोजित की गईं। इसी साल फरवरी में भोपाल में हुई जीआईएस के माध्यम से मध्यप्रदेश को 30.77 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिले थे। राज्य में इंडस्ट्री के विभिन्न सेक्टर्स के विकास के लिए अलग-अलग विषयों पर समिट आयोजित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश विभिन्न खनिज संपदाओं से संपन्न क्षेत्र है। यहां निवेश करना निःसंदेह फायदे का सौदा है।

श्रमिकों के हित में बड़े स्तर पर सेटलमेंट किये क्लियर- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हाल ही में प्रदेश सरकार ने श्रमिकों के हित में सैकड़ों करोड़ रुपये के सेटलमेंट क्लियर किये हैं। यह निर्णय प्रदेश सरकार की श्रमिकों के प्रति संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि यदि किसी नीति में निवेशकों को सुविधा देने के लिए संशोधन की आवश्यकता होगी तो सरकार कैबिनेट स्तर पर भी बदलाव करने के लिए तत्पर है।

मध्यप्रदेश की गतिशीलता-शांति और संसाधनों का लाभ उठाएँ निवेशक: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

जहां संभावना दिखती है, वहां नियम बदलने से नहीं हिचकिचाएंगे, लुधियाना में उद्योगपतियों से भेंट कर निवेश के लिये दिया आमंत्रण

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को लुधियाना स्थित वर्धमान औद्योगिक परिसर में पंजाब के प्रमुख उद्योगपतियों से भेंट की और उन्हें मध्यप्रदेश की समावेशी, उदार और निवेश-अनुकूल नीतियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार न केवल उद्योग लगाने और निवेश बढ़ाने के लिए तैयार है, बल्कि यदि किसी सेक्टर में संभावना दिखती है, तो वहां आवश्यकतानुसार नियमों में परिवर्तन भी किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में गारमेंट और टेक्सटाइल सेक्टर के लिए विशेष अवसर उपलब्ध हैं और राज्य सरकार इस दिशा में गंभीर प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि इंदौर की हुकुमचंद मिल को पुनर्जीवित करने की दिशा में कार्य हो रहा है और मजदूरों के हितों को प्राथमिकता देते हुए सौ करोड़ रु. से अधिक के सेटलमेंट क्लियर किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेशकों और श्रमिकों के साथ सरकार की प्रतिबद्धता हर स्तर पर बनी रहेगी। उन्होंने बताया कि ग्वालियर की जेसी मिल और उज्जैन की हीरा मिल के मामले में भी राज्य सरकार ने सहृदयता से निर्णय किये है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार उद्योगपतियों के हित में निर्णय लेने के लिए कैबिनेट स्तर पर नीतियों में बदलाव को भी तैयार है। उन्होंने निवेशकों से आग्रह किया कि वे मध्यप्रदेश में आकर संभावनाओं को देखें और राज्य की गतिशीलता, शांति और संसाधनों का लाभ उठाएं। उन्होंने बताया कि राज्य में टेक्सटॉइल, एग्री बेस्ड इंडस्ट्री, इंजीनियरिंग गुड्स, स्टील प्रोसेसिंग, रिन्यूएबल एनर्जी और आईटी जैसे सेक्टरों में व्यापक अवसर उपलब्ध हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योगपतियों से यह भी कहा कि मध्यप्रदेश केवल निवेश के लिए नहीं, बल्कि एक जनकल्याणकारी राज्य के रूप में भी तेजी से पहचान बना रहा है। उन्होंने बताया कि गरीब तबके के लिए एयर एंबुलेंस सेवा और राहगीर सेवा योजना जैसी अभिनव योजना क्रियान्वित की जा रही हैं। इन योजनाओं की उद्योगपतियों ने सराहना करते हुए कहा कि इस स्तर की सोच और संवेदनशीलता शायद ही किसी अन्य राज्य में दिखती हो।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से वर्धमान ग्रुप के एमडी श्री नीरज जैन, रालसन इंडिया लिमिटेड के चेयरमेन श्री संजीव पहवा, कंगारू इंडस्ट्रीज के एमडी श्री अंबरीश जैन, टीके स्टील रोलिंग मिल्स प्राइवेट लिमिटेड के एमडी श्री लोकेश जैन, रजनीश इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक श्री राहुल आहूजा, फार्मपार्ट्स कंपनी के उपाध्यक्ष श्री जे.एस. भोगल, सीआईसीयू के अध्यक्ष श्री उपकार सिंह आहूजा, कमल (सरजवन होजरी) के प्रतिनिधि श्री सुदर्शन जैन और श्री अरुण जैन सहित विभिन्न सेक्टर के उद्योगपतियों ने मुलाकात की।

मध्यप्रदेश में निवेश की संभावनाओं पर इंटरैक्टिव सेशन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लुधियाना प्रवास के दौरान पंजाब के प्रमुख उद्योगपतियों से वन-टू-वन बैठक कर उन्हें मध्यप्रदेश की निवेश समर्थक नीतियों से अवगत कराया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योगपतियों को भरोसा दिलाया कि मध्यप्रदेश सरकार जहाँ भी संभावनाएं दिख रही हैं, वहाँ नीतिगत बदलाव करने के लिए पूरी तत्परता से काम करेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में श्रमिकों और उद्योगों दोनों के हितों का समान ध्यान रखा जा रहा है।

मुख्यमंत्री से चर्चा करने वाले उद्योगपतियों में टेक्सटाइल सेक्टर से नाहर ग्रुप के सीएमडी श्री दिनेश ओसवाल, एसईएल ग्रुप के सीएफओ श्री नवनीत गुप्ता और बॉन ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधि श्री मंजीत सिंह शामिल रहे। स्टील क्षेत्र से टीके स्टील समूह के एमडी श्री लोकेश जैन ने प्रदेश में संभावित निवेश अवसरों पर चर्चा की। फार्मास्यूटिकल्स, एथेनॉल एवं रसायन क्षेत्र से आईओएल केमिकल्स एंड फार्मास्युटिकल्स के एमडी श्री वरिन्दर गुप्ता और एमआरएम मेध्या ग्रीनटेक के डायरेक्टर श्री पुनीत अग्रवाल ने निवेश प्रस्ताव रखे।

खाद्य प्रसंस्करण और चाय उद्योग से जुड़े भगवती लैक्टो वेजिटेरियन एक्सपोर्ट्स के एमडी श्री सुशील मित्तल और केजी एक्सपोर्ट टीम के सदस्य श्री हरीश दुआ ने मध्यप्रदेश के लॉजिस्टिक्स नेटवर्क, कृषि उत्पाद उपलब्धता और फूड पार्क्स पर चर्चा की। इंजीनियरिंग सेक्टर से हीरो साइकिल के एमडी श्री एस.के. राय और हाईलैंड एथेनॉल के एमडी श्री अमित कुमार मोदी ने निवेश के लिए औद्योगिक क्षेत्रों की जानकारी ली।

इसके अतिरिक्त, बेक्टर्स फूड्स के एमडी श्री अनूप बेक्टर और ए.वी. कोटस्पिन इंडस्ट्री के डायरेक्टर श्री दीपक गर्ग ने मुख्यमंत्री से विस्तार से चर्चा कर प्रदेश की नीतियों की सराहना की।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में प्रदेश सरकार ने श्रमिकों के हित में सैकड़ों करोड़ रु. के सेटलमेंट क्लियर किये हैं। यह निर्णय प्रदेश सरकार की श्रमिकों के प्रति संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि यदि किसी नीति में निवेशकों को सुविधा देने के लिए संशोधन की आवश्यकता होगी, तो सरकार कैबिनेट स्तर पर भी बदलाव करने के लिए तत्पर है।

लुधियाना इंटरैक्टिव सेशन में मिले 15,606 करोड़ के निवेश प्रस्ताव: डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि देश का आर्थिक तंत्र मजबूत हुआ है। देश में औद्योगीकरण बढ़ा है, अब हम विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं। लुधियाना भारत का मैन्चेस्टर है। यहां के उद्योगपतियों ने बड़ी मेहनत से अपनी पहचान बनाई है। लुधियाना में निर्मित ए-वन और हीरो साइकिल्स देश-दुनिया में मशहूर हैं। पंजाब के निवेशक देश की आर्थिक समृद्धि में योगदान देने वाले प्रमुख ध्वजवाहक हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज लुधियाना में हुये इंटरैक्टिव सेशन, वन-टू-वन चर्चा और संवाद सत्रों में यहां के उद्योगपतियों से 15 हजार 606 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुये हैं, जिससे 20 हजार से अधिक रोजगार का सृजन होगा। हमने लुधियाना और पंजाब के उद्योपतियोंत को मध्यप्रदेश में उद्योग लगाने के लिये आमंत्रित किया। साथ ही उन्हें मध्यप्रदेश में उपलब्ध संसाधनों के साथ राज्य की औद्योगिक नीतियों से भी अवगत कराया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को पंजाब की उद्योग नगरी लुधियाना में मध्यप्रदेश में निहित निवेश की संभावनाओं के संबंध में निवेशकों को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश देश का एकमात्र प्रदेश है, जहां पन्ना जिले में हीरा तो शहडोल में आयरन डिपाजिस्ट्स है। बीते दिनों सिंगरौली जिले में सोने की खदानें भी मिली हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी निवेशकों को मध्यप्रदेश की रत्नगर्भा भूमि में निवेश करने के लिए आत्मीयता से आमंत्रित करते हुए कहा कि यहां व्यापार की असीम संभावनाएं हैं। आइये और मध्यप्रदेश में अपना दूसरा घर बनाईये। उन्होंने कहा कि निवेशक मध्यप्रदेश में जितने चाहें, उतने उद्योग-धंधे लगाएं, सरकार पलक-पावड़े बिछाकर आपका स्वागत करेगी।

रनिंग स्टाफ हेतु इटारसी में सेफ्टी एवं फैमिली सेमीनार का सफल आयोजन

भोपाल (नप्र)। मंडल रेल प्रबंधक श्री देवाशीष त्रिपाठी के मार्गदर्शन में इटारसी में रनिंग स्टाफ एवं उनके परिवारजनों के लिए सेफ्टी सेमीनार एवं फैमिली संवाद कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (कर्षण परिचालन) श्री सचिन शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में एवं डॉ. अभिषेक सोनी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में लगभग 90 रनिंग कर्मचारी अपने परिवारजनों सहित शामिल हुए।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की वंदना एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इसके उपरांत सेफ्टी सेमीनार में वर्तमान में लागू सभी सेफ्टी ड्राइव जैसे SPAD एवं माइक्रो स्लीप से बचाव, मानसून सावधानियाँ, शंटिंग एवं रोलिंग डाउन से बचाव, लोड की स्टैबलिंग आदि महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चर्चा की गई। वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर श्री सचिन शर्मा ने सुरक्षित गाड़ी संचालन से जुड़े पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी और कर्मचारियों को सावधानीपूर्वक कार्य करने हेतु जागरूक किया।

फैमिली संवाद कार्यक्रम के दौरान डॉ. अभिषेक सोनी ने उपस्थित परिजनों को नियमित दिनचर्या, संतुलित आहार एवं योग के माध्यम से स्वस्थ रहने के उपाय बताए। इस अवसर पर रनिंग स्टाफ के परिजनों के लिए एक क्विज प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें उनके जीवनसाथी की कार्यप्रणाली से जुड़े प्रश्न पूछे गए। सही उत्तर देने वाले प्रतिभागियों को वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर द्वारा तत्काल पुरस्कार प्रदान किए गए।

कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि रनिंग स्टाफ एवं उनके परिवारजनों से उनकी समस्याओं की जानकारी लेकर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा उनका यथोचित समाधान भी मौके पर ही किया गया। उपस्थित बच्चों को प्रोत्साहन स्वरूप उपहार भी वितरित किए गए, जिससे कार्यक्रम का वातावरण अत्यंत आत्मीय एवं उत्साहवर्धक बना रहा।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि, रेल प्रशासन कर्मचारियों की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। ऐसे आयोजनों से कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों को न केवल जागरूकता मिलती है बल्कि कार्यस्थल पर उनकी दक्षता एवं आत्मविश्वास भी बढ़ता है। कार्यक्रम के अंत में मुख्य लोको निरीक्षक श्री मनीष सक्सेना ने उपस्थित अतिथियों एवं समस्त रनिंग स्टाफ परिवार का आभार व्यक्त करते हुए उनके सहयोग एवं सहभागिता के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। यह आयोजन रनिंग स्टाफ की सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं पारिवारिक संवाद को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं सराहनीय पहल सिद्ध हुआ।

मंत्री श्री कुशवाहा नई दिल्ली में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की बैठक में हुए शामिल

भोपाल (नप्र)। उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाहा सोमवार को नई दिल्ली में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की 96वीं आमसभा बैठक में सम्मिलित हुए। भारत रत्न सी. सुब्रमण्यम ऑडिटोरियम एम.ए.एस.सी. कॉम्पलेक्स के सभागार में आमसभा की अध्यक्षता केंद्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने की।

मंत्री श्री कुशवाहा ने कहा कि प्रदेश को उद्यानिकी राज्य में विकसित करने के लिये सरकार दृढ़ संकल्पित है। मध्यप्रदेश का मसालों के उत्पादन में देश में प्रथम स्थान है। उन्होंने कहा कि इसको दृष्टिगत रखते हुये भारत कृषि अनुसंधान परिषद का प्रदेश में अनुसंधान केन्द्र स्थापित किया जाये। इससे प्रदेश के कृषकों को मसाला फसलों की उन्नत प्रजातियां सुलभ एवं उचित दाम पर उपलब्ध हो सकेंगी और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मसाला उत्पादन को प्रोत्साहन मिलेगा। कृषकों की आय में वृद्धि, उद्यानिकी उत्पाद के मूल्य संवर्धन से प्र-संस्करण उद्योग को बढ़ावा, प्रदेश एवं देश के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय के अध्ययन में सुविधायें प्राप्त होगी तथा प्रदेश के उद्यानिकी उत्पाद को निर्यात प्रोत्साहन मिलेगा।

मंत्री श्री कुशवाहा ने कहा कि सब्जियों की संकर किस्मों के बीज बाजार में अधिक कीमतों में उपलब्ध हो पाते है। भारतीय कृषि अनुसंधान द्वारा उत्पादित संकर सब्जी बीजों को प्रदेश के कृषकों को सुलभ एवं उचित मूल्य पर उपलब्ध कराने के लिये प्रदेश के कृषि विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर बीज उत्पादन का कार्यक्रम अभियान के रूप में चलाया जाए। इससे कम लागत और कम समय में किसान बेहतर उत्पादन कर सकेंगे। आम सभा की बैठक में अनुसंधान परिषद के कार्यों का लेखा-जोखा तथा भविष्य की योजनाओं पर भी चर्चा की गई।

महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश के लिए तिथि में की गई वृद्धि

भोपाल (नप्र)। उच्च शिक्षा विभाग ने सत्र 2025-26 में, महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश के लिए तिथि में वृद्धि की है। माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के परिपालन में, उच्च शिक्षा विभाग द्वारा स्नातकोत्तर स्तर सत्र 2025-26 में ऑनलाइन प्रवेश अंतर्गत सीएलसी चरण के लिए अद्यतन समय सारणी जारी की गई है।जारी समय सारणी के अनुसार, सत्र 2025-26 में स्नातकोत्तर कक्षाओं में मेजर माइनर विषयों में एवं मेजर एवं माइनर विषय के अतिरिक्त अन्य विषय में प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थी, 7 से 10 जुलाई तक ऑनलाइन पंजीयन/आवेदन कर सकेंगे। पंजीकृत आवेदनों के दस्तावेजों का सत्यापन 7 से 11 जुलाई तक होगा। मेजर माइनर के अलावा अन्य विषयों में आवेदन करने वाले विद्यार्थियों को साक्षात्कार के दिनांक, स्थान एवं समय की सूचना 14 जुलाई को दी जाएगी। मेजर माइनर के अलावा अन्य विषयों में आवेदन करने वाले विद्यार्थियों के साक्षात्कार एवं पोर्टल पर अंकों की प्रविष्टि 16 से 17 जुलाई तक होगी। विद्यार्थियों को महाविद्यालयों में सीट का आवंटन 21 जुलाई को होगा। आवंटित महाविद्यालय में प्रवेश शुल्क का भुगतान 21 से 25 जुलाई तक किया जा सकेगा। आवंटित महाविद्यालय में शुल्क भुगतान की अंतिम तिथि तक प्रवेश शुल्क का भुगतान किए गए आवेदकों का ही प्रवेश मान्य होगा और प्रवेश शुल्क का भुगतान न होने की दशा में प्रवेश नहीं माना जाएगा।

असामान्य घटना टालने वाले 13 रेलकर्मी संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित

भोपाल (नप्र)। मण्डल रेल प्रबन्धक श्री देवाशीष त्रिपाठी के मार्गदर्शन में ड्यूटी के दौरान सतर्कता, सूझ-बूझ एवं सजगता का परिचय देते हुए संभावित असामान्य घटनाओं को टालने वाले 13 रेलकर्मियों को मण्डल रेल प्रबन्धक द्वारा मंडल कार्यालय में प्रशस्ति पत्र एवं नगद राशि से सम्मानित किया गया।

इन रेलकर्मियों ने अपनी सूझ-बूझ, सतर्कता एवं त्वरित कार्यवाही से गंभीर दुर्घटनाओं को रोकने का प्रशंसनीय कार्य किया है। इनके प्रयासों से न केवल रेल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित हुई बल्कि रेलवे संपत्ति की भी सुरक्षा हुई। रेल प्रशासन कर्मचारियों के समर्पण, तत्परता एवं कर्तव्यनिष्ठा की सराहना करता है और भविष्य में भी इसी प्रकार कर्तव्य के प्रति समर्पित रहने हेतु प्रेरित करता है।

इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक श्री देवाशीष त्रिपाठी ने कर्मचारियों के उत्साह, सजगता एवं समर्पण की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, जिसके लिए रेलकर्मियों को निरंतर प्रशिक्षण एवं संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी श्री विजय शंकर गौतम सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित 13 रेलकर्मी

1. श्री देवेन्द्र चौहान, कॉटे वाला, नरमदापुरम
2. श्री मिथुन सरोदे, उप स्टेशन प्रबंधक, मिसरोद
3. श्री ऋषि पांचाल, कॉटे वाला, मिसरोद
4. श्री गौरव भोसले, ट्रेन मैनेजर, सुरगांव बंजारी
5. श्री अंकित सिंह चंदेल, गुड्स ट्रेन मैनेजर, इटारसी

संपादकीय

हमे तो प्रयोगों ने मारा, स्कूलों में शिक्षा का परिवेश स्थापित नहीं किया

हमारी शिक्षा व्यवस्था एक बच्चे के बाल्यकाल से जवानी के कम से कम ढाई दशक ले लेती है। व्यक्तित्व मूल्यांकन की कसौटी पर चढ़ते हैं अभिभावक, जबकि बच्चों के जीवन के पहले 25 वर्ष स्कूल, कालेज व विश्वविद्यालय के प्रांगणों में गुजर जाते हैं। प्रांगण बढ़ते गए, लेकिन बच्चों के जिंदगी के 25 साल जाया होने लगे। जिंदगी की कल्पना, भविष्य की ऊर्जा और सपनों की चहलकदमी शिक्षण संस्थानों में होनी चाहिए, लेकिन वहां महज परीक्षा के मूल्यांकन ने समाज का सोच और शिक्षा का इतिहास बदल दिया। प्रयोग इतने कि शिक्षक व्यवस्था का कर्मचारी और विभिन्न नीतियों का बंधुआ हो गया। शिक्षा और छात्रों के व्यक्तित्व निर्माण से इतर अगर शिक्षक को अपनी कलम घिसनी पड़े, तो यह श्रम साधना नहीं, बल्कि शिक्षा को आगे धकेलना है। बेशक कारण बताओ नोटिस की फांस शिक्षक को जवाबदेह बना सकती है, लेकिन सरकारी स्कूलों की मिट्टी में अब बचा क्या है। सर्वेक्षण करवा कर देखें कि सरकारी स्कूलों में प्रवेश पाने वाले बच्चों के अभिभावक सिर्फ इसलिए उन्हें वहां भेज रहे हैं ताकि फिर वे अपने बच्चों के प्रति बेपरवाह-लापरवाह होकर निश्चिंत रहें। जाहिर है सरकारी स्कूलों में अगर उत्साहपूर्वक माहौल नहीं रहा, तो नीतियों और कार्यक्रमों की लंबी फाइलें भी दोषी हैं। आश्चर्य यह है कि स्कूली बच्चों के व्यक्तित्व, भविष्य और ज्ञान के निर्माण में हो क्या रहा है। हमने स्कूलों में शिक्षा का परिवेश स्थापित नहीं किया। विभाग वार्षिक अवकाशों की गुगली फेंकता है, तो स्थानांतरण के नाम पर सियासत के करिश्मे अध्यापकों के बहुतायत वर्ग को कार्यकर्ता बना देते हैं। पढ़ाने से किस शिक्षक को मन पसंद स्टेशन मिला, उसे तो राजनीति की दुम हिलाने से पुरस्कार मिलते हैं। शिक्षण संस्थाओं को राजनीति से दूर करने के लिए क्या इनके साथ चस्पां नेताओं के नाम हटाए जाएंगे। बहरहाल, बात उन बदलावों की करें तो हिमाचल सरकार ने शिक्षण संस्थानों की उपयोगिता के कुछ भौतिक मानदंड बनाए हैं और इसीलिए 546 स्कूलों को मर्ज या बंद करने की प्रक्रिया चल रही है। 78 स्कूल जो पहले ब्वायज या गर्ल्स के नाम थे अब संयुक्त परिपाटी में घट कर कम हो जाएंगे। ऐसे या शहरी स्कूलों के कुछ परिसर डे बोर्डिंग में परिवर्तित करके वहां सीबीएसई पाठ्यक्रम के तहत संचालन की घोषणा अपने आप में साहसिक व निपुण फैसला है। इसी तर्ज पर प्रदेश सरकार 75 से कम संख्या के सरकारी कालेजों को बंद करने के तर्क पर काम कर रही है। अगर बीस-पच्चीस कालेज बंद भी होते हैं, तो इससे शिक्षा की गुणवत्ता व व्यावहारिकता में ही असर होगा। मंत्री महोदय को हिमाचल के सरकारी विश्वविद्यालयों पर भी विवेचन करना चाहिए। मंडी व हमीरपुर के तकनीकी विश्वविद्यालयों के आंचल में ऐसा क्या नया है कि हमारा अध्ययन शोध और नवाचार की नई सीढ़ियां चढ़ गया। हिमाचल के उपभोक्ता से पूछेंया बंजर खेत की किसानी से पूछें कि कृषि विश्वविद्यालय का असली योगदान है कहां।

ट्रम्प के दबाव में यूरोपीय देश रक्षा खर्च में ज्यादा योगदान देने लगे तो इससे आर्थिक असमानताएं बढ़ सकती है। इसका असर शिक्षा,स्वास्थ्य,रोजगार और पर्यावरण संरक्षण पर भी पड़ेगा। यूरोपीय देशों में लोकतांत्रिक प्रक्रिया के बाधित होने या अस्थिरता का फायदा रूस को मिल सकता है। यूक्रेन युद्द जितना लम्बा खींचता जाएगा,उतने ही यूरोपीय देशों में आपसी मतभेद बढ़ सकते है। इन आशंकाओं से ग्रस्त यूरोप ट्रम्प से यूक्रेन समस्या का जल्द समाधान चाहता है। यूरोप इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं कर सकता की रूस की सैन्य क्षमता को दबाव में रखने के लिए अमेरिका का साथ आवश्यक है। ट्रम्प यूरोप पर दबाव बढ़ा रहे है,यूक्रेन को दिए जाने वाले हथियार रोककर पुतिन को फायदा पहुंचा रहे है तथा चीन से व्यापार बढ़ा रहे है। ट्रम्प की कूटनीति अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य को अस्थिर बना रही है,यूरोप समेत लोकतांत्रिक देशों पर दबाव बढ़ा रही है,वहीं सैन्य,साम्यवादी और राज सत्ताओं को मजबूत होने के अवसर दे रही है।

ट्रम्प के सामने बेबस यूरोप

डॉ. ब्रह्मदीप अलूने

नियम आधारित व्यवस्था पर यूरोप का भरोसा है लेकिन ट्रम्प का नहीं। मानवाधिकार और लोकतंत्र की रक्षा के लिए यूरोप सजग है लेकिन ट्रम्प नहीं। पुतिन के आक्रमक साम्यवाद से यूरोप चिंतित है लेकिन ट्रम्प नहीं। सामरिक मदद देकर यूक्रेन को मजबूत रखने के लिए यूरोप प्रयत्नशील है लेकिन ट्रम्प नहीं। नियन्त्रण और संतुलन की नीति पर चलकर विश्व शांति बनाएं रखने के लिए यूरोप संकल्पित है लेकिन ट्रम्प बिल्कुल नहीं। अमरीका ने साम्यवाद का अवरोध करने के लिए सैनिक सन्धियों एवं मैत्रियों का निर्माण किया था,इस नीति का पालन अमेरिका के सभी राष्ट्रपतियों ने किया। ट्रम्प ने सामरिक और रणनीतिक बाध्यताओं को दरकिनार कर आर्थिक प्रतिबद्धताओं पर ध्यान केंद्रित कर लिया है। अमेरिका अपने रणनीतिक प्रतिद्वंद्वी रूस और चीन के लिए हरसंभव प्रयास करने को तैयार दिख रहा है,जबकि वह अपने सबसे करीबी सहयोगी यूरोप के साथ बुरा व्यवहार कर रहा है। यूरोप ईरान को अच्छे ऊर्जा स्रोत के रूप में देखता है,उसे ईरान से परमाणु समझौता करने में दिलचस्पी भी है,पर ट्रम्प इसे लेकर मुखर रहे है। राजनीति,आर्थिक और वैश्विक हितों को लेकर ट्रम्प और यूरोप में गहरे मतभेद है। इन सबके बाद भी यूरोप अमेरिका से दूर होने का साहस नहीं कर पा रहा है। यूरोप की इस बेबसी और लाचारी को ट्रम्प बखूबी जानते है इसलिए अब वे यूरोप से अपनी मांगे मनवाने में कामयाब भी हो रहे है।

ट्रम्प ने ज़ोर दिया था कि यूरोपीय देशों को अपनी रक्षा की प्राथमिक जिम्मेदारी लेनी चाहिए इसलिए नाटो के बजट में यूरोप अपना योगदान बढ़ाएं। ट्रम्प ने यूरोप की सुरक्षा की ज़िम्मेदारी अमरीका पर होने पर सवाल उठाएं तो इस दबाव के आगे यूरोप को झूकना पड़ा। हाल ही में द हेग में संपन्न दो दिवसीय नाटो शिखर सम्मेलन के बाद एक संयुक्त घोषणा पत्र जारी किया गया,जिसमें सालाना रक्षा बजट को जीडीपी

के पांच फीसद तक ले जाने की प्रतिबद्धता जताई गई। इस योजना की 2029 में पुनः समीक्षा की जाएगी,जिसमें उस समय की रणनीतिक परिस्थितियों और क्षमता लक्ष्यों को ध्यान में रखा जाएगा। नाटो के तीन प्रमुख साझा वित्त पोषित बजट हैं,नागरिक बजट,सैन्य बजट तथा नाटो सुरक्षा निवेश कार्यक्रम। अब सभी देश महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की रक्षा,नेटवर्क की रक्षा,नागरिक तैयारी और लचीलापन सुनिश्चित करने,नवाचार करने और रक्षा औद्योगिक आधार को मजबूत करने के लिए सालाना जीडीपी का डेढ़ फीसद तक खर्च करेंगे। जबकि साढ़े तीन फीसद से कोर रक्षा आवश्यकताओं की पूर्ति और नाटो की क्षमता तथा लक्ष्यों को पूरा किया जा सकेगा। नाटो के रक्षा खर्च में अमेरिका की सबसे बड़ी भागीदारी है,वहीं फ्रांस, जर्मनी,इटली और यूनाइटेड किंगडम मिलकर यूरोप की भागीदारी निभाते है। जबकि स्लोवेनिया, अल्बानिया, बुल्गारिया, एस्टोनिया, क्रोएशिया, फिनलैंड,आइसलैंड, हंगरी, लिथुआनिया, मोंटेंग्रो, लक्समबर्ग, स्लोवाकिया और स्लोवेनिया जैसे देश शून्य या बहुत कम भागीदारी करते रहे है। ऐसे में यह देश भारी भरकम रक्षा खर्च में कैसे भागीदारी कर पाएंगे,यह देखना होगा। यूरोप के लिए रूस एक बुरे सपने की तरह है। रूस रणनीतिक रूप से यूरोप पर हावी है वहीं उसकी राजनैतिक महत्वाकांक्षाएं और साम्यवादी आक्रामकता यूरोप की लोकतांत्रिक परम्पराओं के खिलाफ रही है। रूस की भौगोलिक स्थिति इसे एक अद्वितीय रणनीतिक महत्व प्रदान करती है। यह देश ग्यारह समय क्षेत्रों में फैला हुआ है और सोलह संप्रभु देशों के साथ सीमा साझा करता है। रूस के पास आर्कटिक महासागर, प्रशांत महासागर और अटलांटिक महासागर में लंबी तटरेखाएं हैं,साथ ही काला सागर और कैस्पियन सागर तक भी पहुंच है। रूस, दुनिया का सबसे बड़ा देश है,जो पूर्वी यूरोप और उत्तरी एशिया में फैला हुआ है।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के यूरोपीय सहयोगियों को बार-बार चेतावनी दी है कि वे कीव के प्रति अपना समर्थन कम करें। पुतिन ने दावा किया था कि संभावित रूसी मिसाइल हमलों के सामने यूरोप बेबस हो जाएगा। रूस अपने उत्तरी बेड़े में पनडुब्बियों का उपयोग करके ट्रान्साटलांटिक व्यापार को नुकसान पहुंचा सकता है। रूस के पास एक मजबूत पनडुब्बी बेड़ा है और इसका उपयोग महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों को बाधित करने या महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर हमला करने के लिए किया जा सकता है। ट्रान्साटलांटिक व्यापार एक ऐतिहासिक और आर्थिक अवधारणा है जो अटलांटिक महासागर के दोनों किनारों पर स्थित देशों के बीच व्यापारिक गतिविधियों को संदर्भित करती है। यूरोप और अमेरिका के बीच यह व्यापार मुख्य रूप से पश्चिमी यूरोप और उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका के बीच होता है। इसमें औद्योगिक उत्पाद,कृषि उत्पाद, और कच्चे माल का आदान-प्रदान शामिल है। रूस का सैन्य बजट पूरे यूरोप के डिफ़ेंस ख़र्च से ज़्यादा है।

यूरोपीय देश यह बेहतर जानते है की रूस की सैन्य क्षमता से निपटने के लिए उन्हें अमेरिका की जरूरत है। निगरानी,खुफ़िया जानकारी,हवाई क्षमता और युद्दक तैयारियों के लिए यूरोप अमेरिका पर पूर्ण रूप से निर्भर है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैन्युअल मैक्रों एक असली यूरोपीय सेना का गठन करने और यूरोप का सैन्य ख़र्च बढ़ाने की वकालत करते रहे हैं। हालांकि,यूरोपीय संघ के भीतर उनकी इन बातों को बेहद मामूली समर्थन हासिल हो सका है। इसका प्रमुख कारण यूरोप के वे छोटे देश है जो युद्द और हथियार से ज्यादा अपने लोगों की बेहतरी के लिए पैसा खर्च करना चाहते है। पुतिन का यूरेशिया और बाल्टिक देशों पर गहरा दबाव है,इसमें कई नाटो के सदस्य है। यूक्रेन में पुतिन की आक्रमकता से नाटो के कई देश डरे हुए है। एस्टोनिया यूएसएसआर का एक पूर्व गणराज्य है। यह दक्षिण में लातविया,पूर्व में रूस,पश्चिम में बाल्टिक सागर और उत्तर में फिनलैंड की खाड़ी से घिरा हुआ है। फिनलैंड उत्तरी यूरोप में स्थित है। यह पूर्व में रूस,दक्षिण में फिनलैंड की खाड़ी,पश्चिम में स्वीडन की खाड़ी और उत्तर में नॉर्वे से घिरा हुआ है।

भाषीय संकीर्णता दुर्भाग्यपूर्ण

राकेश दुबे

देश में राजनीति का स्तर कितना नकारात्मक व अवसरवादी हो गया है कि महाराष्ट्र में हिंदी विरोध को राजनीति साधने का अस्त्र बना लिया गया। विडंबना यह है कि जिस राज्य से सारे देश को एकता के सूत्र में पिरोने की सामाजिक सांस्कृतिक मुहिम संघ द्वारा चलायी जा रही है, उसी राज्य से राष्ट्र की संपर्क भाषा के खिलाफ भाषायी कट्टरपंथ को हवा दी जा रही है।

मराठी भाषा के नाम पर राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे बीस साल बाद एक मंच पर एकजुट हुए हैं। कहा जा रहा है कि महाराष्ट्र में हिंदी विरोध पर 'भरत मिलाप' हुआ है। कभी हिंदी विरोध के जो सुर तमिलनाडु में सुनायी देते थे, वे अब महाराष्ट्र में भी तेजी से मुखर हो रहे हैं। मुंबई को भारत की आर्थिक राजधानी कहा जाता है, जिसमें योगदान देने के लिये उत्तर भारत के राज्यों के तमाम लोगों योगदान देते हैं। जहां बनने वाली हिंदी फिल्में इस राज्य की समृद्धि का आधार रही हैं। उसी राज्य में हिंदी बोलने वालों लोगों से मारपीट तक के मामले प्रकाश में आ रहे हैं। निश्चय ही ये भारत की संघीय अवधारणा की जड़ों पर प्रहार ही है। निश्चित रूप से इस सोच के मूल में भाजपा के राजनीतिक वर्चस्व को तोड़ना और मुंबई नगर निगम व राज्य की सत्ता पर काबिज होने की महत्वाकांक्षा ही है। यह सोच राष्ट्रीय एकता व भाषायी सद्भाव को पलीता लगाने का ही कुत्सित प्रयास है।

दुर्भाग्यपूर्ण है कि आजादी के सात दशक बाद भी देश में जनता को विकास व तार्किक मुद्दों के बजाय संकीर्ण अस्मिता के नाम पर बरगलाया जा रहा है। उन मुद्दों को हवा दी जा रही है जिनके बूते महाराष्ट्र में शिव सेना अस्तित्व में आयी। विडंबना यही है कि ऐसे तत्वों को यदि राजनीतिक मंसूबे पूरा करने में सफलता मिलती है तो इसका नकारात्मक संदेश पूरे देश में जाएगा। बहुत संभव है कि देश के अन्य राज्यों में भी ऐसी संकीर्ण भाषायी विरोध की राजनीति मुखर होने लगे। जो राष्ट्रीय एकता व सद्भाव के लिये एक बड़ी चुनौती होगी। निस्संदेह, भारतीय लोकतंत्र की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि राजनीतिक दल सकारात्मक मुद्दों व विकास की प्राथमिकताओं को अपना एजेंडा बनाएं। दरअसल, सकारात्मक राजनीति में हाशिये पर गए दल ही सफलता के शॉर्टकट के रूप में ऐसे भावनात्मक मुद्दों को हवा देकर अपना उल्लू सीधा करते हैं। आज पूरी दुनिया विज्ञान की क्रांति व अभिव्यक्ति के तकनीकी विकास से एकजुट हो रही है, वहीं हम भाषीय संकीर्णताओं में उलझकर प्रगति के पहिए को थामने की कोशिशों में लगे हुए हैं। भले ही हमारी मातृभाषा कुछ भी हो, लेकिन पूरे देश में एक संपर्क भाषा के रूप में हिंदी की उपयोगिता को खारिज नहीं किया जा सकता है। कई राज्यों में त्रिभाषा फार्मूले के रूप में शिक्षा के प्रसार में सात समुंदर पार की अंग्रेजी भाषा के अंगीकार में तो कोई परहेज नहीं है, लेकिन तमाम भारतीय भाषाओं के शब्दों को समेटे देश के स्वतंत्रता आंदोलनकारियों द्वारा स्वीकृत हिंदी का विरोध किया जा रहा है। ये दुर्भाग्यपूर्ण ही है।

एक मूर्ति मेरी भी लगवा दो

श्रीकांत आप्टे

एक मूर्ति मेरी भी लगवा दो किसी चौराहे पर। हर शहर,कस्बे, गांव और चौराहों पर लगवा रहे हो। बहुत से चौराहे हैं। बहुत सारी मूर्तियां लगेंगी। जहां खाली जगह दिखे वहीं मूर्ति लगा दो। खाली जगह होगी तो अतिक्रमण होगा।झुग्गियां बन जाएंगी। जनता बस जाएगी। बुलडोज़र से झुग्गियां तुडवाने का एक्स्ट्रा काम और एक्स्ट्रा खर्चा। उससे बेहतर है कि खाली जमीन पर विशालकाय मूर्ति खड़ी कर दो और डेवलपमेंट के लिए खाली जमीन किसी सेठ मित्र को दे दो। यही तो असली देशसेवा है।

चौराहे कई हैं और तुम्हारे पास महापुरुषों की भारी शॉर्टेज है। इसलिए लौट-लौटकर इतिहास में घुसना पडता है। शिवाजी,संभाजी,महाराणा प्रताप को कितने चौराहों पर जमाया जा सकता है। मूर्तियां कम पडेंगी। ऐसे मैं तुम बेखटके मुझे याद करना। मैं मेरी देशसेवा का टोकरा उठाकर दौड़ा चला आऊंगा। मेरी मूर्ति बनवाने और लगवाने के लिए बजट में अतिरिक्त प्रावधान भी नहीं करना पडेगा। इसके लिए रकम मैं ही लगाऊंगा। चौराहे के सौंदर्यीकरण, समारोह और तुम्हारे स्वागत सत्कार का खर्चा भी मेरी ओर से ही होगा। शहर के बीचोंबीच सस्ती और छोटी सी मूर्ति ही मेरी लगवा दो। मूर्ति मेरी लगेगी लेकिन इमेज तुम्हारी चमकेगी, आम आदमी की इज्ज़त करने वाला नेता।

रकम कहां से लाऊंगा? बैंक लोन लूंगा। तुम बस एक फोन कर देना। तुम्हारे फोन के बाद किस बैंक वाले की हिम्मत होगी कि लोन के लिए मना कर दे। लोन लेकर विदेश भाग जाने वाले तुम्हारे मित्रों जैसा नहीं हूं। आम आदमी हूं। मय ब्याज के पूरा लोन चुकाऊंगा।

चौराहे कई हैं और तुम्हारे पास महापुरुषों की भारी शॉर्टेज है। इसलिए लौट-लौटकर इतिहास में घुसना पडता है। शिवाजी,संभाजी,महाराणा प्रताप को कितने चौराहों पर जमाया जा सकता है। मूर्तियां कम पडेंगी। ऐसे मैं तुम बेखटके मुझे याद करना। मैं मेरी देशसेवा का टोकरा उठाकर दौड़ा चला आऊंगा। मेरी मूर्ति बनवाने और लगवाने के लिए बजट में अतिरिक्त प्रावधान भी नहीं करना पडेगा। इसके लिए रकम मैं ही लगाऊंगा। चौराहे के सौंदर्यीकरण, समारोह और तुम्हारे स्वागत सत्कार का खर्चा भी मेरी ओर से ही होगा। शहर के बीचोंबीच सस्ती और छोटी सी मूर्ति ही मेरी लगवा दो। मूर्ति मेरी लगेगी लेकिन इमेज तुम्हारी चमकेगी, आम आदमी की इज्ज़त करने वाला नेता।

रकम कहां से लाऊंगा? बैंक लोन लूंगा। तुम बस एक फोन कर देना। तुम्हारे फोन के बाद किस बैंक वाले की हिम्मत होगी कि लोन के लिए मना कर दे। लोन लेकर विदेश भाग जाने वाले तुम्हारे मित्रों जैसा नहीं हूं। आम आदमी हूं। मय ब्याज के पूरा लोन चुकाऊंगा।

देश के एक चौराहे के लिए अपने ही खर्च से देश को एक मूर्ति देने को मैं तैयार हूं क्योंकि फिलहाल मैं देशसेवा के मूड में हूं। फालतू बैठा हूं तो सोचा थोड़ी देशसेवा ही कर लूं। पढ़े-लिखे बेरोजगार लडके की घर में हालत सड़क के कुत्ते से बदतर होती है। घर वालों को कहने को हो जाएगा कि देशसेवा के रोज़गार में लगा हूं।

देशसेवा के लिए खून देना हो तो पहले ही बता देना। अपन देशसेवा का इरादा कैंसल कर देंगे। तुम चाहो भी तो मैं खून नहीं दे सकता क्योंकि वो तो कब का पानी हो चुका है। देने वाले देश को खून देकर शहीद हो गये बिना इस बात की परवाह किए कि उनकी मूर्ति लगेगी या नहीं। वे महान थे।

मैं महान नहीं हूं। इसलिए बिना कोई रिस्क उठाए मरने से पहले ही मूर्ति लगवाने की जुगत में लग गया हूं।

देश में सैकड़ों चौराहे सूने पड़े हैं बिना मूर्ति के। देश को आज मूर्तियों की जरूरत है।देश मांग कर रहा है मूर्तियों की। देश का विकास तो होता रहेगा पहले मूर्तियां बन जाएं। ऊपर, नीचे,उत्तर, दक्षिण, पूर्व, पश्चिम सब ओर से सब दिशाओं से एक ही पुकार, देश को मूर्तियों की दरकार। देश की पुकार को अनसुनी कर मैं मरना नहीं चाहता। अगर ऐसा हो गया तो शहर के चौराहों पर मेरी आत्मा मंडराती रहेगी। मेरे मरने के बाद यदि तुम्हें पता चला कि मेरे विचार तुमसे मेल नहीं खाते थे तो तुम मुझे देश का नागरिक मानने से ही इंकार कर दोगे। मरने वाला हमारी पार्टी का मेंबर नहीं था यह पता चलने पर तो तुम निश्चित ही मेरी मूर्ति नहीं लगवाओगे। देशसेवा करते हुए मर जाने के बाद भी तुम यदि मेरी मूर्ति नहीं लगवाते हो तो मैं तुम्हारा क्या बिगाड़ लूंगा। जीतेजी कुछ नहीं कर पाता, मरने के बाद क्या कर लूंगा। तुम्हारा क्या भरोसा कि तुम मूर्ति के लिए मेरी छोड़ी रकम तुम्हारे प्रचार पर या तुम्हारी विदेश यात्रा पर ही खर्च कर लो। इसलिए मेरे जीतेजी

मेरी आंखों के सामने ही मेरी मूर्ति किसी चौराहे पर लगवा दो ताकि मैं तसल्ली के साथ मरूं कि मैंने मेरी देशसेवा का कोटा पूरा कर दिया।

तुम्हारे आश्वासन, गारंटियां और उनका हश्र बहुत देख चुका। इसलिए नो आश्वासन, नो गारंटी ओनली मूर्ति होना। यह मेरी छोटी सी देशसेवा ही समझी जाए कि अपने पैसे से मूर्ति बनवाकर मैंने सरकारी खजाने का मूर्तियां बनवाने पर खर्च होने वाले पैसों को बचा दिया।

उन पैसों से तुम मेरे मोहल्ले में पक्की सड़क बनवा देना, टूटी नालियों की मरम्मत करवा देना ताकि उनमें बहने वाली गंदगी बाहर नहीं आए, खंभों की न जलने वाली ट्यूबलाइटें बदलवा देना, सरकारी स्कूल की बरसात में टपकती छत की मरम्मत करवा देना।

चौराहे पर लगी मेरी मूर्ति तुम्हारे रोड़ शो के लिए सजावट की झंडियां बांधने के काम आएगी। किसी महान व्यक्तित्व की मूर्ति पर डामर पोतने या उसे क्षति पहुंचाने से बेहतर होगा ये सब मेरी मूर्ति के साथ कर लिया जाए। न किसी को आपत्ति होगी और न ही कानून व्यवस्था बिगड़ने का खतरा होगा।

अंत में एक छोटा सा निवेदन। मैं जिंदगीभर अनावृत ही रहा। इसलिए मेरी मूर्ति का अनावरण जरूर करना। पूरे कपड़े पहने मेरी मूर्ति को देखकर देखने वाले जान पाएंगे कि अगर जीतेजी मैं कपड़े पहन पाता तो कैसा दिखता। तुम्हारे सामने ही अर्जी लगा सकता हूं क्योंकि तुम मेरे मालिक हो। दोष मेरा ही है , इसमें तुम्हारा कोई दोष नहीं। मुझ पर मेहरबानी करो और सेल्फ फाइनेंसिंग स्कीम को स्वीकार करके एक मूर्ति मेरी भी लगवा दो किसी चौराहे पर।

संभावनाओं से भरा मध्य प्रदेश-लुधियाना से शुरू हुई मोहन-मंडलोई पारी

कौशल किशोर चतुर्वेदी

लुधियाना में आयोजित 'मध्यप्रदेश में निवेश के अवसर' पर इंटरैक्टिव सत्र के साथ मुख्यमंत्री के नए अपर मुख्य सचिव एसीएस नीरज मंडलोई के कामकाज की शुरुआत हो गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्लोबल इन्वेस्टर समिति सहित 30 लाख करोड़ निवेश प्रस्ताव तक का सफर अपने पूर्व एसीएस डॉ. राजेश राजौरा के साथ तय किया था। और अब भी 1990 बैच के आईएएस अफसर डॉ. राजेश राजौरा मध्य प्रदेश के लिए उसी तरह संभावनाओं से भरे हुए हैं जैसा कि मध्यप्रदेश उद्योग के क्षेत्र में पूरे देश दुनिया के लिए संभावनाओं से भरा हुआ है। यह सब सामने आएगा जब भविष्य में मध्य प्रदेश इस बात की पुष्टि करेगा। फिलहाल उद्योग के मामले में लुधियाना में भी यह बात पूरी दृढ़ता के साथ उद्योगपतियों के सामने रखी गई कि मध्य प्रदेश में सभी क्षेत्रों में अपार संभावनाएं हैं। डॉ. मोहन यादव ने यहां डबल रोल में मुख्यमंत्री के साथ उद्योग मंत्री के रूप में भी निवेशकों को मध्य प्रदेश में निवेश के लाभ गिनाए।

मध्य प्रदेश में संभावनाओं का लेखा-जोखा रखते हुए प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन राघवेंद्र कुमार सिंह ने लुधियाना के निवेशकों का मन यह कहकर जीत लिया कि हमारे मुख्यमंत्री का ध्येय वाक्य यही है कि 'न रुकेंगे ना थकेंगे'। संभावनाएं गिनाकर वापस अपने स्थान पर लौटते राघवेंद्र सिंह को लुधियाना के निवेशकों ने वापस बुलाकर फिर से इस ध्येय वाक्य को सुना। राघवेंद्र सिंह ने बताया कि मध्यप्रदेश तकनीक के क्षेत्र में तेजी से बढ़ता राज्य है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का पूरा ध्यान राज्य के औद्योगिकीकरण पर है। मध्यप्रदेश में निवेश की अनंत संभावनाएं हैं। प्रदेश में नार्थ, साउथ कॉरिडोर हैं। यहां लॉजिस्टिक की अच्छी सुविधाएं हैं। हमारे पास एक लाख एकड़ से ज्यादा लैंड बैंक है। केंद्र की ओर से उज्जैन में मेडिकल डिवाइस पार्क, धार में पीएम मित्र पार्क, मुरैना में लेदर पार्क और बाबई में इलेक्ट्रिक उपकरण पार्क मिला है। राज्य सरकार ने औद्योगिक विकास पर केंद्रित 18 नई नीतियां फरवरी में लागू की हैं। राज्यों में हमारी जीएसडीपी ग्रोथ सबसे अधिक रही है। निवेशकों को इंसेंटिव प्रदान किया जा रहा है। प्रदेश में कई राष्ट्रीय संस्थान हैं। प्लांट मशीनरी पर इन्वेस्टमेंट प्रमोशन असिस्टेंस 40 प्रतिशत तक है। तो मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई ने देश के दिल मध्यप्रदेश में सभी निवेशकों का स्वागत करते हुए कहा कि आज मध्यप्रदेश के विकास की झलक पंजाब में दिखाई दी है। पंजाब के निवेशकों के लिए मध्यप्रदेश लैंड ऑफ अपॉर्च्युनिटी बन सकती है। राज्य में वर्ल्ड क्लास लॉजिस्टिक

इन्फ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध है। पंजाब के जैसे ही मध्यप्रदेश में उद्योग-व्यापार की अनंत संभावनाएं हैं।

और फिर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने सत श्री अकाल और जय महाकाल संबोधन से मध्य प्रदेश और पंजाब को एक माला में पिरो दिया। तो गेहूं उत्पादन की बात करते हुए उन्होंने पंजाब और मध्य प्रदेश के बीच बड़ा भाई और छोटे भाई का रिश्ता जोड़ दिया। कहा कि कोई एक बात नहीं सभी क्षेत्रों में मै मानकर चलता हूं, मध्य प्रदेश और खासकर पंजाब के संदर्भ में कहूं तो ÷यह दोनों सगे बिछड़े हुए भाई हैं। और फिर भगत सिंह चंद्रशेखर आजाद और विक्रमादित्य भी मुख्यमंत्री की जुबां पर आ ही गए। और विशेष तौर पर मालवा की रोचक व्याख्या सबको पसंद आई। डॉ मोहन यादव ने कहा कि जब मैं आपको देख रहा हूं तो मुझे लगता है भविष्य की दृष्टि से हमारे अपने अतीत के काल के आधार परज, पंजाब के अंदर एक मालवा भी है, है कोई मालवा..? जब सम्राट विक्रमादित्य ने उस समय के अपने उस दौर में जब शकों का साम्राज्य आ गया तो शक हमारे देश के नहीं थे; वह दुनिया के पता नहीं किस हिस्से से आए थे रोम के आगे से। ऐसे में उन्होंने पूरे देश को गुलाम बना लिया था और गुलाब बनाने के बाद इस देश में जैसे अपने यहां पिछले समय के या दुनिया के कई देशों की हालत हम देख रहे हैं। ऐसे समय में विक्रमादित्य ने अपनी तलवार के बलबूते पर न केवल देश को आजाद कराया बल्कि पंजाब के मालवा और मध्य प्रदेश के मालवा को मिलाकर पूरे देश में एक अलग प्रकार का आनंद उत्साह का वातावरण दिया था। वह हजारों साल का हमारा इतिहास, जिसके आधार पर हम और आप जुड़े हुए हैं। बताया कि 'माल वाले के पास मालवा होता है और किसके पास मालवा होता है। मालवा का मतलब क्या है..? मालवा नाम थोड़ी है.. और माल वाले कहां है, या तो पंजाब में या मध्य प्रदेश में।'

मध्य प्रदेश के अंदर की संभावनाओं को लेकर मोहन यादव ने विजन साफ कर दिया?। बोले जैसा मैंने कहा कि हमारी सरकार ने एक संकल्प लिया है। संकल्प में यह गुंजाइश दी है कि अगर आप रोजगार परक इंडस्ट्री लगाते हो तो रेडीमेड गारमेंट्स इंडस्ट्री डालते हो तो फैक्ट्री आपकी है लेबर आपके यहां काम करेंगे प्रॉफिट आप कमाओगे लेकिन ?5000 प्रति लेबर का भुगतान हम करेंगे ताकि हमारे अपने लोगों को रोजगार मिले। मुख्यमंत्री बोले कि मैं आपको केवल दो-तीन जानकारी देना चाहूंगा हमारी सरकार ने जनहितैसी योजनाएं खास करके जिस जिस क्षेत्र में हमारी कमजोरी थी उन कमजोरी में हम आगे बढ़कर के अपनी सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना के बलबूते पर कई सारी योजनाएं चालू की। जैसे, स्कूल जाने वाला बच्चा अगर छठी या नौवीं के बाद वह स्कूल जाता है और 4 किलोमीटर से ज्यादा दूर उसका घर है तो हमने कहा है कि बच्चा पैदल नहीं जाएगा। साइकिल हमारी सरकार की तरफ से दिलवाई जाएगी। लाखों साइकिल हम हर साल देते हैं। इसके माध्यम से हम आपकी संभावनाएं खोल रहे हैं क्योंकि साइकिल हम दे रहे हैं तो साइकिल हम तो नहीं बना सकते.., तो पंजाब की साइकिल मध्य प्रदेश में भी बन सकती है। इसमें कोई परेशानी नहीं है। ऐसी अपने बीच में बहुत सारी संभावनागत इंडस्ट्री है। तो मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और एसीएस नीरज मंडलोई की जुगलबंदी लुधियाना में मिले 15000 करोड़ के निवेश प्रस्तावों के साथ शुरू हो गई है। लुधियाना के उद्योगपतियों से 15 हजार 606 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुये हैं, जिससे 20 हजार से अधिक रोजगार का सृजन होगा। तो उम्मीद यही है कि मोहन-मंडलोई की पारी सफल हो और मोहन-राजौरा की पारी से भी लंबी लकीर खींचकर मध्यप्रदेश में औद्योगिक निवेश का इतिहास बना सके।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

लालबाग पैलेस को भव्य रूप देने की तैयारी, बाउंड्रीवॉल और नए गेट से बढ़ेगा पर्यटन आकर्षण

इंदौर। लालबाग पैलेस के भव्य स्वरूप को निखारने का इंतजार अब खत्म हो गया। मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम को भोपाल से मंजूरी मिलने के बाद बाउंड्रीवॉल और अन्य संरचनात्मक कार्यों की शुरुआत कर दी गई है। वर्षों से उपेक्षित इस ऐतिहासिक धरोहर को अब नई पहचान देने की तैयारी है।

प्रथम चरण में करीब 8 फीट ऊंची आकर्षक बाउंड्रीवॉल बनाई जा रही है, जिसमें विशेष चित्रकारी और शिल्पकारी की जाएगी। साथ ही लालबाग पैलेस के पीछे एक नया भव्य गेट बनाने की योजना भी शुरू हो गई है। इस गेट के ऊपर घोड़े की मूर्ति भी स्थापित की जाएगी, जो आने-जाने वाले पर्यटकों को शाही अनुभव देगी।

अधिकारियों के अनुसार पुनरुद्धार कार्य में प्रवेश मार्ग, उद्यान और आंतरिक सौंदर्यीकरण भी शामिल हैं। पर्यटकों की सुविधा और आवागमन को ध्यान में रखते हुए मुख्य गेट के अलावा पीछे से बाहर निकलने की व्यवस्था की जा रही है। इंदौर में केवल लालबाग ही नहीं, बल्कि राजवाड़ा, गांधी हाल और कृष्णपुरा छत्रियों के संरक्षण को लेकर भी योजनाएं बनाई जा रही हैं। स्मार्ट सिटी मिशन और पर्यटन विकास निगम मिलकर इन धरोहर स्थलों को आधुनिक सुविधाओं से जोड़ने का काम कर रहे हैं। लालबाग पैलेस का पुनरुद्धार शहर के सांस्कृतिक और पर्यटन क्षेत्र को नया जीवन देगा। आने वाले समय में यह इंदौर का प्रमुख आकर्षण केंद्र बनकर उभरेगा।

ओबीसी कांग्रेस द्वारा मंडी मदार टेकरी कब्रिस्तान में वृक्षारोपण का कार्यक्रम संपन्न

जबलपुर। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कोऑर्डिनेटर अलीम मंसूरी द्वारा प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रदेश उपाध्यक्ष (ओबीसी विभाग) टीकाराम कोष्टा, डॉक्टर मोइन अंसारी के मुख्य आतिथ्य में सामाजिक एवं व्यापारी भाइयों के सहयोग से मंडी मदार टेकरी कब्रिस्तान में मोहर्रम के नए साल के उपलक्ष में हिंदू मुस्लिम एकता की मिसाल प्रस्तुत करते हुए वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। जिसमें प्रमुख रूप से मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश उपाध्यक्ष ओबीसी विभाग पूर्व प्रदेश प्रवक्ता मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी टीकाराम कोष्टा, डॉ मोइन अंसारी, पत्रकार हाजी मोइन खान, के मुख्य आतिथ्य में प्रदेश कोऑर्डिनेटर अलीम मंसूरी प्रदेश कांग्रेस कमेटी (ओबीसी विभाग), मुख्तार अहमद, मुजफ्फर कुरैशी, महताब अली, फैजान कुरैशी महमूद मिट्ठू अशोक यादव लखन श्रीवास्तव विजय अग्रवाल अशोक चौधरी आदि कांग्रेसजनों उपस्थिती में वृक्षारोपण का कार्यक्रम संपन्न हुआ।

अयोध्यावासी स्वर्णकार समाज की वैठक सम्पन्न, सीताराम सोनी कुसमा बालों को बनाया कार्यकारी जिलाध्यक्ष

छतरपुरः छतरपुर अयोध्यावासी स्वर्णकार समाज द्वारा आज शिवांश पैलेस में एक जिला स्तरीय मीटिंग का आयोजन किया गया जिसमें जिले की हर इकाइयों से स्वर्णकार बंधु सामिल हुए, भगवान गणेश की पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ ।सबसे पहले स्वर्णकार गीत का गायन हुआ जिसमे सभो लोग थिरकते नजर आए, कार्यकम की शुरुवात में जिला स्तरीय पत्रिका बनाने के।लिए चर्चा की गई जिले भर में अविवाहित लड़का लड़कियों की जानकारी एकत्रित करने पर चर्चा हुई ।इस दौरान जिला अध्यक्ष के चुनाव की चर्चा हुई गौरतलब है कि पूर्व जिलाध्यक्ष विनोद सोनी का कार्यकाल पूर्ण होने पर पद खाली न रहे इसके लिए सर्व सम्मति से सीताराम सोनी कुसमा बालो को कार्यकारी जिलाध्यक्ष की कमान सौंपी गई । इसके अलावा जिला अध्यक्ष के चुनाव के लिए 05 लोगों की निर्णायक कमेटी बनाई गई ।जिसको बढ़ाकर 11 किया जाएगा, जिनको जिला अध्यक्ष बनाने की।कमान।सौंपी गयी। 11 लोगों को निर्णायक कमेटी में रखा गया जो।जगह जगह जाकर जिले।की हर इकाई से बात करेंगे 6 माह के अंदर कमेटी चुनाव प्रक्रिया पूरी कर नए जिलाध्यक्ष का गठन करेगी । इस मौके पर छतरपुर जिला इकाई से परितोष सोनी हरपालपुर से वीरा सोनी, किसनदास सोनी, जगदीस सोनी, बबलू सोनी के के सोनी, नॉगॉव इकाई से श्याम सुंदर सोनी, बिनचाई सोनी, जगदीस गड़ी मलहरा से जय सोनी, गजेंद्र सोनी, महाराजपुर से सीताराम सोनी, घुवारा से प्रमोद सोनी, बालकिशन सोनी, बनगाय से रमेश सोनी, आशाराम सोनी, आशाराम सोनी, बमीठा से पुरुषोत्तम सोनी, राजनगर से सुरेंद्र सोनी, रज्जू वर्मा, दीपक सोनी, रूपेश सोनी, महेश सोनी, सामिल हुए इसके अलावा नगर इकाई से विनोद सोनी महेश सोनी, चेतन सोनी, सुशील सोनी, अमित सोनी, शुभाष सोनी, संजय सोनी, सरमन सोनी, देवेंद्र सोनी, संतोष सोनी, भाग चंद्र सोनी, पवन सोनी, मुन्ना सोनी, रज्जू सोनी, रमेश सोनी गुडू सोनी, अमित सोनी, अन्नी सोनी, निशांत सोनी, मदन मोहन सोनी, राम किशोर सोनी, सटई से अरुण सोनी रामकुमार सोनी, नरेश सोनी मौजूद रहे कार्यक्रम का संचालन बब्लू सोनी श्रीनगर बालो ने किया

क्या उज्जैन से जन्मी मराठी? इतिहास के पन्नों से उठे सवाल

उज्जैन। महाराष्ट्र इन दिनों एक बार फिर भाषा की राजनीति की आग में तप रहा है। मराठी को लेकर शिवसेना के उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के राज ठाकरे एक मंच पर आ गए हैं।

इसके पीछे सियासी तौर पर वजह महा नगरपालिका के चुनाव हैं। इस सियासत के बीच पुराना सवाल फिर चर्चा में है कि क्या मराठी भाषा की जड़ें उज्जैन में हैं?

पड़ताल में यह तथ्य सामने आया कि उज्जैन (पुराना नाम अवंति या उज्जयिनी) मराठी का पहला घर रहा है। जाने-माने भाषाविद् वि.भि.कोलते ने अपने शोध आलेख %अवंति- मराठी का मायका% में यही लिखा था। उनका शोध 1946 में %विक्रम स्मृति ग्रंथ% में छपा था।

कोलते के मुताबिक, छठवीं-सातवीं सदी में उज्जैन और आसपास के इलाकों में नागर अपभ्रंश बोली जाती थी। इसी से मराठी की नींव पड़ी। बाद में यही नागर अपभ्रंश यादव कालीन मराठी बनी। उसी में संत ज्ञानेश्वर ने ज्ञानेश्वरी जैसा अद्भुत ग्रंथ लिखा। उस वक्त की मराठी को मह्राटी या देशी भाषा कहा जाता था।

यादव राजाओं ने दिया राजभाषा का दर्जा

इतिहास में दर्ज है कि यादव राजाओं ने मराठी को राजभाषा का दर्जा दिया। साहित्य, शिलालेख और तत्कालीन शासन प्रणाली में इसके प्रमाण मिलते हैं। यादवों ने 860 ईस्वी से लेकर 1313 तक महाराष्ट्र के उत्तर-पूर्वी इलाके पर राज किया। देवगिरी उनकी राजधानी थी, जो आज दौलताबाद के नाम से जाना जाता है।

दिलचस्प यह है कि अवंति प्रदेश में शौरसेनी और महाराष्ट्री प्राकृत से मिलकर जो भाषा तैयार हुई, उसे भरतमुनि ने अपने नाट्यशास्त्र में भी दर्ज किया है। इतिहासकार बताते हैं कि प्राचीन समय में उज्जैन को ही महाराष्ट्र का शुरुआती हिस्सा माना जाता था।

सिंधिया शासनकाल में भी मराठी प्रमुख भाषा रही। जानकार मानते हैं कि उज्जैन की धरती ने मराठी को जन्म देने के साथ उसे पहचान भी दी। हालांकि कुछ विद्वान मानते हैं कि मराठी के विकास की कहानी सिर्फ उज्जैन तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे दक्षिणी भारत में इसकी यात्रा फैली हुई है। मराठी की इस विरासत ने आज महाराष्ट्र की राजनीति को फिर नया मोड़ दे दिया है।

वि.भि.कोलते के शोध के हिन्दी अनुवादक व वरिष्ठ पत्रकार अजय ?बोकिल महाराष्ट्र में भाषा के विवाद पर मुखर होकर अपनी बात रखते हैं। उनका कहना है कि महाराष्ट्र में जो चल रहा है, वह वोट बैंक की राजनीति से ज्यादा कुछ नहीं। ये मराठी और हिन्दी के नाम पर वोटों के ध्रुवीकरण का प्रयास है। नेताओं को कितनी सफलता मिलेगी, ये भविष्य बताएगा। हां, यह जरूर है कि योजनाकार बिना दूरगामी परिणामों के ऐसे फैसले ले लेते हैं, जो व्यवहारिक रूप से उचित ही नहीं।

उन्होंने सवाल करते हुए कहा, क्या ये संभव है कि पहली क्लास का बच्चा तीन भाषाएं सीख जाएगा? उन्होंने कहा, कोलते ने सीधे तौर पर यह दावा नहीं किया कि उज्जैन ही मराठी की जन्मस्थली है। उन्होंने कालखंड और चर्चाओं के आधार पर ये अनुमान जताया है।

मराठी भाषा कहां से आई है?

मराठी मुख्य रूप से महाराष्ट्र में बोली जाती है। 1966 से यह महाराष्ट्र की आधिकारिक भाषा है। मराठी को लेकर विद्वानों के अलग अलग मत हैं। कुछ विद्वानों का कहना है कि मराठी 1300 साल से भी पुरानी भाषा है। इसकी शुरुआत संस्कृत से हुई थी। फिर यह प्राकृत और अपभ्रंश के जरिए विकसित होती गई। मराठी के व्याकरण और वाक्य रचना का आधार भी पाली और प्राकृत से लिया गया है। प्राचीन समय में मराठी को महराट्टी, मरहट्टी और महाराष्ट्री जैसे नामों से जाना जाता था।

बिना नम्बर की बलेनो कार में 200 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा के साथ आरोपी चालक गिरफ्तार

पुलिस चौकी नयागॉव थाना जावद को मिली सफलता

नयागांव। अवैध मादक पदार्थ तस्करी एवं नशे के विरूद्ध चलाये जा रहे प्रदेश व्यापी विशेष अभियान के तहत श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय, जिला नीमच श्री अंकित जायसवाल व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय श्री नवलसिंह सिसौदिया एवं अअपु जावद सुश्री निकिता सिंह के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी जावद निरीक्षक श्री जितेन्द्र वर्मा के नेतृत्व में चौकी प्रभारी नयागॉव मंगलसिंह राठौड़ की टीम के द्वारा एक बिना नम्बर की आसमानी रंग की बलेनो कार में कुल 200 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा तथा आरोपी कार चालक को पकडने में सफलता प्राप्त की है।

दिनांक 06.07.2025 की रात्रि में विश्वसनीय मुखबिर से एक बिना नम्बर की आसमानी रंग की बलेनो कार में अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा भरा होने तथा चालक कन्हैयालाल पिता गोपाल दास निवासी सेमलिया जिला चित्तौडगढ राजस्थान के द्वारा चलाकर गोटा गुठलई मार्ग होते हुए राजस्थान की ओर ले जाने के संबंध में सूचना मिलने पर चार खंबा चौराहा गोटा गुठलई मार्ग पर नाकाबंदी की गई। जहॉ नाकाबंदी के दौरान एक बिना नम्बर की आसमानी रंग की बलेनो कार आते दिखी, जिसे फोर्स व पंचांन की मदद से घेरा बंदी कर रोका तथा कार की तलाशी में मिले 200 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा को एनडीपीएस एक्ट के आज्ञापक प्रावधानों का पालन करते हुए विधिवत् जप्त किया गया तथा आरोपी चालक कन्हैयालाल को गिरफ्तार कर उसके विरूद्ध धारा 8/15 एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया। गिरफतार आरोपी से पूछताछ की जाकर अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा उपलब्ध करवाने वाले ललित उर्फ लालाराम पिता भँवरलाल अहीर निवासी ढौलपुरा थाना नीमच सीटी को भी प्रकरण में आरोपी बनाया गया है। गिरफ्तार आरोपी कन्हैयालाल को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर पुलिस रिमाण्ड लिया गया है । प्रकरण में अनुसंधान जारी है ।

सराहनीय भूमिका:- उक्त कार्यवाही में पुलिस टीम नयागॉव का सराहनीय योगदान रहा।

मेसर्स मुंगेर कंस्ट्रक्शन कंपनी पर 15.36 लाख रुपये की शास्ति, मशीनें और डम्पर राजसात

छिंदवाड़ा जिले में अवैध खनन पर प्रशासन ने एक बड़ी कार्रवाई की है। चौरई तहसील के ग्राम बांकानांगनपुर में मुरूम का अवैध उत्खनन प्रमाणित होने पर कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह ने मेसर्स मुंगेर कंस्ट्रक्शन कंपनी पर 15,36,000 रुपये की शास्ति अधिरोपित की है। साथ ही, अवैध उत्खनन में संलिप्त 313छ्र2 छ्रज्ञ मॉडल की पोकलेन मशीन (आई.डी. नंबर छ्रज्ञ0313छ्रस्नक्र00332) और डम्पर (क्रमांक स्क्र28॥1957) को राजसात कर लिया गया है। यह कार्रवाई म.प्र. खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत की गई है।

9 मार्च 2025 को खनिज विभाग की टीम ने बांकानांगनपुर-बड्डाढाना मार्ग पर 4.792 हेक्टेयर भूमि में अवैध मुरूम उत्खनन करते हुए उक्त मशीनें पकड़ीं। मौके पर मौजूद चालकों ने स्वीकार किया कि यह कार्य मेसर्स मुंगेर कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा रोड निर्माण के लिए किया जा रहा था। जांच में सामने आया कि कंपनी को केवल सीमित क्षेत्र और समय के लिए खनन की अनुमति थी, लेकिन अनुबंध की अवधि समाप्त होने के बाद भी अवैध उत्खनन जारी था।

खनिज अधिकारी के प्रतिवेदन के अनुसार, कंपनी ने प्रशमन राशि भी जमा नहीं की। इस कारण अर्थदण्ड और पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति की राशि को दोगुना करते हुए 15.36 लाख रुपये की शास्ति अधिरोपित की गई। जब्त मशीन और डम्पर को शासन हित में नीलामी के लिए रखा जाएगा।

कलेक्टर सिंह ने कहा कि जिले में अवैध खनन के मामलों में आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। इस कार्रवाई से साफ संदेश गया है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

लोकतंत्र सेनानी नेमीचंद जैन के नेत्रों का हुआ दान, राजकीय सम्मान से हुआ अंतिम संस्कार

विदिशा। गांधी चौक गंजबासौदा निवासी लोकतंत्र सेनानी मीसाबंदी, पूर्व आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर गांधी चौक के अध्यक्ष 84 वर्षीय एडवोकेट नेमीचंद जैन का 7 जुलाई को सुबह निधन हो गया। उनकी इच्छा का सम्मान करते हुए परिवारजनों ने विकास पचौरी फाउंडेशन का सहयोग लेकर नेमीचंद जी का नेत्रदान कराया। वहीं राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया।

विकास पचौरी फाउंडेशन द्वारा पूर्व में गंजबासौदा में नेत्रदान, देहदान एवं अंगदान की जागृति हेतु एक शिविर लगाया गया था। जहां नेमीचंद जी ने 12 फरवरी 2021 को नेत्रदान का संकल्प पत्र भरा था। 7 जुलाई को सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली। उनकी इच्छा का सम्मान करते हुए परिवारजनों ने विकास पचौरी फाउंडेशन से संपर्क किया और विकास पचौरी फाउंडेशन द्वारा विदिशा के अटल बिहारी मेडिकल कॉलेज के आई बैंक में संपर्क किया। जहां से डॉक्टरों की टीम ने तत्परता दिखाते हुए विदिशा से बासौदा जाकर नेत्रदान संपन्न कराया। मेडिकल कालेज के डीन डॉ. मनीष निगम के नेतृत्व में प्राध्यापक डॉ. एससीएल चंद्रवंशी के मार्गदर्शन में डॉ. निखिला यादव सहायक प्राध्यापक, डॉ. प्रहर श्रीवास्तव सीनियर रेजिडेंट, डॉ. निकिता श्रीवास्तव सीनियर रेजिडेंट, डॉ. शेरन आहुजा पीजी रेजिडेंट, पुष्पलता मरावी नर्सिंग ऑफिसर, रेणुका लेवी नर्सिंग ऑफिसर, डॉ. प्रहर श्रीवास्तव (एसआर), डॉ. एन श्रीवास्तव (एसआर), डॉ. शरन (पीजी 1), पुष्पा मरावी (एनओ), रेणुका लेवी (एनओ) द्वारा नेत्रदान की प्रक्रिया पूर्ण की गई। अब नेमीचंद जी के दोनों नेत्रों का प्रत्यारोपण किन्हीं दो अलग-अलग नेत्रहीनों को हो सकेगा और वह इस दुनिया को देख सकेंगे। वह अपने पीछे पुत्र एडवोकेट संजय कुमार जैन, एडवोकेट सिद्धार्थ कुमार जैन सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं।

राजकीय सम्मान से हुआ अंतिम संस्कार

मीसाबंदी एडवोकेट नेमीचंद जैन का अंतिम संस्कार पाराशरी विश्राम घाट गंजबासौदा पर पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया। पुलिस के सशस्त्र बल द्वारा सलामी दी गई। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। वे 1951 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े और 84 वर्ष की उम्र में भी पार्टी के कार्यों में सक्रिय रहे। वे एक अच्छे वक्ता माने जाते थे।

जान जोखिम में डालकर पुल,पुलियों एवं रपटों को न करें पार

शहडोल। जिले में लगातार दो दिनों से हो रही बारिश के कारण जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है, जिले में क ई क्षेत्रों में जल भराव तथा पुल, पुलियों एवं रपटों में ऊपर से पानी बहने के कारण आवागमन प्रभावित हुआ है। कलेक्टर डॉ.केदार सिंह तथा पुलिस अधीक्षक श्री राम जी श्रीवास्तव सहित प्रशासनिक अधिकारी लगातार बाढ़ आपदा की निगरानी करने के साथ ही जिले के विभिन्न क्षेत्रों से जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। लगातार बारिश से कई स्थानों में पुल, पुलियों एवं रपटों के ऊपर से पानी बह रहा है, जिससे आवागमन प्रभावित हुआ है। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने अपील की है कि बाढ़ की स्थिति में जान जोखिम में डालकर पुल पुलिया पार नहीं करें, बरसाती नालों में कभी बाढ़ जैसी स्थिति बन सकती है, जिले में क ई स्थानों में जहां पुल, पुलियों तथा रपटों में ऊपर से पानी बह रहा है, वहां बैरीकेडिंग तथा स्थानीय लोगों को लगाकर जानकारी देने का काम किया गया है, फिर भी हर व्यक्ति को अपनी सुरक्षा की जिम्मेदारी स्वयं निर्वहन करनी चाहिए। आपने बताया कि मौसम विभाग व्दारा आगे भी बारिश की चेतावनी दी गई है, जिला प्रशासन द्वारा स्वयं को सुरक्षित रहने के लिए बाढ़ आपदा से बचाव में सहयोग प्रदान करें। कलेक्टर ने लोगों से अपील की है कि पुल- पुलियों में जहां पानी ऊपर से बह रहा है, वहां एकत्र नहीं हो, कभी भी पानी का स्तर बढ़ सकता है और आपकी जान को जोखिम हो सकता है। बरसते हुए पानी में यात्रा नहीं करें, जिले में सभी एस. डी.एम. सीईओ जनपद पंचायत तथा थाना प्रभारियों को बाढ़ आपदा की मानीटरिंग के निर्देश दिए गए हैं।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पुलिस थाना परिसर मंदिर पर वृक्षारोपण किया

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)- औबेदुल्लागंज पुलिस प्रशासन एवं पत्रकारों द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। जिसमें अनुविभागीय अधिकारी पुलिस शीला सुराणा थाना प्रभारी भारत प्रताप सिंह सहित पुलिस स्टाफ एवं पत्रकार उपस्थित होकर वृक्षारोपण में भाग लेकर पौधारोपण किया। एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सभी ने पौधों का रोपण किया गया। जिसमें आंवला, आम, , त्रिवेणी, रामफल, नीम, जामुन, जाम, आदि के पौधे रोपित किए गए। साथ ही पौधों को सुरक्षित रखने का संकल्प भी लिया गया। प्रकृति और माँ का करें सम्मान, आओ लगायें एक पेड़ माँ के नाम।

PHQ में पदस्थ 9 AIG के नए पदस्थापना आदेश

भोपाल पुलिस मुख्यालय में पदस्थ 9 सहायक पुलिस महानिरीक्षक (AIG) के नए पद स्थापना आदेश पुलिस महानिदेशक (DGP) ने जारी किए हैं।

पुलिस मुख्यालय अन्तर्गत पदस्थ निम्नलिखित सहायक पुलिस महानिरीक्षकों को तत्काल प्रभाव से, अस्थाई रूप से, आगामी आदेश पर्यन्त, उनके नाम के सम्मुख दर्शाये अनुसार शाखाओं का नवीन कार्य आवंटित किया जाता हैं :-

स.क्र (1)	नाम अधिकारी (2)	वर्तमान कार्य आवंटन (3)	नवीन कार्य आवंटन (4)
1	श्री राजेश कुमार मिश्र (डीडी-98)	सहायक पुलिस महानिरीक्षक पुलिस मुख्यालय, भोपाल	सहायक पुलिस महानिरीक्षक अअवि, पुमु भोपाल
2	श्री संदीप मिश्रा (डीडी-98)	सहायक पुलिस महानिरीक्षक पुलिस मुख्यालय, भोपाल	पुलिस अधीक्षक, रेडियो मुख्यालय, भोपाल
3	सुश्री पल्लवी त्रिवेदी (डीडी-2000)	सहायक पुलिस महानिरीक्षक पुलिस मुख्यालय, भोपाल	सहायक पुलिस महानिरीक्षक शिकायत, पुमु भोपाल
4	श्री नीरज कुमार पाण्डे, (डीडी-01)	सहायक पुलिस महानिरीक्षक पुलिस मुख्यालय, भोपाल	सहायक पुलिस महानिरीक्षक, विशेष शाखा, पु.मु. भोपाल
5	श्री संजय साहू (डीडी-01)	सहायक पुलिस महानिरीक्षक पुलिस मुख्यालय, भोपाल	सहायक पुलिस महानिरीक्षक विशेष शाखा पु.मु. भोपाल
6	श्रीमती प्रांजली शुक्ला (डीडी रेडियो -04)	सहायक पुलिस महानिरीक्षक एस.सी.आर.बी. पुमु भोपाल	सहायक पुलिस महानिरीक्षक सायबर मुख्यालय, पु.मु. भोपाल
7	श्री विवेक कुमार लाल, (डीडी-06)	सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय, भोपाल	पुलिस अधीक्षक, एसटीएफ, भोपाल
8	श्रीमती यास्मीन जहरा जमाल, (डीडी-11)	सहायक पुलिस महानिरीक्षक पुलिस मुख्यालय, भोपाल	पुलिस अधीक्षक, रेडियो मुख्यालय, भोपाल
9	श्री अजय केथवास, (निरीक्षक-13)	सहायक पुलिस महानिरीक्षक पुलिस मुख्यालय, भोपाल	पुलिस अधीक्षक, एसटीएफ, भोपाल

बागेश्वर धाम के पास बड़ा हादसा, महिला श्रद्धालु की मौत, 10 घायल, हफ्तेभर में दूसरी घटना

छतरपुर स्थित बागेश्वर धाम के पास एक और बड़ा हादसा हो गया। मंगलवार सुबह एक धर्मशाला की दीवार भरभराकर गिर गई। मलबे में दबकर उत्तर प्रदेश की महिला श्रद्धालु की मौत हो गई और 10 अन्य लोग घायल हो गए।

जब सभी श्रद्धालु धर्मशाला में आराम कर रहे थे तभी अचानक दीवार गिर गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई। घायलों को तुरंत जिला अस्पताल लाया गया, जहां सभी का इलाज जारी है।

महिला श्रद्धालु की मौत

हादसे में एक महिला श्रद्धालु की मौत हो गई है। मृतक महिला अनीता देवी खरवार उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले के अदलहाट गांव की रहने वाली थीं। उनके परिजनों ने बताया कि हादसे के समय वे धर्मशाला में सो रहे थे, तभी अचानक पुरानी दीवार ढह गई और सभी मलबे के नीचे दब गए।

चार गंभीर घायल ग्वालियर रेफर

श्रद्धालु बागेश्वर धाम के दर्शन कर गढ़ा गांव के पास एक ढाबे पर रुके थे। इस दौरान अचानक तेज बारिश हुई जिससे पास की एक पुरानी दीवार गिर गई। महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य घायल हो गए। जिला अस्पताल के सीएमएचओ डॉ. आरपी गुप्ता ने बताया कि चार गंभीर घायलों को ग्वालियर रेफर किया गया है। बाकी सात लोगों की हालत स्थिर है और उनका इलाज जिला अस्पताल में जारी है।

3 जुलाई को भी हुआ था हादसा

इससे ठीक 5 दिन पहले 3 जुलाई को भी बागेश्वर धाम में टेंट गिरा था। यह घटना सुबह करीब 7 बजे आरती के बाद हुई थी। बारिश से बचने के लिए श्रद्धालु टेंट के नीचे खड़े थे। तभी टेंट का लोहे का एंगल गिरा और एक श्रद्धालु की सिर में चोट लगने से मौत हो गई थी।

भगदड़ में घायल हुए थे श्रद्धालु

इस हादसे के दौरान श्रद्धालुओं में भगदड़ मच गई थी। राजेश के पड़ोसी आर्यन कमलापुरी ने बताया कि सभी लोग मंच के पास खड़े थे, बारिश तेज हो रही थी। पानी से बचने के लिए टेंट में गए लेकिन पानी भरने से टेंट गिर गया। करीब 20 लोग दब गए थे।

लगातार दो हादसे

बागेश्वर धाम में लगातार हो रही घटनाओं से श्रद्धालुओं के बीच चिंता बढ़ गई है। बीते 5 दिनों में एक टेंट और एक दीवार गिरने से दो लोगों की मौत हो चुकी है और कई घायल हो चुके हैं।

ग्राम पंचायत मोहनिया पटपरा
जनपद पंचायत मण्डला जिला मंडला म.प्र.
नि.क्रं.ग्रा.पं./202 दिनांक 07.07.2025
निविदा सूचना
ग्राम पंचायत मोहनिया पटपरा जनपद पंचायत मंडला द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-23 में रा.ग्रा.रो.गा.यो. से मां योजनान्तर्गत जा स्टापडेम गोविन्द सरोंदे के घर के पास तक मोहनिया पटपरा में लगने वाली सामग्री रेत, गिट्टी 20 mm-40 mm लोहा (सरिया) सीमेंट, मिक्सर मशीन, सेंट्रिन वायवेटर एवं अन्य सामग्री आदि का जी.एस.टी. बिल वाले सामग्री सप्लायरों से बंद लिफाफे में निर्धारित सामग्री दर के अनुसार निविदा आमंत्रण दिनांक 07.07.2025 से 3 दिन के अंदर कार्यालयीन समय पर निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधी विस्तृत जानकारी कार्यालय सूचना पटल पर पढ़ी व देखी जा सकती है।

कार्य का नाम	योजना/मद	लागत
1. स्टापडेम गोविंद सरोंदे के घर के पास मोहिया पटपरा	रा.ग्रा.रो.गा.यो.	13.77090

सरपंच
ग्राम पंचायत मोहनिया पटपरा
जन. पंचा. मण्डला

गोदरेज इंडस्ट्रीज की केमिकल्स यूनिट 750 करोड़ से अधिक करेगी निवेश

मुंबई, एजेंसी। गोदरेज इंडस्ट्रीज लिमिटेड के केमिकल व्यवसाय ने आज अपनी विस्तार योजना के तहत अगले कुछ वर्षों में 750 करोड़ रुपये से अधिक के पूंजीगत निवेश की घोषणा की है। यह निवेश कंपनी के उस लक्ष्य की दिशा में है, जिसके तहत वह वर्ष 2030 से पहले 1 अरब अमेरिकी डॉलर का वैश्विक व्यवसाय बनना चाहती है। कंपनी पहले ही कई परियोजनाओं पर काम शुरू कर चुकी है। घोषणा के अनुसार, फैटी अल्कोहल और यूरिक एसिड की उत्पादन क्षमता को क्रमश- 35,000 टन और 20,000 टन प्रति वर्ष बढ़ाकर दोगुना किया जाएगा।

क्रोमा की बैक टू कैंपस सेल' में लैपटॉप खरीदें, सिर्फ 28,990 से आगे की कीमतों में

मुंबई, एजेंसी। भारत का पहला और टाटा समूह का भरोसेमंद ओमनी-चैनल इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर, क्रोमा में शुरू हो रहा है %बैक टू कैंपस' सेल। आधुनिक शिक्षा में तकनीक सबसे महत्वपूर्ण है, इस बात को मद्देनज़र रखते हुए क्रोमा ने अपने अभियान को छात्रों और तकनीक के प्रति उत्साही लोगों को सशक्त बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। चाहे आप एक महत्वाकांक्षी डिज़ाइनर हों, ढ्ढ-फर्स्ट कोडर हों, या नेक्स्ट-जेन गेमर हों, क्रोमा में आपको लैपटॉप, टैबलेट, स्मार्टफोन और एक्सेसरीज़ पर छात्रों के लिए आसान कीमतों पर आकर्षक डील मिल रही हैं।

तनिष्क में फेस्टिवल ऑफ़ डायमंड्स 2025 का शुभारंभ,

मुंबई । भारत का सबसे भरोसेमंद ज्वेलरी ब्रांड और टाटा परिवार का एक सदस्य, तनिष्क प्रस्तुत कर रहा है - फेस्टिवल ऑफ़ डायमंड्स - स्पार्कल योर वे का 2025 का संस्करण। आधुनिक महिला और उनकी कई उज्ज्वल सफलताओं के सम्मान में तनिष्क यह पहल चला रहा है। सिर्फ 15,000 रुपयों से शुरू होने वाले प्राकृतिक डायमंड आभूषणों की सोच-समझकर चुनी गयी श्रेणी के साथ, यह पहल फैशन चार्ज का नेतृत्व कर रही है, आधुनिक वार्डरोब में हीरों को किस तरह से स्टाइल किया जाता है और उन्हें जिस तरह से संजोकर रखा जाता है उसकी नयी परिभाषा यह कैम्पेन रच रहा है। हर महिला की अपनी अनोखी चमक होती है, इस विश्वास के साथ बनाया गया यह कैम्पेन हीरों को पहनने वालों की नयी पीढ़ी पर प्रकाश डालता है, ऐसी महिलाएं जिनकी अपनी सोच है, जिनका आत्मविश्वास मज़बूत है और जिनकी स्टाइल उनकी अपनी है।

गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप स्वदेशी प्रिसिजन इंजीनियरिंग समाधानों के माध्यम से विकास को दे रहा बढ़ावा

मुंबई, एजेंसी। जैसे-जैसे भारत का इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) क्षेत्र तेज़ी से आगे बढ़ रहा है, गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप का टूलिंग व्यवसाय इस उद्योग की सप्लाई चेन को मज़बूत बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। देश में ऑटोमोबाइल उद्योग की दिशा इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर तेज़ी से बढ़ने के चलते नए इंजन, बैटरी बॉक्स और उच्च गुणवत्ता वाले शीट मेटल पुर्जों की मांग में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। इसी को ध्यान में रखते हुए गोदरेज ने ईवी निर्माण की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपनी क्षमताओं को और उन्नत किया है, विशेषकर हाई-प्रिसिजन डाई और टूलिंग समाधानों पर फोकस करते हुए।

इंडिगो और तुर्किश एयरलाइंस के बीच जारी रहेगी कोडशेयर साझेदारी

एम्स्टर्डम एजेंसी। भारत की प्रमुख एयरलाइन इंडिगो ने साफ किया है कि वह तुर्किश एयरलाइंस के साथ अपनी कोडशेयर साझेदारी को जारी रखेगी। इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स ने कहा कि भले ही तुर्किश एयरलाइंस से लिए गए विमान की लीज खत्म हो रही है, फिर भी कंपनी इस्तांबुल के लिए उड़ानें जारी रखने के विकल्पों पर काम कर रही है।

माता कौशल्या के बाद महारानी गणेश कुंवरि का महल और गोद थी जहाँ रामलला स्थाई रूप से विराजे

उषा सक्सेना

बुंदेलखंड मध्यप्रदेश की वह पावन भूमि जो अपनी भक्ति की रसधार में डुबोकर अयोध्या के रामलला को सरयू नदी के पावन जल से निकाल कर ओरछा ले आई। ऐसी ही भक्त थीं ओरछा के महाराज मधुकर शाह की महारानी कुंवरि गणेश जिन्होंने ओरछा को ही अयोध्या के समान तीर्थस्थल बना दिया। जहां के राजा मधुकर शाह को उनके ओरछा आगमन के बाद अपना राजपद का त्याग कर रामलला को ही राजा के पद पर प्रतिष्ठित कर राजाराम सरकार कहकर उन्हें बाकायदा तोपों की सलामी दी गई वह प्रथा जो आज भी कायम है। राजाराम ओरछा के राजा हैं जहां पर किसी और की सरकार नहीं उनके नाम की ही सरकार चलती है। ओरछा वेदवती (बेतवा)नदी के तट पर बसा नगर ।कहते हैं कि बेतवा नदी यहां सात भागों में विभाजित होकर बहती है इसलिये इसे सतधारा भी कहते हैं।

ओरछा राज्य की स्थापना- सन1531 में बुंदेलाराजा रुद्र प्रताप सिंह ने इसे बुंदेलखंड की राजधानी बनाया था। यहां का किला भी उन्होंने राज्य की सुरक्षा की दृष्टि से बनवाया था जो आज भी है। इसके पहले गढ़कुंडार उनकी राजधानी थी। सामयिक दृष्टि से इस स्थान का विशेष महत्व था। जहां से मुगलों के बुंदेलखंड में प्रवेश को रोका जा सकता था ।उनकी मृत्यु के पश्चात पहले उनके बड़े पुत्र भारती चंद शासक बने ।वह कुछ ही समय शासन कर सके बाद में उनकी मृत्यु के पश्चात उनका कोई उत्तराधिकारी न होने से उनके छोटे भाई रुद्रप्रताप सिंह के द्वितीय पुत्र मधुकर शाह राजा बने। राजा मधुकर शाह श्रीकृष्ण की भक्ति मेंडूबे रते थे ।उनकी महारानी कुंवरि गणेश जी भगवान श्रीराम की भक्त थी ।इस तरह ओरछा में भक्तिकाल में राजा और रानी दोनों की अलग अलग राम और कृष्ण की भक्ति की धारा प्रवाहित हो रही थी। एक बार राजा मधुकर शाह ने तीर्थयात्रा पर जाने के लिये वृंदावन की यात्रा का मन बनाया किंतु महारानी कुंवरि ने कहा कि पहले रामलला के दर्शन करने अयोध्या चलो ।इस पर मधुकर शाह ने क्रोधित होते हुये कहा कि यदि तुम्हारी भक्ति राम के प्रति इतनी अधिक है तोअपने रामलला को अयोध्या से ओरछा लेकर आओ। महारानी के लिये यह एक चुनौती थी और उनकी भक्ति और भगवान की परीक्षा भी।

वह अयोध्या चलीं गईं और वहां रामभक्त तुलसीदास जी से मिलने के बाद लक्ष्मण किला के पास सरयू तट पर एक कुटी बना कर श्रीराम की भक्ति नाम का जाप करते हुये तपसकरने लगीं बहुत समय व्यतीत होने पर उन्होंने 21 दिन का कठोर तप किया तब भी अपने भगवान के दर्शन न होसकने से आत्मग्लानि वश अपने प्राणों का ही त्याग करने के लिये उन्होंने सरयू के गहरे जल में छलांग लगा दी। वहां पर सरयू के गहरे जल से रामलला की मूर्ति उनके हाथ मेंआ गई औरभगवान राम ने साक्षात उन्हें दर्शन दिये ।तब महारानी ने उनसे ओरछा चलने का आग्रह करते हुये कहा कि मैं आपके बिना ओरछा नहीं जा सकती यह मेरा प्रण और महाराज की आज्ञा है जिसका पालन मुझे करना ही होगा। तब भगवान श्रीराम ने ओरछा जाने के लिये तीन शर्तें उनके समक्ष रखते हुये कहा कि इन शर्तों के पालन करने पर ही मैं ओरछा जा सकता हूं।

पहली शर्त- ओरछा में विराजित होने के बाद वहां केवल राजाराम की ही सरकार होगी किसी और की सत्ता नहीं।

दूसरी शर्त- पहली यात्रा के बाद दूसरी यात्रा विशेष पुष्य नक्षत्र में ही पैदल साधुसंतों के साथ बालरूप में गोद में ही होगी ?।

तीसरत शर्त-महल में पहुंचने पर एक बार जिस स्थान पर आसन देंगे वहीं मेरा स्थान होगा अन्यत्र नहीं।

इतना कहते हुये उन्होंने महारानी को उस मूर्ति के विषय मेंबतलाते हूये कहा कि जब मैं वनवास को जारहा था तो माता कौशल्या अति दुखी होरहीथी कि मैं किसे भोग लगा कर भोजन ग्रहण करूंगी तब मैंनें उनकी प्रसन्नता के लिये उन्हें अपनी यह बालरूप की मूर्ति दीथी जिसे भोग लगाकर ही वह भोजन ग्रहण करती थीं। 14वर्ष वनवास के पूरे होने पर जब मैं वापिस आया तो माता ने इस मूर्ति को सरयू में प्रवाहित कर दिया था आज में पुनः आपकी भक्ति से प्रेरित होकर बालरूप में। ही रामलला के रूप में आपके पास आया हूं। भगवान के दर्शन और मूर्ति को पाकर महारानी ने महाराज मधुकर शाह को संदेश भेजा कि वह साधु संतों के साथ विशेष पुष्य नक्षत्र में पैदल यात्रा करते हुये ओरछा के राजाराम को लेकर आ रही हैं।यह समाचार प्राप्त कर राजा मधुकर शाह ने अपनी हार को स्वीकार करते हुये भागवान के लिये अरबों रुपये खर।च कर विशेष रूप से चतुर्भुज मंदिर का निर्माण करवाया ।उनके आगमन के स्वागत की ओरछा में विशेष रूप से तैयारियां होने लगी ।राजा ने अपने पद का परित्याग कर राजसिंहासन राजाराम सरकार के नाम कर दिया। आज से 600 वर्ष पूर्व का वह स्वर्णिम इतिहास जब राजाराम अयोध्या छोड़करओरछा के राजा बने।

अयोध्या नहीं यहां रखी है राम मंदिर की असली मूर्ति- वर्ष 1574 ईसवी एवं विक्रमसंवत 1631में ओरछा में आने पर महारानी कुंवरि का विशेष रूप से बालरूप रामलला के साथ स्वागत तोपों की सलामी के साथ हुआ ।अपने महल मे प्रवेश करने पर नये बने चतुर्भुज मंदिर में विशेष रूप से उनकी प्रतिष्ठा शुभ मुहूर्त में की जाने के कारण तब तक महारानी ने उन्हें अपने कक्ष में आसन दिया ।बाद में जब उन्हें चतुर्भुज मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का समय आया तो वह मूर्ति अपने सिंहासन से हिली ही नही जिसके कारण भगवान विष्णु के चतुर्भुज रूप की मूर्ति उस मंदिर में स्थापित करनी पड़ी। वह तो माता कौशल्या के बाद महारानी गणेश कुंवरि का महल और गोद थी उसे छोड़कर वह नहीं गये बाद में वहीं पर ही उनका मंदिर बनाया गया जो आज भी है। राजाराम की सरकार जिसे आज भी सैनिकों द्वारा बंदूकों से दिन में चार बार सलामी दी जाती है ।जै राजाराम की।जिसे अपने भक्त के प्रण को पूरा कर ओरछा आना पड़ा।

शहर की जमीन को गांव की बताकर रजिस्ट्री, सरकार को 13.32 करोड़ का चूना लगाया

भोपाल। स्टांप ड्यूटी चोरी का बड़ा मामला आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) के सामने आया है। रियल एस्टेट कारोबारियों और रजिस्ट्रार अधिकारियों ने मिलकर डीएलएफ गार्डन सिटी की शहर की जमीन को गांव की गाइडलाइन में दिखाकर रजिस्ट्री करवा ली। इस गड़बड़ी से सरकार को करीब 13.32 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। इस मामले में ईओडब्लयू ने पांच के खिलाफ मामला दर्ज किया। इनमें 3 बिल्डर और पंजीयन विभाग के 2 अफसर हैं। मामले की जांच शुरू कर दी। यह शहर में हाईप्रोफाइल स्टांप ड्यूटी घोटाला है, जिसमें डीएलएफ गार्डन सिटी की जमीन को गांव की भूमि बताकर रजिस्ट्री कराई गई। इस चालाकी से शासन को करोड़ों का नुकसान पहुंचा। अब मामले में ईओडब्ल्यू ने तीन रियल एस्टेट कारोबारियों और दो अफसरों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। जानकारी के मुताबिक, डीएलएफ गार्डन सिटी की प्राइम लोकेशन वाली जमीन को जानबूझकर गांव की गाइडलाइन की दरों में दर्शाया गया। गार्डन सिटी की जमीन को कम दर पर रजिस्ट्री कराई गई। मेसर्स एक्सक्लूसिव रियल्टी के विवेक चुघ, मेसर्स सेवनहार्ट्स बिल्डकॉन एलएलपी के हितेंद्र मेहता और अजय कुमार जैन ने रजिस्ट्रार कार्यालय के अधिकारियों के साथ मिलकर इस हेराफेरी को अंजाम दिया। इस धोखाधड़ी शासन को स्टांप ड्यूटी 13 करोड़ 32 लाख 95 हजार रुपए का नुकसान हुआ।

अधिकारियों से साठगांठ

ईओडब्ल्यू के एसपी ने बताया कि बिल्डर विवेक चुघ, हितेंद्र मेहता और अजय कुमार जैन ने पंजीयन विभाग के अधिकारियों संजय सिंह और अमरेश नायडू के साथ मिलकर धोखाधड़ी की। इन लोगों ने डीएलएफ गार्डन सिटी की जमीन को गांव की जमीन बताकर रजिस्ट्री कराई, ताकि कम स्टांप ड्यूटी लगे। डीएलएफ गार्डन सिटी के स्वीकृत नक्शे में जानबूझकर छेड़छाड़ की और केवल उसका एक अंश भाग ही सिस्टम में अपलोड किया गया। परियोजना का असली नाम हटाकर उसे 'मांगल्या सड़क गांव' की जमीन बताया गया। जहां गाइडलाइन दर 50,800 रुपए प्रति वर्ग मीटर थी, वहां केवल 14,200 रुपए प्रति वर्ग मीटर के हिसाब से रजिस्ट्री कराई गई। इस तरीके से शासन को 13 करोड़ 32 लाख 95 हजार रुपए की स्टांप ड्यूटी का नुकसान पहुंचाया। नामजद किए गए आरोपी विवेक चुघ पिता मोहनलाल चुघ (मेसर्स एक्सक्लूसिव रियल्टी), हितेंद्र मेहता पिता अजय कुमार जैन (मेसर्स सेवनहार्ट्स बिल्डकॉन एलएलपी), महेन्द्र कुमार जैन पिता संजय सिंह (साझेदार - सेवनहार्ट्स बिल्डकॉन एलएलपी), अमरेश नायडू वरिष्ठ जिला पंजीयक (पंजीयन विभाग इंदौर) और संजय सिंह उप पंजीयक है।

आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज

ईओडब्लयू डीएसपी पवन सिंघल ने जानकारी दी कि आरोपियों की इस साजिश के कारण सरकार को कुल 13 करोड़ 32 लाख 95 हजार 106 रुपए का राजस्व नुकसान हुआ। इस गंभीर अपराध के चलते, आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ ने सभी आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धाराएं 318(4), 61(2), 338, 336(3) और 340, साथ ही भ्रष्टाचार निवारण संशोधन अधिनियम 2018 की धारा 7(सी) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

इंदौर से 1 अगस्त से उदयपुर, नासिक और जोधपुर के लिए सीधी फ्लाइट नहीं मिलेगी

इंडिगो ने पहले से बुकिंग करवा चुके यात्रियों की टिकटें भी रद्द कर दी

भोपाल। एक अगस्त से अगस्त इंदौर से उड़कर नासिक, उदयपुर या जोधपुर जाने वाले यात्रियों को सीधी उड़ान नहीं मिलेगी, क्योंकि इंडिगों इन उड़ानों को बंद करने जा रही हैं। कंपनी ने इन रूट्स की बुकिंग भी बंद कर दी। इससे पहले इंडिगों ने कोलकाता और जम्मू की उड़ानें भी बंद की थी। यहां जाने वाले यात्रियों को अब इन शहरों तक पहुंचने के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट्स का विकल्प तलाशना होगा। हालांकि, इन फ्लाइट्स को बंद करने का कोई स्पष्ट कारण कंपनी की ओर से नहीं बताया गया। बंद की जाने वाली तीन फ्लाइट्स में से पहली हैं जोधपुर फ्लाइट (6श्च-7358/7359) जो सुबह 10-40 बजे इंदौर से रवाना होकर 12-20 बजे जोधपुर पहुंचती थी। वापसी में यह दोपहर 12-45 बजे जोधपुर से उड़कर 1-15 बजे इंदौर आती थी। दूसरी फ्लाइट है इंदौर से उदयपुर (6श्च-7348/7424) जो दोपहर 2-40 बजे इंदौर से रवाना होकर 3-40 बजे उदयपुर पहुंचती थी। वहां से शाम 4-20 बजे रवाना होकर 5-25 बजे इंदौर आती थी। तीसरी फ्लाइट नासिक (6श्च-7109/7155) जाने वाली थी, जो दोपहर 2-45 बजे इंदौर से रवाना होकर 3-55 बजे नासिक पहुंचती थी। नासिक से शाम 4-15 बजे उड़ान भरकर 5-25 बजे इंदौर लौटती थी। यह सभी उड़ानें 1 अगस्त से बंद की जा रही हैं। ट्रैवल एजेंटों का कहना है कि शिर्डी और नासिक जैसे धार्मिक स्थलों और जोधपुर जैसे पर्यटन स्थलों के लिए सीधी उड़ानें यात्रियों के लिए बेहद सुविधाजनक थीं। इन फ्लाइट्स के बंद होने से यात्रियों को परेशानी होगी। इंडिगों ने इन रूट्स पर पहले से बुकिंग करवा चुके यात्रियों की टिकटें भी रद्द कर दी। उन्हें रिफंड के साथ कनेक्टिंग फ्लाइट्स का विकल्प भी दिया गया है। जानकारी के अनुसार, ऑफ-सीजन में यात्रियों की घटती संख्या को देखते हुए कंपनी ने यह फैसला किया है।

2 उड़ानें इंडिगों पहले ही बंद कर चुकी

एक अगस्त से तीन शहरों की उड़ानें बंद करने से पहले ही इंडिगो ने 1 जुलाई से जयपुर और अहमदाबाद की भी 1-1 उड़ानें बंद की हैं। जून तक इंदौर से अहमदाबाद के लिए तीन और जयपुर के लिए दो उड़ानें रोज उपलब्ध थीं। इनमें से अहमदाबाद की सुबह और जयपुर की रात की फ्लाइट को बंद कर दिया गया। बताया गया कि ये उड़ानें एयरक्राफ्ट की कमी के चलते बंद की गई हैं।

कई शहरों से पहले भी इंदौर का हवाई संपर्क टूटा

इससे पहले इंदौर से प्रयागराज, वाराणसी, जम्मू, ग्वालियर, भोपाल, सूरत, राजकोट, बिलासपुर, अमृतसर, किशनगढ़, बेलगावी और गोंदिया जैसे शहरों के लिए उड़ानें बंद हो चुकी हैं। हाल ही में जयपुर, अहमदाबाद और कोलकाता के लिए चलने वाली अतिरिक्त फ्लाइट्स को भी बंद कर दिया गया। इसका सीधा असर इंदौर एयरपोर्ट से यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या पर पड़ेगा और फ्लाइट की संख्या भी कम होगी।

आष्टा में निकले ताजिए अखाड़ों ने दिखाएं करतब हजारों की संख्या में शामिल हुए लोग

आष्टा। मुस्लिम समाज द्वारा सोमवार को इमाम हुसैन की शहादत की याद में विशाल जुलूस निकाला गया नगर पालिका ने गंज चौराहे पर मंच बनाकर कमेटियों के सदस्यों का साफा बांधकर स्वागत किया

जुलूस शहर के पुराना बस स्टैंड, सब्जी मंडी ,सिकंदर बाजार ,बड़ा बाजार ,गंज चौराहा ,बुधवारा, परदेसी पुरा ,पुराना भोपाल इंदौर मार्ग से निकला नगर पालिका के मंच से नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि राय सिंह मेवाडा, पार्षद रवि शर्मा, डॉक्टर सलीम, ओम नामदेव आदि ने मोहर्रम कमेटी के सदस्यों का साफा बांधकर स्वागत किया।

रविवार को अलीपुर में निकाला था मोहर्रम का जुलूस और आज शहर में

बता दे की हर वर्ष मोहर्रम पर अलीपुर में भी मोहर्रम का जुलूस निकलता है रविवार को बरसते पानी में मोहर्रम का जुलूस अलीपुर में निकला था और सोमवार को आष्टा में शहर के प्रमुख मार्गो से मोहर्रम का जुलूस निकाला इस दौरान अखाड़े के कलाकारों ने करतब दिखाये इस दौरान पुलिस व प्रशासन की चाक चौबंद व्यवस्था रही।

ज्योतिरादित्य को खानसामा मत समझिये, वे महाराज ही हैं

राकेश अचल

1केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की इस तस्वीर को देखकर आजकल कहा जा रहा है कि भाजपा ने पांच साल में ही महाराज (राजा) को महाराज (खानसामा)बना दिया। लेकिन मैं इस धारणा से इत्तफाक नहीं रखता। मेरी मान्यता है कि भाजपा में आकर भी ज्योतिरादित्य के भीतर का सामंत जैसा पहले था, ठीक वैसा ही आज भी है बल्कि आज पहले के मुकाबले ज्यादा सुकून में है। सिंधिया परिवार में सौजन्यता, विनम्रता और सामंतवाद का दुर्लभ लक्षण है। मै पिछले पांच दशक से इसे बहुत नजदीक से देख रहा हूँ। ज्योतिरादित्य की दादी राजमाता स्वर्गीय विजयाराजे सिंधिया को ममत्व और त्याग की मूर्ति कहा जाता था। वे थी भी बहुत साधारण। राजपथ छोडकर लोकपथ पर आने वाली वे सिंधिया घराने की पहली महिला थीं। वे साहसी थीं, भावुक थीं और जिद्दी भी। उनकी तुनकमिजाजी खास मौकों पर ही प्रकट होती थी। राजमाता को भी मैंने अपने हाथों से अपने अतिथियों को भोजन परोसते देखा है। 1980 के आसपास जब मै नया-नया पत्रकार था तब मैने भी उनके हाथों परोसा भोजन किया है। मुझे तो वे बुंदेली होने के नाते अतिरिक्त तवज्जो देतीं थीं लेकिन उन्हें भाजपा या जनसंघ या राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने विनम्र नहीं बनाया था। ये विनम्रता जीवन के तमाम उतार-चढाव की वजह से उनके जीवन में आयी थी। यदि मैं इन उतार -चढावों के बारे में लिखूंगा तो मामला बेहद निजी हो जाएगा। लेकिन संकेतों से समझिये कि उन्हे राजनीति और निजी जीवन में जो खट्टे - मीठे अनुभव मिले, उनसे वे विनम्र हुईं।

राजमाता के पुत्र स्वर्गीय माधवराव सिंधिया तो अपनी माँ और बेटे के मुकाबले हजार गुना अधिक विनम्र और दो हजार गुना ज्यादा सामंत थे। लेकिन उन्हे जनसंघ या कांग्रेस ने विनम्र नहीं बनाया था। वे भी अपनी मां की तरह जीवन की कड़वी सच्चाई से दो-चार होते हुए विनम्र बने थे। वे भी अपने मेजवानों को अपने हाथ से खाना परोसने में ही हीं बल्कि निजी आयोजनों में और कुछ भी परोसने में संकोच नहीं करते थे। उनके साथ एक पत्रकार के नाते मेरा लंबा रिश्ता रहा। मैं उनका धुर विरोध रता था किंतु वे मेरे प्रति विनम्र ही रहे। रही बात ज्योतिरादित्य की तो उन्हे मैने उनकी किशोरावस्था से देखा है। उनका पहला साक्षात्कार उनके पिता के कहने पर आजतक के लिए मैने ही किया था। माधवराव सिंधिया के आकस्मिक निधन के बाद राजनीति में आए ज्योतिरादित्य के साथ पहली बार शिवपुरी में प्रेस से मैने ही उन्हे रूबरू कराया था। लेकिन 2000 के ज्योतिरादित्य और आज के ज्योतिरादित्य में कोई तब्दीली आई हो ऐसा मुझे नहीं लगता। उनकी विनम्रता, उनकी सादगी, उनका सौजन्य परिस्थितिजन्य है। ज्योतिरादित्य को भी ढाई दशक की राजनीति ने बहुत कुछ अभिनय करना सिखा दिया है। उन्होने राजनीति में सम्मान, तिरिष्कार, पराजय, अपमान सब देखा है। भाजपा में जब वे शामिल हुए थे तब घबडाए हुए थे लेकिन वे आज भाजपा में अपने आपको पूरी तरह सुरक्षित महसूस करते हैं। भाजपा में ज्योतिरादित्य का आत्मविश्वास तब से और बढा है जबसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सार्वजनिक रूप से अपना दामाद कहा है।

ज्योतिरादित्य को अपने परिवार के साथ जिन लोगों ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के सामने हाथ बांधे खडे देखा था वे भी भ्रम में हैं और वे भी भ्रम में हैं जो समरसता सम्मेलन में ज्योतिरादित्य को मुख्यमंत्री के साथ खाना परोसते देख ये समझ बैठे हैं कि महाराजाधिराज खाना परोसने वाले महाराज बन गये हैं। ज्योतिरादित्य बिल्कुल नहीं बदले। उनमें अपनी दादी की तरह बगावत करने का भी जज्बा है और अपने पिता स्वर्गीय माधवराव सिंधिया की तरह शतुरमुर्गी मुद्रा अपनाने का साहस भी। ज्योतिरादित्य अब बहुत परिपक्क हो चुके हैं। उनका एक मात्र लक्ष्य कहिये या सपना या महात्वाकांक्षा वो है अपनी आंखों के सामने अपने बेटे को संसद में भेजना। भाजपा में सिंधिया का रास्ता निष्कंटक है। उनके परम विरोधी जयभान सिंह पवैया उनके बगलगीर हैं। प्रभात झा रहे नहीं। नरेंद्र सिंह तोमर ठंडी आग बन चुके हैं। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से ज्योतिरादित्य ने पेंगे बढा ही ली है। पिछले पांच साल में ज्योतिरादित्य ने न केवल भाजपा संगठन में बल्कि आर एस एस में भी जगह बना ली है।। आपको याद होगा कि संघ तो अपने जन्म से ही सिंधिया परिवार का ऋणी है। ज्योतिरादित्य की दादी ने संघ, जनसंघ और भाजपा को तमाम संपत्ति न्यौछावर में दे दी थी।इसलिए फोटो देखकर भ्रम पालना छोड दीजिये मित्रों।

अडानी खरीदने जा रही दिवालिया कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) के शेयर आज सोमवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर आज 5 प्रतिशत तक चढ़ गए। इसमें अपर सर्किट लग गया और यह शेयर 3.22 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गया। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक ऐलान है। दरअसल, जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड ने कहा कि उसे दिवाला प्रक्रिया के जरिए कंपनी के अधिग्रहण के लिए बयाना राशि के साथ पांच बोलियां मिली हैं।

कंपनी ने क्या कहा- जेएएल ने कहा, जेएएल की कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया में जारी समाधान योजना के अनुरोध के जवाब में, समाधान पेशेवर को प्रस्तुत करने की तिथि तक बयाना राशि के साथ पांच समाधान योजनाएं मिली हैं। हालांकि, जेएएल ने उन कंपनियों के नाम नहीं बताए जिन्होंने समाधान योजना पेश की है। सूत्रों के अनुसार, ये पांच कंपनियां- अडानी समूह की कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज, माइनिंग दिग्गज अनिल अग्रवाल की वेदांता, डालमिया भारत सीमेंट, जिंदल पावर और पीएनसी इन्फ्राटेक हैं। सूत्रों ने बताया कि जेपी इन्फ्राटेक की समाधान योजना को कुछ मानदंडों को पूरा न करने के कारण खारिज कर दिया गया है। जेपी इन्फ्राटेक का पहले सुरक्षा समूह ने अधिग्रहण किया था।

क्या है मामला- रियल एस्टेट, सीमेंट विनिर्माण, होटल और इंजीनियरिंग और निर्माण में फैले जेएएल के व्यापारिक हित हैं, जिन्हें तीन जून, 2024 के राष्टीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की इलाहाबाद पीठ के आदेश के माध्यम से कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) में स्वीकृत किया गया था। समूह द्वारा ऋष्ण भुगतान में चूक के बाद जेएएल को दिवाला कार्यवाही में ले जाया गया।

बारिश के हर खतरे से निपटने को तैयार है नगर निगम: शिवम वर्मा

इंदौर। मानसून के चलते शहर में बारिश के साथ ही इंदौर नगर निगम ने पूरी ताक़त लगा कर तैयारियां कर ली है। जिसके चलते नगर निगम का अमला मैदान में उतर चुका है। नेहरू पार्क स्थित स्मार्ट सिटी कंट्रोल रूम में हुई विशेष समीक्षा बैठक में नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा ने कहा कि तेज बारिश से पहले सबकों तैयार रहना है। कही भी बारिश के दौरान जलजमाव या अन्य परेशानियां होन पर नगर निगम के अधिकारी अलर्ट रहे। इस बारिश के दौरान सतर्कता, और आपदा में कर्मचारियों की सुरक्षा हमारी पहली प्राथमिकता है।

एक्शन टीमों का किया गठन

निगमायुक्त द्वारा ली गई समीक्षा बैठक में अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया, अभिलाष मिश्रा, अभय राजगांवकर सहित तमाम वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। बैठक में तय किया गया कि शहर के 100 से अधिक जलभराव क्षेत्रों में जल निकासी के लिए पर्याप्त इंतजाम किए जाएंगे। इसके साथ ही ट्रैफिक कंट्रोल और आपदा प्रबंधन के लिए अलग-अलग विभागों को जोड़कर ज़ोनवार एक्शन टीमों का गठन कर दिया गया है।

टीमों को किया सामान से लैस

भारी बारिश के दौरान टॉर्च, रस्सी, रेनकोट, रिफ्लेक्टर जैकेट्स, सहित फावड़ा, सब्बल, जेसीबी मशीनें, डी-वॉटरिंग पंप, सहित तकनीकी टीमें तैयार रहेगी। इसके साथ मेकेनिक, उपयंत्री और वर्कशॉप सपोर्ट के लिए भी टीम रहेगी।

हर खतरे पर रखेंगे नजर

आयुक्त शिवम वर्मा ने स्पष्ट कहा है कि ÷बारिश के दौरान शहर के प्रमुख चौराहों व लेफ्ट टर्न्स पर अवरोधों को हटाकर ट्रैफिक को सतत चलाते रहने का प्रयास करना होगा। जिससे बारिशमें कही भी ट्रैफिक जाम की स्थिति ना बने। इसके साथ ही ट्रैफिक फ्लो में रखना हमारी ज़िम्मेदारी है। ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों को न सिर्फ रेनकोट और सुरक्षा जैकेट्स दिए जा रहे हैं, बल्कि हर ज़ोन को पर्याप्त संसाधनों से लैस कर दिया गया है ताकि किसी भी स्थिति में तुरंत जवाब दिया जा सके।

आपदा में भी तैयार है इंदौर

शिवम वर्मा ने अधिकारी कर्मचारी सहित टीमों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि आपदा के समय रेस्क्यू में किसी भी प्रकार की चूक न हो। इसका विशेष ध्यान रखे। इसके साथ ही निगम और जिला प्रशासन की टीमें समन्वय के साथ काम करें। हर ज़ोन में तय शेल्टर लोकेशंस की सूची तैयार रहे, ताकि ज़रूरत पड़ने पर निचली बस्तियों के रहवासियों को तुरंत सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा सके। इस बारिश, इंदौर नगर निगम का मिशन साफ़ है कि चाहे कितनी भी बारिश हो तैयार है इंदौर।

हिम चौरसिया बने सी.ए.

छिंदवाड़ा। चार्टर्ड एकाऊन्ट की परीक्षा में श्याम टाकीज के रामकिशोर (रामू)एवं सुमन चौरसिया के पुत्र हिम चौरसिया ने पास की उन्होने नागपुर की बगडिया एण्ड कम्पनी नागपुर में आर्टिकल शीप की है, हिम ने सी.ए. बनने का श्रेय माता-पिता को दिया।

गुरूपूर्णिमा पर होगा शिवलिंग का निर्माण

छिंदवाड़ा। शिवसेना द्वारा गुरूपूर्णिमा पर्व पर पार्थेश्वर शिवलिंग का निर्माण किया जायेगा। तत्पश्चात शिवलिंग की पूजन पाद्यठ के साथ सद्गुरूदेव श्री 108 गोवर्धन जी पटेल की चरण पूजन करते हुये गुरूपूर्णिमा उत्सव मनाया जायेगा। पार्थेश्वर शिवलिंग का विसर्जन मॉ नर्मदा के तट पर होगा। धर्म प्रेमी जनता जनार्दन से शिवसेना नेता नितिन राय ने गुरूपूर्णिमा पर्व में शामिल होकर पुण्य लाभ लेने की अपील की है।

एकादशी पर नगर भ्रमण पर निकले बाबा श्याम

श्रद्धालुओं ने किए दिव्य दर्शन

छिंदवाड़ा। श्याम प्रेमी मित्र मंडल समिति के अथक प्रयासों स छिंदवाड़ा की पावन भूमि पर आध्यात्मिक उल्लास और भक्ति का अनुपम संगम देखने को मिला। बाबा खाटू श्याम जी की दिव्य ब्लैक इटालियन मार्बल से निर्मित प्रतिमा को खाटू नगरी के गर्भगृह से विधिपूर्वक पूजन-पाठ के उपरांत नगर भ्रमण के लिए लाया गया। मुख्य गुप संचालक मयूर विश्वकर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि यह आयोजन एकादशी तिथि के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं को बाबा श्याम के दर्शन व आशीर्वाद हेतु आयोजित किया गया। इस विशेष दिन पर समिति के मुख्य पुजारी पंडित हिमांशु भार्गव के सान्निध्य में दिव्य अभिषेक, चलित पूजन तथा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन विधिपूर्वक सम्पन्न हुआ। प्रतिमा को पंचदेव दर्शन के उपरांत नगर भ्रमण पर निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया। नगरवासियों ने श्रद्धा और भक्ति के साथ श्याम प्रभु के दर्शन किए और उनका कृपा आशीर्वाद प्राप्त किया। समिति की ओर से समस्त श्रद्धालुओं के प्रति आभार प्रकट किया गया।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्म जयंती वृक्षारोपण कर मनाई

अमरवाड़ा। भारतीय जनता पार्टी, नगर मंडल अमरवाड़ा द्वारा भारतीय जनसंघ के संस्थापक एवं भाजपा

के पितृ पुरुष डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी जी की जन्मजयंती उनके छायाचित्र का पूजन एवं माल्यार्पण कर मनाई सभी कार्यकर्ताओं द्वारा श्रीराम मंदिर प्रांगण में वृक्षारोपण किया गया इस अवसर पर नगर मंडल अध्यक्ष सचिन गोल्डी नगर एवं मोर्चा पदाधिकारी मौजूद भी रहे नेमा, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष देवेन्द्र जैन, विधायक प्रतिनिधि दीपक नेमा वरिष्ठ नेता बालकिशन साहू, गणेश साहू, मंडल महामंत्री आशु चचड़ा, मोनू चौरसिया, राजेन्द्र राजू सराठे, अमित नेमा, सचिन जैन, पीयूष चौरसिया, बंटी साहू, अनमोल साहू, चिराग साहू, अंशु मर्शी, उपस्थित रहे।

शासकीय आई.टी.आई. छिन्दवाड़ा में एफटीसी के लिये कैंपस ड्राइव

छिन्दवाड़ा। शासकीय आई.टी.आई. छिन्दवाड़ा में आज मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड हरियाणा द्वारा आई.टी.आई. उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थियों के लिए एफटीसी के लिये कैंपस ड्राइव का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 74 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया । कम्पनी प्रतिनिधि द्वारा उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों की लिखित परीक्षा के बाद 52 प्रशिक्षणार्थियों का प्राथमिक चयन किया गया, जिनका साक्षात्कार 8 जुलाई को शासकीय आई.टी.आई.जबलपुर में होगा। अंतिम रूप से चयनित प्रशिक्षणार्थियों का वेतन 28000 रूपये प्रति माह होगा । इस अवसर पर प्राथमिक रूप से चयनित प्रशिक्षणार्थियों को संस्था प्राचार्य श्री सी.बी.उईके एवं प्लेसमेंट अधिकारी श्री शिव कुमार सनोडिया द्वारा शुभकामनाएं प्रेषित की गई।

कमलनाथ व नकुलनाथ के विकास कार्यों के सार्थक परिणाम

छिन्दवाड़ा। मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं पूर्व सांसद नकुलनाथ के विकास कार्यों के सार्थक परिणाम है कि तेज बारिश के दौरान भी जिला मुख्यालय का सम्पर्क ब्लॉक मुख्यालयों से सतत बना हुआ है। कभी भी बाढ़ अथवा पानी भराव जैसी अप्रिय घटना नहीं होती। नाथद्वय द्वारा कराए गए विकास कार्यों के लिए कांग्रेस नेता शरद नामदेव ने हृदय से आभार माना है। शरद नामदेव ने कहा कि माननीय कमलनाथ एवं नकुलनाथ के द्वारा छिन्दवाड़ा में गुणवत्तायुक्त सड़कें व पुलों का निर्माण कराया गया है। परिणामस्वरूप तेज बारिश के दौरान भी आवागमन बाधित नहीं होता। एक समय वो भी था जब सिंगोड़ी की पेंच नदी, सौंसर का गहरानाला व चांद के समीप थोड़ी बारिश में भी इन पुलों से गुजरना संभव नहीं होता था।

महिला के साथ हुआ विवाद

अमरवाड़ा। थाना अंतर्गत ग्राम सुखारी कला की रहने वाली मोहनिया नामक महिला का कई दिनों से संतराम के साथ विवाद चल रहा था सोमवार को मोहनिया को देखकर संतराम ने गाली गुप्ता किया मोहनिया ने गाली देने से मना किया तो उसके साथ संतराम ने मारपीट एवं धमकी महिला की रिपोर्ट पर पुलिस द्वारा आरोपी के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

बुधवारी बाजार में चोरी, ताला तोड़कर नकदी, सामान ले गए चोर

घटना के वक्त हो रही थी तेज बारिश, 35 हजार नकद, म्यूजिक सिस्टम ले गए, सीसीटीवी कैमरे में कैद

छिंदवाड़ा। शहर के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले बुधवारी बाजार को भी चोरों ने निशाना बनाना शुरू कर दिया बुधवारी बाजार में बीती रात चोरी की बड़ी वारदात हो गई। रविवार- सोमवार की दरम्यानी रात करीब 2 बजे मेसर्स सुहाग स्टोर का ताला तोड़कर चोर ने करीब 35 हजार नगद और म्यूजिक सिस्टम और अन्य सामान चोरी कर लिया। घटना के वक्त शहर में तेज बारिश हो रही थी चोर ने बारिश का फायदा उठाते हुए लोहे की रॉड से दुकान का ताला तोड़ा दुकान में घुसने के बाद टॉर्च से निरीक्षण किया और फिर लाइट ऑन कर आराम से आधे घंटे तक चोरी करता रहा। दुकान संचालक टिंकू कश्यप

ने बताया कि सुबह ताला टूटा मिला अंदर जाकर देखा तो काउंटर की नगदी, साउंड सिस्टम और चिल्लर गायब थी। बताया जाता है कि बुधवारी क्षेत्र में कई सालों के बाद चोरी हुई है यह क्षेत्र बेहद सुरक्षित माना जाता है। पिछले कई वर्षो से चोरी नहीं हुई इस बार चोर ने सुनियोजित तरीके से वारदात को अंजाम दिया।

चोर की पहचान हुई

कोतवारी के निरीक्षक आशीष कुमार ने बताया कि दुकान के सीसीटीव्ही कैमरे में चोर की गतिविधियां साफ नजर आ रही है। आरोपी की पहचान कर ली गई है। उसे जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। साथ ही व्यापारियों से अपील की गई है कि वे अपने प्रतिष्ठानों में सीसीटीव्ही कैमरे जरूर लगाएं।

प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल को भाजपा नेता संदीप रघुवंशी ने दी बधाई

छिंदवाड़ा। नव निर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष हेमन्त खण्डेलवाल बैतूल पहुंचने पर छिंदवाड़ा-भोपाल के सक्रिय नेता संदीप रघुवंशी ने उन्हें अपने साथियों सहित बधाई दी।

गोंडवाना स्टूडेंट्स यूनियन इंडिया ने कलेक्टर और कुलपति के नाम सौंपा ज्ञापन

छिंदवाड़ा। गोंडवाना स्टूडेंट्स यूनियन इंडिया छिंदवाड़ा द्वारा दिनांक 7 जुलाई दिन सोमवार को कलेक्टर के नाम सौंपकर आर.टी.ई. प्रवेश में सभी निजी स्कूल संचालकों द्वारा अवैध वसूली की शिकायत के संबंध अवगत कराते हुये बताया कि वर्तमान शैक्षणिक सत्र में मध्यप्रदेश शासन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी गरीब एवं निम्न तबके के परिवार के निराश्रित परिवार के लोगों के लिये मध्यप्रदेश शासन द्वारा आर. टी.ई. निः शुल्क शिक्षा का अधिकार के तहत् ऑन लाईन आवेदन प्रक्रिया के माध्यम से प्रस्तुत सभी अभिभावकों से आवेदन आमंत्रित कराये गये थे, जिसमें निजी स्कूल संचालकों द्वारा अउावेदन प्रस्तुत के बाद बच्चों को जिन निजी स्कूलों में सीटें आवंटित थी उसे लेकर अवैध रूप से पैसों की वूसली की जा रही है और जो अभिभावक पैसे देने में असमर्थ हैं उन्हे स्कूल में प्रवेश नहीं दिया जा रहा है। साथ ही राजा शंकर शाह विश्वविद्यालय के कुलपति को ज्ञापन सौंपकर जिले में संचालित समस्त कॉलेजों में विद्यार्थियों को समय पर स्टेशनरी उपलब्ध कराने, विश्वविद्यालय प्रांगण में महान राजा और वीर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शंकर शाह की विशाल प्रतिमा स्थापित करने, राजाज शंकर शाह विश्वविद्यालय के नाम से राजा शब्द हटाकर महाराज शब्द जोड़े जाने, महाविद्यालयों में छात्र संघ के चुनाव कराये जाने, खेलकूद की सामग्री उपलब्ध कराने, महाविद्यालयों में छात्र-छात्राओं की सुरक्षा हेतु सी.सी.टी.वी. कैमरे लगवाने, स्कॉलरशिप समय पर प्रदान करने सहित छात्रों की अन्य मांगो को लेकर ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर गोडवाना स्टूडेंट यूनियन इंडिया के पूर्व जिलाध्यक्ष मिथुन धुर्वे, अतुल राजा उइके, धन्नू धुर्वे, गगन भलावी, निखिलेश शाह उइके (जिला अध्यक्ष), दीपक सरेयाम, अमन मर्सकोले, कन्हैया यादव, देवा मालवी, राजा प्रहलाद, कमल, नीलेश उइके, अभिषेक, प्रियांश, कार्तिक सहित अन्य कार्यकर्ता एवं महाविद्यालय के छात्र उपस्थित थे।

ग्रामीण बच्चो में भी छिपी होती है प्रतिभाएं जरूरत है उन्हे तराशने की: रोटे.मुकेश साहू

रोटरी क्लब छिंदवाड़ा ने प्रदान किए स्कूल को 15 डेक्स बेंच

छिंदवाड़ा। रोटरी क्लब ऑफ छिंदवाड़ा द्वारा सेवा भावी कार्य निरंतर किए जाते है ।बच्चो को अच्छी शिक्षा में मूलभूत सुविधाएं प्रदान करने की दृष्टि से स्कूल की जरूरत के मुताबिक उन्हें शिक्षण सामग्री प्रदान कर रोटरी क्लब सेवा भावी कार्य करते रहता है।इसी श्रखला में शनिवार को रोटरी क्लब ऑफ छिंदवाड़ा एवम रोटरी क्लब छिंदवाड़ा ट्रस्ट द्वारा वनगांव के शासकीय प्राथमिक शाला में 15 डेक्स्ट बेंच छिंदवाड़ा पधारे रोटरी क्लब 3040 के डीजीएन रोटे मुकेश साहू,एवम एकेएस रोटे.प्रीति साहू के विशेष उपस्थिति में रोटरी क्लब छिंदवाड़ा के अध्यक्ष रोटे.विनोद तिवारी,सचिव निलेश गुप्ता, कोषाध्यक्ष रूपल अग्रवाल,रोटरी क्लब ट्रस्ट के अध्यक्ष रोटे संदीप सिंह चंदेल,रोटे पंकज अग्रवाल,रोटे दीपक खंडेलवाल सहित अन्य रोटरी मेंबर्स की उपस्थित में 15 जोड़ी डेक्स बेंच स्कूल को प्रदान किए।इस अवसर पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य राजेश कुमार सनोडीया , उप प्राचार्य प्रहलाद मालवी सहित पूरा स्टाप उपस्थित था। रोटरी क्लब 3040के डीजीएन मुकेश साहू ने बच्चो से चर्चा करते हुए कहा की आप अच्छे से पढ़ाई करिए आपकी शिक्षा को लेकर जो भी जरूरत होगी उसे रोटरी क्लब पूरा करेगा।हमारे ये ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले बच्चे सर्वसुबिधा युक्त शिक्षा प्राप्त करने के पूरे हकदार है हम सभी लोग इस कार्य में सक्रियता से अपना योगदान देगे।हमे पता चला था की शास प्राथमिक शाला के बच्चे नीचे बैठकर अध्यापन कार्य करते है हमने तुरंत आप लोगो के लिए रोटरी क्लब के माध्यम से ये डैक्स बेंच उपलब्ध करवा दिए है ये हमारा सौभाग्य है आप जैसे बच्चो के लिए शैक्षणिक मदद करना हमारे लिए ईश्वरीय कार्य है। उन्होंने कहा की ग्रामीण बच्चो में भी छुपी होती है प्रतिभाएं जरूरत है उन्हे तराशने की ।इस अवसर पर रोटरी क्लब अध्यक्ष विनोद तिवारी ने कहा की रोटरी क्लब शासकीय स्कूलों में अच्छी शिक्षा के साथ साथ शुद्ध पीने का पानी हेतु फिल्टर मशीन,गरीब निसहाय बच्चो को पुस्तक कापी, ड्रेस प्रदान कर अच्छी शिक्षा के लिए संकल्पित है। प्राचार्य श्री सनोडीया ने रोटरी क्लब के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए इस नेक कार्य के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

अवैध मुरूम निकालने पर मुंगेर कंस्ट्रक्शन कम्पनी पर 15 लाख का जुर्माना

अवैध उत्खनन में संलिप्त पोकलेन मशीन और डम्पर भी जब्त

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह द्वारा कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत एक प्रकरण में अनावेदक मेसर्स मुंगेर कंस्ट्रक्शन कंपनी के द्वारा म.प्र.खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के अनुसार मुरूम का अवैध उत्खनन पाए जाने और उल्लंघन प्रमाणित होने पर प्रावधान अनुसार अर्थशास्ति और पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति की कुल शास्ति राशि की दुगुना राशि 1536000 रुपए अधिरोपित की गई है। साथ ही अवैध उत्खनन में संलिप्त एक पोकलेन मशीन पीले रंग की जिसका मॉडल 313D2 CAT कंपनी आई. डी. नंबर CAT0313DAFAP00332 एवं 01 डम्पर क्रमांक MP28॥1957 को राजसात किया गया है। कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि खनिज अधिकारी छिन्दवाड़ा से मुरूम का अवैध उत्खनन के संबंध में सहायक खनि अधिकारी के प्रतिवेदन 28 मार्च 2025 के अनुसार 09 मार्च 2025 को जिले की तहसील चौरई के ग्राम बांकानागनपुर से बट्टाढाना मार्ग में भूमि खसरा नंबर 642/1 रकबा 4.792 हेक्टेयर में अवैध रूप से खनिज मुरूम उत्खनन करते हुये 01 पोकलेन मशीन पीले रंग की जिसका मॉडल 313D2CAT कंपनी आई.डी. नंबर CAT0313DAFAP 00332 एवं 01 डम्पर क्रमांक MP28॥1957 को जप्त कर थाना चौरई की शासकीय अभिरक्षा में खड़ा किया गया। इन वाहनों के चालकों द्वारा अपने कथन में बताया गया कि उक्त रोड निर्माण कार्य मेसर्स मुंगेर कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा करवाया जा रहा हैं। मौके पर पहुँची माईनिंग टीम तथा पोकलेन मशीन के वाहन चालक अजय सिंह पिता विठ्ठल सिंह निवासी सिहोरा तहसील चौरई जिला छिन्दवाड़ा के समक्ष पटवारी द्वारा खसरा नंबर 642/1 रकबा 4.792 हेक्टेयर क्षेत्र की मीटर टेप से माप की गई जिसके अनुसार उत्खनित क्षेत्र की मौके पर पटवारी द्वारा मौका स्थल का पंचनामा तैयार किया गया। वाहन चालकों द्वारा कथन में बताया गया कि उक्त रोड निर्माण कार्य मेसर्स मुंगेर कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा करवाया जा रहा हैं।

जिले में गैर पंजीकृत चिकित्सक चला रहे अपनी दुकान

जिम्मेदारों के संरक्षण में लोगों की जिंदगी से कर रहे खिलवाड़

मंडला। जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था को सुधारने पर जहां शासन से लेकर मौजूदा सरकार तक ऐंड़ी-चोटी का जोर लगा दिया है,परन्तु स्वास्थ्य विभाग के आला-अधिकारियों एवं जिम्मेदारों ने उनके प्रयासों और योजनाओं को खुलेआम चुनौती देते हुए अपनी भ्रष्टाचारी एवं लापरवाहियों के चलते उसे सफल नहीं होने दे रहे हैं।

जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था पूर्व में भी लापरवाही को सुर्खियों में रही है वहीं जून 2025 में अपनी पदभार संभालने वाली जिले की मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ धारित्री जे.मोहंती से स्वास्थ्य व्यवस्था को सही एवं सुचारू ढंग से पटरी पर लाने की उम्मीद रखी गई थी,परन्तु जिले में स्वास्थ्य विभाग की लोगों की सोच से परे लापरवाही सामने आया है।

गैर पंजीकृत चिकित्सकों द्वारा लोगों का किया जा रहा इलाजः जिले में चल रहे बंगाली और बाहरी चिकित्सकों को झोलाछाप डॉक्टर का नाम देकर एक तरफ स्वास्थ्य विभाग द्वारा कार्यवाही का हवाला दिया जाता रहा है, परन्तु जिले में चल रहे गैर पंजीकृत चिकित्सकों की क्लीनिक-अस्पताल जिसमें अपनी डिग्री-डिप्लोमा के साथ बड़े-बड़े बोर्ड लगाकर लोगों की जिंदगी के साथ बच्चों,महिलाओं के साथ आमजन की मामूली इलाज से लेकर बड़े से बड़ा आपरेशन किया जा रहा है,जिसका खामियाजा आये दिन जिले की भोली-भाली जनता को भोगना पड़ता है।

विभाग ने दी जानकारी जिले के समस्त चिकित्सक नहीं है पंजीकृत

जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवाएं जबलपुर द्वारा दी गई जानकारी अनुसार जिले में चल एमबीबीएस,बीएचएमएस,बीडीएस, होम्योपैथी तथा अन्य और भी डिग्री-डिप्लोमा का बोर्ड लगाकर गैर पंजीकृत चिकित्सकों द्वारा चला रहे अपनी क्लीनिक-हास्पीटल का पंजीकरण

तथा रिन्यूअल नहीं कराने के बावजूद खुलेआम आमजन और मासूमों की जिंदगी से खिलवाड़ किया जा रहा हैं।बावजूद इसके विभाग के आला-अधिकारियों एवं जिम्मेदारों द्वारा चुप्पी साधे आये दिन एक हादसे का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है।

मामले को लेकर नवपदस्थ मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ धारित्री तथा क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवाएं जबलपुर डॉ संजय मिश्रा का कहना है कि नियमानुसार चिकित्सकों को अपनी क्लीनिक एवं चिकित्सा कार्य हेतु संबंधित सीएमएचओ कार्यालय में पंजीयन/रिन्यूअल कराना अनिवार्य है,वहीं मण्डला सीएमएचओ द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार उनका कहना है कि हमारे यहां पंजीकृत चिकित्सकों की पोर्टल में जिले के समस्त चिकित्सकों की सूची उपलब्ध नहीं है,बावजूद इसके यदि उनके द्वारा कोई चिकित्सा कार्य किया जा रहा है तो संबंधित के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही किया जावेगा।

इनका कहना हैं

चिकित्सकों को अपनी क्लीनिक अथवा चिकित्सा कार्य संचालन हेतु संबंधित सीएमएचओ कार्यालय में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

डॉ.संजय मिश्रा
क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवाएं जबलपुर।

हमारे कार्यालय के पोर्टल में जिले के समस्त चिकित्सकों का नाम नहीं है,मामले की जांच के बाद संबंधित के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की जावेगी।

डॉ.धारित्री जे.मोहंती

पुराने हॉकी संगठन को भंग कर विधायक कि मौजूदगी में बना जिला हॉकी संघ

पूर्व सचिव गुरयानी पर विधायक के गंभीर आरोप

इटारसी- हॉकी संघ के दो फाड़ होने से खिलाड़ीयों के सामने असंमजस की स्थिती बनी हुई है, दोनों ही संगठन अपने आप को अधीकृत बताने में लगे हुए है।पुराने हॉकी नर्मदापुरम संघ के सचिव गुरयानी पर विधायक डाक्टर शर्मा ने गंभीर आरोप लगाते हुए भ्रष्टाचार कि लिखित शिकायत सिटी थाने में की है।न्यास कालोनी के एक सभागार में प्रेस वार्ता आयोजन कर विधायक ने कहा फीडर सेंटर के नाम पर खूब घोटाले किए गए, इटारसी गांधी ग्राउंड में विवेक सागर नही खेलें क्यों कि आर्डिनेंस फैक्ट्री में खुद का ग्राउंड है , पुर्व सचिव

ग्यारह हजार रुपए का लाभ लें रहे थे उन्होंने इस बात को गुप्त रखा, हॉकी नर्मदापुरम संघ कि हमारे पास लंबे समय से शिकायत आ रही थी पर अब सर से ऊपर पानी बह गया इसलिए हमारी उपस्थिति में जिला हॉकी संघ जो कि वैधानिक रूप से सही है का गठन कर दिया गया है जिसमें खिलाड़ीयों को पूर्व कि तरह ही गतिविधियां मिल सकेगी। उन्होंने कहा अब आने वाले दिनों में जिला हॉकी संघ के अध्यक्ष,नपा अध्यक्ष द्वारा टूर्नामेंट कराया जायेगा जिसमें शहर के लोगों का भी योगदान लिया जाएगा।

विधायक ने पूर्व सचिव गुरयानी पर जन्म तारीख बदलाव कर ज्यादा उम्र के बच्चों को मेच खिलाने के आरोप लगाएं है, विधायक ने कहा अब कन्हैया गुरयानी से एक एक चीज का हिसाब लिया जाएगा।

अवैध हॉकी संघ की दादागिरी चल रही थी।जिला हॉकी संघ सचिव पद से गुरयानी को जबलपुर संघ ने हटा दिया है जबलपुर हॉकी से कोई लेना-देना नही । जिसके बाद गुरयानी ने नकली संघ, हॉकी नर्मदापुरम बना लिया है। जिसमे अध्यक्ष रज्जू तोमर को बनाया है,कोई अच्छा व्यक्ति को बनाया जाता। गुरयानी सचिव एवं कोच नही है। श्री शर्मा ने कहा बहुत सोच विचारकर नई बॉडी का गठन किया गया है। बच्चे भ्रमित न हो हॉकी आगे और अच्छी तरह से चलेगी।आधार कार्डो में अब जन्मतिथि नही बदलेगी।बारिश के बाद एक अच्छी प्रतियोगिता आयोजित की जावेगी। पहले टूर्नामेंट में बच्चों से पैसे लिये जाते थे। हमने एसपी एवं टीआई को लिखित शिकायत कि है कि जिन लोगों ने बच्चों के आधार कार्डो पर जन्मतिथि चेंज कराई है,उनके खिलाफ कार्यवाही की जाये।नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चोरे ने कहा कि शहर ओर खिलाड़ीयों को भ्रमित किया जा रहा है।अब बच्चों को दीप सिंह द्वारा हॉकी सिखाई जाएगी। हम सब मिलकर हॉकी को सर्वोच स्थान पर ले जाने का प्रयास करेंगे।

पूर्व सचिव गुरयानी ने बताया पहले इंडियन हॉकी फेडरेशन था,तब जिला हॉकी संघ हुआ करता था।अब हॉकी इंडिया है जिसके बाद नियम परिवर्तन के बाद जिले का नाम लिखा जाएगा। नियम के अनुसार ही जिला हॉकी संघ का नाम हॉकी नर्मदापुरम रखा गया है।

शासन द्वारा निर्धारित एफएक्यू मापदंड पर होगी मूंग एवं उड़द की खरीदी

छिन्दवाड़ा। शासन के निर्देशानुसार जिले में निर्धारित केन्द्रों से ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द का उपार्जन 08 अगस्त 2025 तक किया जा रहा है। भारत सरकार द्वारा निर्धारित एफ.ए.क्यू. मापदंड प्रक्रिया का जिला उपार्जन समिति के सदस्यों के समक्ष उपार्जन एजेंसी मार्कफेड एवं नाफेड के सर्वेयरों द्वारा पूरी प्रक्रिया का विधिवत प्रदर्शन करके उपार्जन के लिये नियुक्त नोडल अधिकारी, सहायक नोडल अधिकारी सहकारी समिति एवं विपणन समिति के प्रबंधकों को एफ.ए.क्यू. मापदंड की जानकारी दी गई, जिसके अंतर्गत मूंग एफ.ए.क्यू. मापदंड (अधिकतम स्वीकार्य) विजातीय तत्व 2 प्रतिशत , अन्य खाद्यान्न 3 प्रतिशत, क्षतिग्रस्त दाने 3 प्रतिशत, आंशिक क्षतिग्रस्त दाने 4 प्रतिशत , सुकडे कुमलायें एवं टूटे हुए दाने 3प्रतिशत, फसल में कीट व्याधी ग्रस्त 4 प्रतिशत , नमी का अधिकतम प्रतिशत 12 प्रतिशत होगा।

आरजीपीवी के कंप्यूटर साइंस विभाग में प्राध्यापकों की मनमानी के विरोध में अभाविप ने किया हंगामा

भोपाल। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी), भोपाल के कंप्यूटर साइंस विभाग में प्राध्यापक उदय चौरसिया और मनीष अहिरवार द्वारा छात्रों के साथ की जा रही बदसलूकी, धमकी और मनमानी के विरोध में आज अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के कार्यकर्ताओं ने विभाग परिसर में जोरदार हंगामा किया। छात्रों का आरोप है कि दोनों प्राध्यापक न केवल नियमित कक्षाएं नहीं लेते, बल्कि जब छात्र उनसे पढ़ाई की मांग करते हैं तो उन्हें इंटरनल में फेल करने और झूठे केस में फंसाने की धमकी देते हैं। पहले भी उदय चौरसिया पर एक छात्रा को जानबूझकर फेल करने का आरोप सिद्ध हो चुका है, जिसके बाद उन्हें विभागाध्यक्ष के पद से हटाया गया था। बावजूद इसके, उनका व्यवहार जस का तस बना हुआ है।

विभाग की एक महिला गेस्ट फैकल्टी ने भी हाल ही में उदय चौरसिया पर दुर्व्यवहार की लिखित शिकायत कुलसचिव से की थी, लेकिन विश्वविद्यालय प्रशासन ने आज तक कोई कार्रवाई नहीं की। आज जब अभाविप कार्यकर्ता विभाग में प्राध्यापकों से जवाब मांगने पहुंचे, तो दोनों प्राध्यापक मौके से भाग खड़े हुए। इसके बाद अभाविप कार्यकर्ताओं ने विभाग परिसर में विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जाहिर की। अभाविप ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही इन प्राध्यापकों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं की गई, तो विद्यार्थी परिषद विश्वविद्यालय स्तर पर उग्र आंदोलन करेगी।

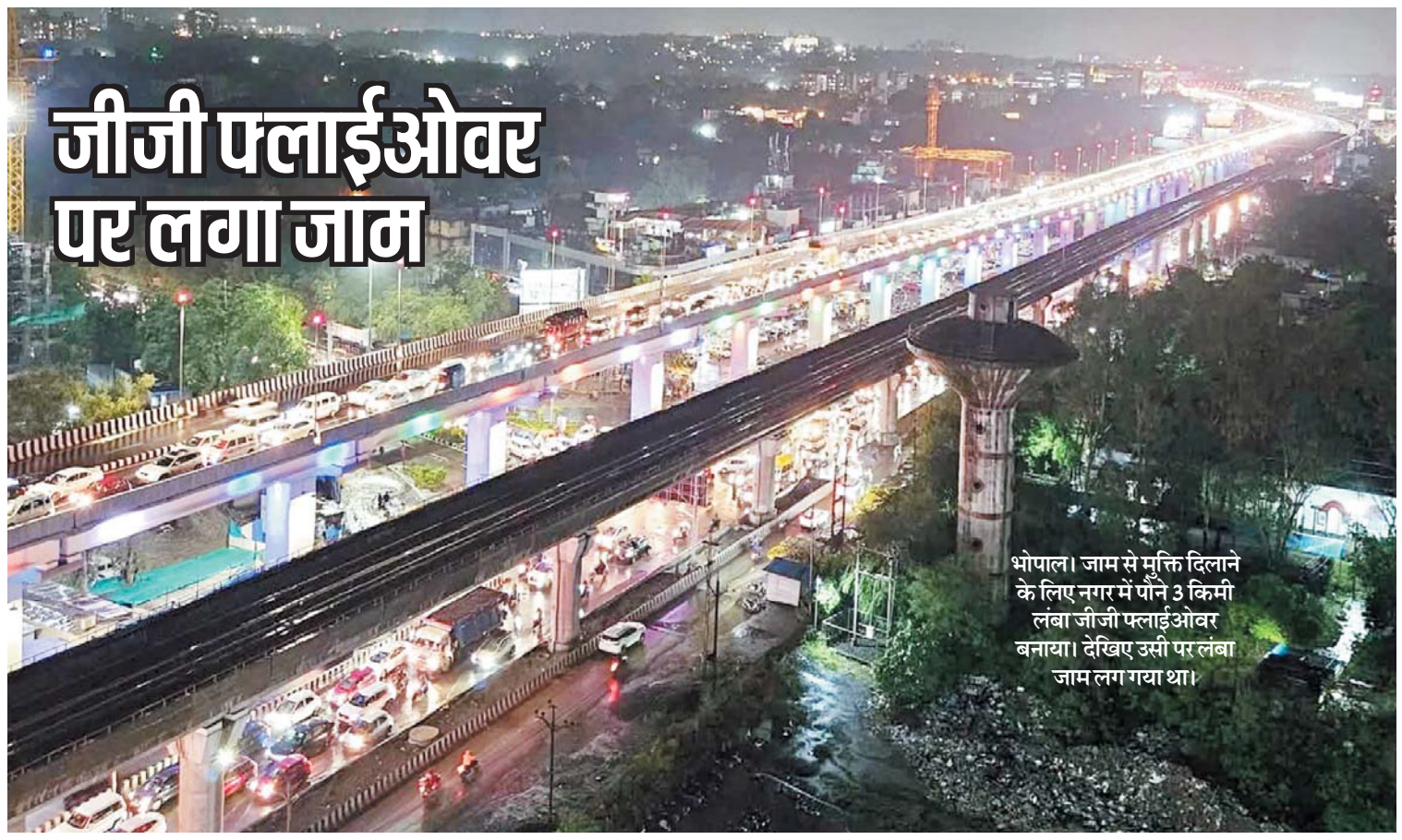

जीजी फ्लाईओवर पर लगा जाम

भोपाल। जाम से मुक्ति दिलाने के लिए नगर में पौने 3 किमी लंबा जीजी फ्लाईओवर बनाया। देखिए उसी पर लंबा जाम लग गया था।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को सेज मीडिया समूह द्वारा आयोजित संवाद कार्यक्रम एमपी तक बैठक में भाग लिया।

इंदौर से रायपुर के लिए उड़ान भरने वाली इंडिगो की फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

इंदौर। इंदौर से रायपुर के लिए उड़ान भरने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6ई7295 में मंगलवार सुबह उस समय तकनीकी खराबी आ गई, जब विमान उड़ान भरने के लगभग आधे घंटे बाद हवा में था। पायलट को जैसे ही फॉल्स अलार्म (गलत तकनीकी संकेत) मिले, उसने एहतियातन फ्लाइट को वापस इंदौर लाने का फैसला लिया। फ्लाइट ने आज सुबह 6.30 बजे उड़ान भरी थी और करीब 7.15 बजे सुरक्षित रूप से इंदौर एयरपोर्ट पर वापस लैंडिंग करा दी गई। टर्मिनल मैनेजर के मुताबिक, फ्लाइट अपने तय समय पर रवाना हुई थी, लेकिन उड़ान के दौरान पायलट को तकनीकी फॉल्स अलार्म (गलत तकनीकी संकेत) मिले। यह इमरजेंसी लैंडिंग की स्थिति नहीं थी, बल्कि पायलट ने केवल एहतियात के तौर पर निर्णय लिया था। फ्लाइट की इंदौर वापसी के बाद इंडिगो की फ्लाइट में आई तकनीकी खामी को ठीक किए जाने का काम शुरू किया गया। वहीं, इसके यात्रियों को कंपनी द्वारा टिकट का पैसा रिफंड किया गया। साथ ही जो यात्री अपनी यात्रा री-शेड्यूल करना चाहते थे उन्हें यह विकल्प भी दिया है। इंदौर एयरपोर्ट से रोजाना उड़ान भरने वाली यह फ्लाइट सुबह 6.35 बजे रवाना होकर आमतौर पर 8.30 बजे रायपुर एयरपोर्ट पर लैंड करती है। वहीं, रायपुर से वापसी की फ्लाइट 6ई7296 सुबह 10.30 बजे उड़ान भरती है और दोपहर करीब 12 बजे इंदौर पहुंचती है।

15 दिन पहले भी आई थी तकनीकी समस्या

यह पहला मौका नहीं है जब इंडिगो की उड़ान में तकनीकी परेशानी सामने आई हो। लगभग 15 दिन पहले इंदौर से भुवनेश्वर जा रही फ्लाइट 6ई6332 रनवे से टेक-ऑफ के पहले ही वापस लौट आई थी। उस वक्त भी विमान में माइनर तकनीकी गड़बड़ी की बात सामने आई थी। विमान में 80 से अधिक यात्री सवार थे। तकनीकी सुधार के बाद ही उड़ान संभव हो सकी थी। विमान करीब ढाई घंटे तक रनवे पर खड़ा रहा। इस दौरान सभी यात्री विमान में ही बैठे रहे।

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इंदौर में भारत के पहले राज्य-संचालित क्रिकेट संग्रहालय का उद्घाटन किया

मैं संग्रहालय का दीवाना हूं क्रिकेट संग्रहालय में सब कुछ देखने के लिए एक दिन काफी नहीं है: सिंधिया

भोपाल। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज इंदौर में एमपीसीए क्रिकेट संग्रहालय का उद्घाटन किया - यह भारत का पहला ऐसा संग्रहालय है जिसे राज्य क्रिकेट संघ ने स्थापित किया है, इस अवसर पर पूर्व भारतीय कप्तान दिलीप वेंगसरकर भी मौजूद थे।

एमपीसीए परिसर में स्थित यह संग्रहालय भारतीय क्रिकेट का जीवंत संग्रह है जिसमें 500 से अधिक दुर्लभ और सावधानीपूर्वक संरक्षित कलाकृतियां हैं, जिनमें सदियों पुराने गियर, ऐतिहासिक बल्ले, मैच में पहनी गई जर्सी, हस्ताक्षरित पत्र, मूल स्कोरकार्ड और कर्नल सी.के. नायडू, दिलीप वेंगसरकर, कपिल देव, राहुल द्रविड़ और अन्य जैसे क्रिकेट के दिग्गजों द्वारा दान की गई व्यक्तिगत यादगार वस्तुएं शामिल हैं।

क्रिकेट के मंदिर से कम नहीं

इसे क्रिकेट के मंदिर से कम नहीं कहते हुए, सिंधिया ने कहा, ऐसा हर दिन नहीं होता कि कोई सपना ईंट और रोशनी में बदल जाए। एमपीसीए ने जो बनाया है, वह सिर्फ एक संग्रहालय नहीं है, बल्कि एक छद्म कहानीकार है।

15 वर्षों में पोषित एक विजन- बहुत भावुक सिंधिया ने एमपीसीए अध्यक्ष के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान 15 साल पहले इस तरह के संग्रहालय के विचार को रोपने में अपनी भूमिका को याद किया। उन्होंने इस विजन को जीवन में लाने के लिए एमपीसीए अध्यक्ष अभिलाष नंदीगर और उनकी टीम सहित वर्तमान नेतृत्व की सराहना की।

एक सज्जन क्रिकेटर का सम्मान - दिलीप वेंगसरकर- उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद पूर्व भारतीय कप्तान दिलीप वेंगसरकर को भी श्रद्धांजलि दी, उन्हें ÷सज्जन क्रिकेटर और भारत के सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक, जिन्होंने दुनिया को रुकने और देखने पर मजबूर कर दिया।

क्रिकेट की यादें ताजा हो गईं- 1956 के विजडन अलमनैक से लेकर कपिल देव द्वारा जिम्बाब्वे के खिलाफ़ अपने ऐतिहासिक 175 रन के हस्ताक्षर वाले स्लेजिंगर मोंगूज बल्ले तक, संग्रहालय भारत के क्रिकेट के अतीत में एक बहुआयामी तल्लीनता प्रदान करता है। इसमें एक समर्पित आईपीएल गैलरी और होलकर युग से लेकर आधुनिक समय के आइकन तक एमपीसीए के दिग्गजों को विशेष श्रद्धांजलि भी शामिल है।

एमपीसीए का स्वर्णिम अध्याय पुरुष और महिलाएँ नेतृत्व कर रहे हैं- उद्घाटन ने एमपीसीए के लिए एक स्वर्णिम अध्याय को चिह्नित किया, जो हाल के वर्षों में घरेलू क्रिकेट में एक पावरहाउस के रूप में उभरा है, जिसने रणजी ट्रॉफी जीती है, 11 आईपीएल खिलाड़ी तैयार किए हैं और अंडर-19, अंडर-23 और महिला क्रिकेट में बड़ी जीत हासिल की है। महिला क्रिकेट में एमपी का कद बढ़ाने के लिए क्रांतिगौर, सुचि उपाध्याय, अविशी शुक्ला और वैष्णवी जैसे बेहतरीन प्रदर्शन करने वालों को भी सम्मानित किया गया।

एक शक्तिशाली नोट पर समाप्त करते हुए, सिंधिया ने कहा, एमपीसीए संग्रहालय भारत की भावना का एक वसीयतनामा है जहाँ विरासत आकांक्षाओं से मिलती है। इस तरह के विजन के साथ, एमपीसीए कभी पीछे नहीं रहेगा... बल्कि कई और शतक बनाएगा।

टोल फ्री नंबर से खाद न मिलने से किसान प्रशासन से नाराज

जो किसान डिफाल्टर नहीं है उन्हें भी नहीं मिल रहा खाद, किसानों ने नैनो डीएपी व यूरिया नहीं चाहिए के लगाए नारे

जबलपुर। भारतीय किसान संघ के प्रशिक्षण वर्ग में शामिल होने छरौआ घाट पहुंचे सैकड़ों किसानों ने टोल फ्री नंबर से खाद न मिलने से जमकर नाराजगी व्यक्त की। किसान संघ के जिलाध्यक्ष रामदास पटेल ने बताया कि टोल फ्री नंबर 0761181 पर कॉल करते हैं तो फोन नहीं लगता है और न ही किसानों को इस संबंध में कोई एसएमएस अभी तक मिले हैं। एक जुलाई से प्रारंभ हुई खाद वितरण की यह व्यवस्था नाकाम साबित हुई है। सेंदरवाड़ा के किसान राजेश पटेल ने बताया कि जो किसान डिफाल्टर नहीं है उन्हें भी खाद नहीं मिल रहा है। श्री पटेल ने कहा कि यदि व्यवस्था नहीं सुधरी तो भारतीय किसान संघ के नेतृत्व जिले भर के

किसान जिला मुख्यालय पर बड़े आंदोलन, धरना प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होंगे। जिसकी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी। प्रशिक्षण वर्ग में मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख राघवेन्द्र सिंह पटेल व विद्युत नियामक आयोग के सदस्य दामोदर पटेल ने किसान संघ की रीति नीति, अवधारणा व कार्यपद्धति को किसानों के समक्ष रखा।

नैनो डीएपी व नैनो यूरिया से कोई फायदा नहीं- शासन द्वारा जारी आदेश के तहत 5 बोरी डीएपी व 5 बोरी यूरिया के साथ एक बॉटल नैनो डीएपी व यूरिया की जबरदस्ती दी जा रही है। जिसको लेकर प्रशासन के खिलाफ किसानों में भारी गुस्सा देखने मिला। किसानों ने आरोप लगाया कि निजी कंपनियों को फायदा पहुंचाने अधिकारी इस तरह के आदेश निकाल रहे है। जिससे किसान को आर्थिक नुकसान हो रहा है और निजी खाद कंपनियों को लाभ मिल रहा है। जबकि नैनो डीएपी व यूरिया से किसानों को कोई लाभ नहीं है। इस भ्रष्टाचार को बंद किया जाना चाहिए।

डीएपी के साथ नैनो डीएपी व यूरिया की बॉटल जबरदस्ती किसानों को देने पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान नाराजगी जता चुके हैं। जिसका वीडियो जारी करते हुए किसान संघ ने कहा कि केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि किसान को फायदा होगा तो वह नैनो डीएपी या यूरिया खरीदेगा।

प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल पद संभालने के बाद पहली बार इंदौर पहुंचे

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने प्रदेशाध्यक्ष को दी भगवान गणेश की कसम-पैर नहीं छूना, खंडेलवाल बोले मैं एक सामान्य कार्यकर्ता

भोपाल। बीजेपी के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल पद संभालने के बाद सोमवार 7 जुलाई को पहली बार इंदौर पहुंचे। यहां कार्यकर्ताओं ने उनका जमकर स्वागत किया। खंडेलवाल का पहले सांवेर विधानसभा में स्वागत समारोह हुआ। वह खजराना गणेश मंदिर में पंहुचे और पूजा की। साथ ही पिपल्यापाला गुरूद्वारे में अरदास की और फिर राउ विधानसभा में कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे वहां स्वागत कार्यक्रम हुआ। कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत कार्यक्रम के दौरान मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि खंडेलवालजी सहज और ईमानदार नेता हैं। मप्र में कई प्रदेशाध्यक्ष हुए, लेकिन वे मुझे कैलाश जोशी जैसे सहज और ईमानदार लगते हैं। उन्होंने खंडेलवाल को भगवान गणेश की

कसम देते हुए कहा कि- आज के बाद आप मेरे पैर नहीं छुएंगे। आपने खजराना गणेश मंदिर में भी मेरे पैर छुए थे जो मुझे अच्छा नहीं लगा।

खंडेलवाल ने खुद को बताया कार्यकर्ता- वहीं खंडेलवाल पूरे समय सहज और सरल भाव से सभी मिलते हुए नजर आए। उन्होंने मंच पर आते ही ताई सुमित्रा महाजन के पैर छुए। वहीं सादगी के साथ सभी नेताओं से मुलाकात की और इंदौर के कार्यकर्ताओं के काम की तारीफ की। उन्होंने कहा कि मैं किसी पद पर नहीं हूं और न ही प्रदेशाध्यक्ष हूं, आप सभी कार्यकर्ता प्रदेशाध्यक्ष है और मैं मात्र एक कार्यकर्ता हूं। खुद को पीछे रखकर पार्टी की नीतियों के लिए काम करूंगा। हर कार्यकर्ता को यह भाव होना चाहिए वह किसी भी पद पर पहुंच सकता है और यह केवल बीजेपी में ही संभव है। हमारी पार्टी पहले ही ऊंचाईयों पर है और उसे ऊंचाईयों पर ले जाएंगे। केंद्र से पीएम नरेंद्र मोदी की योजनाएं हैं, प्रदेश में जो सीएम डॉ. मोहन यादव की योजनाएं है उसे नीचे तक ले जाएंगे।

लव जिहाद हमारे होते बढ़ेगा तो शर्म से डूब मरें

मंत्री विजयवर्गीय ने इस दौरान यह भी कहा कि बीजेपी कार्यकर्ताओं को लव जिहाद पर नजर रखनी चाहिए। उन्होंने कहा, ÷अगर हमारे होते ऐसी ताकतें बढ़ें, तो हमें शर्म से डूब मरना चाहिए।÷ विजयवर्गीय ने कार्यकर्ताओं से यह भी कहा कि वे इसे चुनौती की तरह लें और ऐसा सबक सिखाएं कि वे हमेशा याद रखें। खंडेलवाल, विजयवर्गीय, मंत्री तुलसी सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायकगण, नगराध्यक्ष सुमित मिश्रा, जिलाध्यक्ष श्रवण चावड़ा, टीनू जैन, प्रताप करोसिया, सावन सोनकर सहित कई नेता गर्भगृह में मौजूद थे। कार्यकर्ता सम्मेलन के दौरान भी पार्टी के हर नेता ने शिरकत की इसमें सभी विधायक मंच पर मौजूद रहे तो कांग्रेस से बीजेपी में आए नेता भी मंचासीन थे।

भोपाल के प्रमुख अस्पताल और उनके मोबाइल नं.

पीपुल्स जनरल हास्पिटल	9424400220
बीएमएचआरसी	9425006323
नवजीवन हॉस्पिटल भोपाल	9644683746
चौधरी हॉस्पिटल भोपाल	9406955057
पिपुल्स मेडिकल कॉलेज	9977143085
न्यूरॉन ट्रॉमा सेंटर	8223991296
भगवती गौतम हॉस्पिटल	7000838590
गायत्री मल्टी स्पेशियलिटी	9425437782
कैयर मल्टी स्पेशिलिटी	9229191507
रेलवे हॉस्पिटल भोपाल	9752416514
भोपाल माउंट अस्पताल	9981057127
जवाहर लाल नेहरू अस्पताल	8319240351
आयुष्मान भारत अस्पताल	8463891433
वी केयर चाइल्ड अस्पताल	9926508034
आयुष हॉस्पिटल भोपाल	9827229113
मिराकल्स हॉस्पिटल	8878666076
केयरवेल मल्टी	7999366790
जीएमसी भोपाल	9425079117
चिरायु मेडिकल कॉलेज	9993366621
पीबीजीएम सुपर स्पेशियलिटी	9669866279
आरकेडीएफ मेडिकल कॉलेज	7692940261
नर्मदा ट्रामा सेंटर	9993370611
सिद्धान्त रेड क्रॉस	9826078794
एम्स	7675033335
भोपाल सिल्वर लाइन	9425020443
भोपाल मल्टी स्पेशियलिटी	8435932196
राजदीप हॉस्पिटल भोपाल	9893193090
भोपाल अनंतश्री हॉस्पिटल	9713521930
भोपाल एबीएम हॉस्पिटल	9993420834
आराधना मेटरनिटी	9826059837
बंसल हॉस्पिटल, भोपाल	8109099800
एलबीएस हॉस्पिटल	9893247825
कैरियर इंस्टीट्यूट	9977688558
कस्तूरबा अस्पताल	9425604476
जेपी हॉस्पिटल भोपाल	912500-1150
एलएन जेके अस्पताल	9630092300
तृप्ति मल्टी ट्रॉमा सेंटर	8962161977
भोपाल नेशनल हॉस्पिटल	8109090919
डॉ ब्यौहार सेंटर फॉर स्माइल मल्टीस्पेशलिटी डेंटल एंड इम्प्लांट सेंटर	09399077789
महावीर इंस्टिट्यूट	9125006560
सहारा हॉस्पिटल भोपाल	9425022297
भोपाल सैन्य अस्पताल	8423860619
निर्मला प्रेम मल्टी हॉस्पिटल	7889938538
भोपाल ओम हॉस्पिटल	8889678633
भोपाल पारस हॉस्पिटल	9826066364
दिव्यांका चिल्ड्रन हॉस्पिटल	7000051700
अरेरा ट्रामा एंड क्रिटिकल केयर	9425606598
नागपुर न्यूरो एंड ट्रॉमा अस्पताल	90395576-15
एम्पायर हॉस्पिटल मल्टी स्पेशियलिटी	7987501592
भोपाल साक्षी हॉस्पिटल	8962473496
अपोलो हॉस्पिटल	9993417676
लाहोटी अस्पताल और रिसर्च सेंटर	9826126470
आरोग्य निधि हॉस्पिटल	8109604290
अटल मेमोरियल कैंसर केसर हॉस्पिटल	7552446139
चरक हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर	9826076272
प्रभातश्री हॉस्पिटल	9926333173
भोपाल गुडविल हॉस्पिटल	9993420548
आस्था हॉस्पिटल	8109099800
रुद्रांश मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल	9826838061
भोपाल आरआर हॉस्पिटल	9893838789
पालीवाल हॉस्पिटल	9425009911
भोपाल केयर हॉस्पिटल	9125017148
रोशन हॉस्पिटल भोपाल	7089203006
नवोदय कोविड सेंटर	9581461445
नोवल मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल	9039002945
भोपाल सिटी हॉस्पिटल	9893758044
एपेक्स हॉस्पिटल	8839161356
भोपाल अक्षय अस्पताल	9125004913
भोपाल मायो हॉस्पिटल	9425010770
भोपाल निरमया हॉस्पिटल	7879757669
होप एसएस हॉस्पिटल	9425010240
भोपाल स्मार्ट सिटी हॉस्पिटल	9109101823
जसदीप हॉस्पिटल	9826056800
हजेला हॉस्पिटल	9575452525